आज का तापमान

| | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| लखनऊ | 21°C | 10°C |

इनसाइड न्यूज

...आखिर कितना और इंतजार, बाघ ने किया 14 वां शिकार

उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

# जन एक्सप्रेस

शुक्रवार 17 जनवरी, 2025 | पेज: 12 | मूल्य: ₹3.00/- लखनऊ वर्ष: 16, अंक: 96 | www.janexpresslive.com/epaper

गोधरा कांड पर 'सुप्रीम' सुनवाई 13... 12

# अंतरिक्ष में डॉकिंग करने वाला चौथा देश बना भारत

## इसरो ने दो स्पेसक्राफ्ट जोड़े, 30 दिसंबर को लॉन्च हुआ था स्पेडेक्स मिशन

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। बेंगलुरु**

भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और लंबी छलांग लगाकर विश्व के चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार सुबह इतिहास रच दिया। इसरो ने दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित कर दिया। इसके साथ ही अमेरिका, रूस, चीन के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया। यह प्रौद्योगिकी भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं जैसे चंद्रमा पर भारतीय मिशन, चंद्रमा से नमूने वापस लाना, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) का निर्माण और संचालन आदि के लिए जरूरी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पेडेक्स) के तहत उपग्रहों की 'डॉकिंग' सफलतापूर्वक की। इसरो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। सुप्रभात भारत, इसरो के स्पेडेक्स मिशन ने 'डॉकिंग' में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस क्षण का गवाह बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

### सक्सेसफुल डॉकिंग के बाद इसरो ने कहा

"स्पेसक्राफ्ट की डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई! एक ऐतिहासिक क्षण। चलिए डॉकिंग प्रोसेस जानते हैं- स्पेसक्राफ्ट्स के बीच की दूरी को 15 मीटर से 3 मीटर तक लाया गया। डॉकिंग की शुरुआत सटीकता के साथ की गई, जिससे स्पेसक्राफ्ट को कैप्चर करने में कामयाबी मिली। डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई। भारत सफल स्पेस डॉकिंग हासिल करने वाला चौथा देश बन गया। पूरी टीम को बधाई! भारत को बधाई! डॉकिंग के बाद, सिंगल ऑब्जेक्ट के रूप में दो स्पेसक्राफ्ट का कंट्रोल सक्सेसफुल हुआ। आने वाले दिनों में अनडॉकिंग और पावर ट्रांसफर चेक किए जाएंगे।

### क्या है डॉकिंग प्रक्रिया?

जब दोनों यान तेज रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे होंगे तो चेजर टारगेट का पीछा करेगा और दोनों तेजी से एक दूसरे के साथ डॉक करेंगे। अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' प्रौद्योगिकी की तब जरूरत होती है जब साझा मिशन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए कई रॉकेट प्रक्षेपित करने की जरूरत होती है। वांछित कक्षा में प्रक्षेपित होने के बाद दोनों अंतरिक्ष यान 24 घंटे में करीब 20 किलोमीटर दूर हो जाएंगे। इसके बाद वैज्ञानिक डॉकिंग प्रक्रिया शुरू करेंगे। ऑनबोर्ड प्रोपल्शन का उपयोग करते हुए टारगेट धीरे-धीरे 10-20 किमी का इंटर सैटेलाइट सेपरेशन बनाएगा। इसे सुदूर मिलन चरण के रूप में जाना जाता है। चेजर फिर चरणों में टारगेट के पास पहुंचेगा। इससे दूरी धीरे-धीरे 5 किमी, 1.5 किमी, 500 मीटर, 225 मीटर, 15 मीटर और अंत में 3 मीटर तक कम हो जाएगी, जहां डॉकिंग होगी। डॉक हो जाने के बाद मिशन पेलोड संचालन के लिए उन्हें अनडॉक करने से पहले अंतरिक्ष यान के बीच पावर ट्रांसफर का प्रदर्शन करेगा।

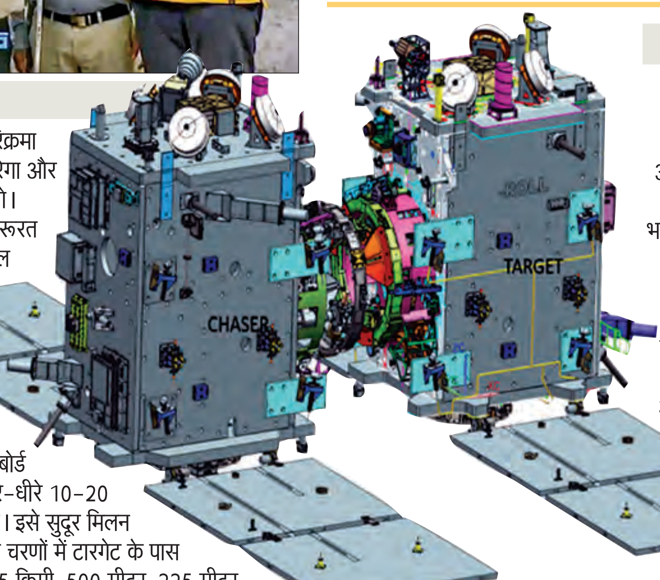


### पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और पूरे अंतरिक्ष समुदाय को उपग्रहों की अंतरिक्ष डॉकिंग के सफल प्रदर्शन के लिए बधाई। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने ट्वीट किया, इसरो को बधाई। आखिरकार आपने कर दिखाया। स्पेडेक्स ने अविश्वसनीय...डॉकिंग पूरी कर ली है और यह पूरी तरह स्वदेशी भारतीय डॉकिंग सिस्टम है। इससे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रयान 4 और गगनयान सहित भविष्य के महत्वाकांक्षी मिशनों के सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त होता है।

### डॉकिंग वह प्रक्रिया है जिसके मदद से दो अंतरिक्ष ऑब्जेक्ट एक साथ आते हैं

इसरो के अनुसार, जब अंतरिक्ष में कई ऑब्जेक्ट होते हैं और जिन्हें किसी खास उद्देश्य के लिए एक साथ लाने की जरूरत होती है तो डॉकिंग की आवश्यकता होती है। डॉकिंग वह प्रक्रिया है जिसके मदद से दो अंतरिक्ष ऑब्जेक्ट एक साथ आते हैं और जुड़ते हैं। यह विभिन्न तरीकों का उपयोग करके किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष अंतरिक्ष स्टेशन पर चालक दल के मॉड्यूल स्टेशन पर डॉक करते हैं, दबाव को बराबर करते हैं और लोगों को स्थानांतरित करते हैं। इससे पहले 12 जनवरी को इसरो ने उपग्रहों को 'डॉक' करने के परीक्षण के तहत दो अंतरिक्ष यान को तीन मीटर की दूरी पर लाकर और फिर सुरक्षित दूरी पर वापस भेजा था। इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पेडेक्स) मिशन को सफलतापूर्वक शुरू किया था। इसरो ने रात 10 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र यानी शार से स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) लॉन्च किया था। मिशन की कामयाबी भारतीय अंतरिक्ष केंद्र की स्थापना और चंद्रयान-4 जैसे मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए अहम साबित होगी।

### मिशन के फायदे

- भारत की योजना 2035 में अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की है। मिशन की सफलता इसके लिए अहम है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन में पांच मॉड्यूल होंगे जिन्हें अंतरिक्ष में एक साथ लाया जाएगा। इनमें पहला मॉड्यूल 2028 में लॉन्च किया जाना है।
- यह मिशन चंद्रयान-4 जैसे मानव अंतरिक्ष उड़ानों के लिए भी अहम है...यह प्रयोग उपग्रह की मरम्मत, ईंधन भरने, मलबे को हटाने और अन्य के लिए आधार तैयार करेगा। यह तकनीक उन मिशनों के लिए अहम है, जिनमें भारी अंतरिक्ष यान और उपकरण की जरूरत होती है, जिन्हें एक बार में लॉन्च नहीं किया जा सकता।

# हमलावर ने सैफ अली खान पर चाकू से किए कई वार, हिरासत में संदिग्ध

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई**

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर गुरुवार 16 जनवरी को सुबह 2 बजे उनके बांद्रा स्थित आवास पर चोरी की कोशिश के दौरान चाकू से हमला किया गया। सैफ को कई चोटें आईं, जिसमें गर्दन पर 10 सेमी का घाव और रीढ़ के पास गहरे घाव शामिल हैं। फिलहाल उनका लीलावती अस्पताल में इलाज चल रहा है और बताया जा रहा है कि वह खतरे से बाहर हैं। चोर ने सबसे पहले सैफ की हाउस हेल्पर से हाथापाई की और जब सैफ ने बीच-बचाव किया तो उन्होंने अभिनेता पर हमला किया।

### हाउस हेल्पर को चाकू से घोंपा

टाइम्स नाउ के अनुसार, चोर ने पहले सैफ की हाउस हेल्पर से भिड़कर उसे चाकू मार दिया। जब सैफ ने बीच-बचाव करके स्थिति को शांत करने की कोशिश की, तो चोर ने तुरंत अभिनेता पर ही हमला कर दिया। इस हाथापाई के दौरान सैफ घायल हो गए। चोरों ने उन पर कई बार धारदार हथियार से हमला किया।

### हाउस हेल्पर का बयान दर्ज

यह हमला सतगुरु शरण बिल्डिंग में हुआ, जहां सैफ अपनी अभिनेत्री पत्नी करीना कपूर खान और बेटों तैमूर और जेह के साथ रहते हैं। पुलिस ने सैफ की नौकरानी का बयान दर्ज कर लिया है। जोन 9 के पुलिस उपायुक्त दीक्षित गेदाम ने कहा, महिला ठीक है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

### एफआईआर हुई दर्ज

बांद्रा पुलिस के अनुसार, चोर ने सैफ के घर के नौकर से बहस की, जिसके बाद अभिनेता ने बीच-बचाव किया, जिससे हाथापाई हो गई। हमलावर ने सैफ पर किसी नुकीली चीज से वार करने के बाद मौके से भाग गए, जिसे निकालने के लिए सर्जरी की जरूरत पड़ी। एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

### इतनी आईं चोटें

लीलावती अस्पताल के सीओओ नीरज उत्तमानी ने बताया कि सैफ को सुबह 3:30 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्हें चाकू के छह घाव मिले थे, जिनमें से दो गहरे थे और एक रीढ़ की हड्डी के बहुत करीब था। न्यूरोसर्जन डॉ. नितिन डांगे, कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. लीना जैन और एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ. निशा गांधी उसकी देखभाल कर रहे हैं।

# यूपी के 55 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट, जारी रहेगा सर्दी का कहर

**जन एक्सप्रेस। लखनऊ**

उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्से घने कोहरे और ठंड की चपेट में हैं। मौसम विभाग की मानें तो इस घने कोहरे और ठिठुरन भरी ठंड से फिलहाल कुछ दिन राहत नहीं मिलने वाली। घने कोहरे की वजह से बृहस्पतिवार की सुबह राजधानी लखनऊ समेत प्रयागराज, आगरा आदि शहरों में दृश्यता 50 मी से भी कम रही। बृहस्पतिवार को कई इलाकों में दोपहर बाद गुनगुनी धूप तो हुई लेकिन कोहरे के आगे बेअसर रही। शुक्रवार के लिए मौसम विभाग ने यूपी के 55 जिलों में घना कोहरा छाने की चेतावनी जारी की है। वहीं बुधवार की रात से बृहस्पतिवार सुबह के बीच पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों और दिल्ली से सटे जिलों गौतमबुद्ध नगर व गाजियाबाद आदि में छिटपुट बूंदाबांदी देखने को मिली। गलन भरी हवाओं और कोहरे के बीच इस बूंदाबांदी से दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि बृहस्पतिवार से पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ने से फिहलाल अब कुछ दिन मौसम शुष्क रहेगा। साथ ही प्रदेश में गलन भरी पछुआ और घना कोहरा बना रहेगा।

### इन इलाकों में है घना कोहरा छाने की संभावना

प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, बुलन्दशहर, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में घना कोहरा छाने की संभावना है।

### मायावती ने यूपी में पुलिस राज होने का लगाया आरोप, कहा

# विरोधियों का किया जा रहा दमन

**जन एक्सप्रेस। लखनऊ**

बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में पुलिस राज कायम होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था के नाम पर दमनकारी नीति अपनाई जा रही है। इसके तहत अधिकतर गरीबों, मजलूमों, बेसहारा और मेहनतकश लोगों को अंधाधुंध गिरफ्तार करके जेलों में कैद किया जा रहा है। जो कि चिंतनीय है। हाल ये है कि सिविल मामलों को भी क्रिमिनल केस की तरह देखा जा रहा है और विरोधियों का दमन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को कोर्ट की तरह गंभीर और संवेदनशील होकर संविधान धर्म की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मायावती बृहस्पतिवार को लखनऊ में बसपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यूपी में सत्ताधारी लोगों के हर जुर्म की अनदेखी की जा रही है। क्या इसी से कानून व्यवस्था में सुधार होगा? जिलों में प्रशासन व पुलिस का रवैया ज्यादातर मामलों में राजनीतिक, सांप्रदायिक व जातिवादी है। इससे लोगों में धारणा बन रही है कि भाजपा की वोट बैंक की राजनीति के लिए पुलिस व प्रशासन का अनुचित इस्तेमाल किया जा रहा है। बैठक में उन्होंने संगठन के कार्यों की समीक्षा की और कार्यकर्ताओं से बसपा को तन, मन और धन से मजबूत करने की अपील की है।

# मिल्कीपुर में खिलेगा कमल या फिर से दौड़ेगी साइकिल

- साख का सवाल बन चुकी मिल्कीपुर सीट पर बिछी सियासी बिसात
- दिल्ली विधानसभा चुनाव से ज्यादा हो रही मिल्कीपुर उपचुनाव की चर्चा

**जन एक्सप्रेस। संतोष कुमार दीक्षित**

**राज्य मुख्यालय।** उत्तर प्रदेश की हॉट सीटों में सुमार मिल्कीपुर सीट की चर्चा दिल्ली के विधानसभा चुनावों से भी ज्यादा हो रही है। इस सीट पर अब सियासी बिसात पूरी तरह से बिछ चुकी है। सभी दल जीत के लिए अपने-अपने दांव लगा रहे हैं। उपचुनाव जीतने के लिए भाजपा ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। इस सीट को जीतना भाजपा के लिए साख का सवाल बन गया है। कुंदरकी और कटेहरी की ही तरह ही यहां भाजपा विरोधी दलों को चारों खाने चित करने का प्लान तैयार कर चुकी है। सीएम योगी से लेकर आधा दर्जन से ज्यादा मंत्री इस काम में जुटे हैं। उधर समाजवादी पार्टी भी उपचुनाव में धांधली होने की आशंका को लेकर सत्तासीन पार्टी को आड़े हाथों ले रही है और अपने कार्यकर्ताओं को हद से गुजर जाने की सीख दे रही है।

### मिल्कीपुर जीतकर आम चुनाव की टीस कम करना चाहती है भाजपा

यूपी की नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के बराबर ही मिल्कीपुर उपचुनाव की अहमियत को आंका जा रहा है। क्योंकि, मिल्कीपुर का मामला सीधे अयोध्या के रिजल्ट से जुड़ा है, जहां फैजाबाद लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी ने बीजेपी को हरा कर सीटअपने नाम कर ली थी। वो भी ऐसे दौर में जब अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ ही विकास की चारों ओर गंगा बह रही थी। कहीं न कहीं बीजेपी मिल्कीपुर सीट को जीतकर आम चुनाव की टीस को कम करना चाहती है।

### चंद्रशेखर ने आसान की बीजेपी की राह

मिल्कीपुर उपचुनाव में चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी ने समाजवादी पार्टी के बागी संतोष कुमार को टिकट देकर भाजपा की राह आसान बना दी है। वहीं सपा के सामने मुश्किलें आ सकती हैं। भाजपा ने यहां चंद्रभान पासवान को प्रत्याशी बनाया तो और समाजवादी पार्टी ने सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को चुनावी मैदान में उतारा है। तीनों ही उम्मीदवार पासी समुदाय से आते हैं। ऐसे में सपा का वोट बंट सकता है। वहीं इसका फायदा बीजेपी को मिलने की उम्मीद है।

### क्या 2027 का विजयी द्वार है मिल्कीपुर

प्रदेश में भले ही सर्दी चरम पर है, लेकिन राजनीति के अखाड़े की गर्माहट जारी है। भाजपा और सपा ने मिल्कीपुर सीट जीतने के लिए अपने-अपने योद्धा भी मैदान में उतार दिए हैं। मिल्कीपुर उपचुनाव बेहद महत्वपूर्ण पड़ाव है - जिसका रिजल्ट अखिलेश यादव और योगी आदित्यनाथ दोनों के लिए सियासी मशाल साबित होगा। राजनीतिक गलियारे में चर्चा इस बात की भी है कि मिल्कीपुर सीट जीतने वाले दल के लिए क्या 2027 की जीत का द्वार खुल सकेगा।

### बसपा-कांग्रेस ने डाले हथियार

पांच फरवरी को दिल्ली चुनावों के साथ ही मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव होना है। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा और सपा के बीच ही है। कांग्रेस और बसपा पहले ही चुनावी रेस से बाहर हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने उपचुनाव न लड़ने के पीछे धांधली को बजय बताया था।

### यादव-पासी करेंगे जीत-हार का निर्णय

मिल्कीपुर सीट पर हार-जीत का निर्णय यादव और पासी समुदाय के वोटर करेंगे। यहां करीब 3 लाख 58 हजार मतदाता हैं। इनमें एक लाख से ज्यादा दलित मतदाता हैं। इन दलित मतदाताओं में भी सबसे ज्यादा 55 हजार वोट पासी समाज के हैं। करीब 60 हजार यादव वोटर भी हैं। मुस्लिम समाज के वोटों की संख्या भी ठीक ठाक है। सपा ने 2022 में बीजेपी से सीट छीनी थी। लेकिन सपा और भाजपा के साथ ही आजाद पार्टी के तीनों प्रत्याशी दलित समुदाय के होने के चलते वोट बंटेगा और इसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है।

# सरकारी कर्मचारियों को मोदी सरकार का तोहफा, आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी

- 2026 से लागू होगा; श्रीहरिकोटा में 3985 करोड़ में तीसरा सैटेलाइट लॉन्च पैड बनेगा

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली**

नए साल में केंद्र सरकार ने लाखों केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी देने का एलान कर दिया। गठन के बाद आयोग की रिपोर्ट के आधार पर कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनधारकों के पेंशन में इजाफा होगा। लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या एक करोड़ से अधिक होगी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी देने का फैसला लिया गया। 7वें वेतन आयोग का गठन 2016 में किया गया था और इसका कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा। वैष्णव ने आगे कहा कि आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी।

### क्यों आता है वेतन आयोग

बढ़ती महंगाई से कर्मचारियों और पेंशनर्स को राहत देने के लिए हर दस साल पर वेतन आयोग गठित किया जाता है। पहला वेतन आयोग जनवरी 1946 में बनाया गया था। दूसरा वेतन आयोग अगस्त 1957 में बना था और इससे सरकारी खजाने पर 40 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा था। तीसरा वेतन आयोग अप्रैल 1970 में बना था जिससे सरकार पर 144 करोड़ का बोझ पड़ा था। चौथा वेतन आयोग जून 1983 में गठित किया गया था और इससे 1282 करोड़ का वित्तीय बोझ पड़ा था। पांचवां वेतन आयोग अप्रैल 1994 में बना था। इससे सरकारी खजाने पर 17000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा था। छठा वेतन आयोग अक्टूबर 2006 में बनाया गया था और इससे सरकार को 40000 करोड़ रुपये का बोझ वहन करना पड़ा था। सातवां वेतन आयोग फरवरी 2014 में गठित किया गया था जिसकी सिफारिशें 2106 में लागू हुई थी। इससे सरकारी खजाने पर 114000 करोड़ को बोझ पड़ा था। अब सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। वैष्णव ने कहा कि आयोग के बारे में विस्तृत डिटेल बाद में दी जाएगी।

### एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनधारकों को मिलेगा लाभ

सरकार के इस कदम का इंतजार एक करोड़ से अधिक केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को था। ये अपने मूल वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों को संशोधित करने में मदद के लिए आयोग के गठन की आस लगाए थे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा करते हुए कहा कि आयोग का गठन 2026 तक हो जाएगा। उन्होंने आगे दोहराया कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें पहले ही लागू की जा चुकी हैं। सरकार बाद में सदस्यों सहित आयोग के अन्य विवरणों के बारे में जानकारी देगी। सातवें वेतन आयोग ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन ढांचे, भत्तों और पेंशन में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। जिससे वेतन समानता सुनिश्चित हुई और सक्रिय कर्मचारियों और सेवानिवृत्त पेंशनभोगियों दोनों को लाभ हुआ। इसके बाद अब 8वें केन्द्रीय वेतन आयोग का गठन होने वाला है।

### आठवां वेतन आयोग कब से होगा प्रभावी?

परंपरागत रूप से, केंद्रीय वेतन आयोग का गठन हर 10 साल में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतनमान, भत्ते और लाभों में बदलाव की समीक्षा और सिफारिश करने के लिए किया जाता है। यह आयोग महंगाई और आर्थिक स्थितियों जैसे कारकों को ध्यान में रखकर फैसला लेता है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ओर से से गठित 28 फरवरी, 2014 को गठित 7वें वेतन आयोग ने 19 नवंबर, 2015 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसकी सिफारिशें 1 जनवरी, 2016 से लागू की गईं। इस समयसीमा के आधार पर, 8वें वेतन आयोग के 1 जनवरी, 2026 से प्रभावी होने की उम्मीद की जा रही है। पिछले आयोगों की तरह, इस वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत वेतन में संशोधन होने की संभावना है। आयोग की सिफारिशों के आधार पर पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में समायोजन किया जाएगा।

### श्री हरिकोटा में तीसरे लॉन्च पैड को मंजूरी

केंद्र सरकार ने श्री हरिकोटा में तीसरे लॉन्च पैड को भी मंजूरी दी है। फिलहाल फैसिलिटी में 2 लॉन्च पैड हैं। इन दोनों लॉन्च पैड से अब तक 60 से ज्यादा लॉन्च किए जा चुके हैं। एक तीसरा लॉन्च पैड बनने पर स्पेस में भेजे जाने वाले सैटेलाइट और स्पेस क्रॉफ्ट लॉन्च की संख्या बढ़ाई जा सकेगी। इससे भारत अपनी जरूरत के लॉन्च मिशन को अंजाम देने के साथ ग्लोबल डिमांड को भी पूरा कर सकेगा। कैबिनेट इस फैसले से न्यू जेनरेशन लॉन्च व्हीकल प्रोग्राम को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह लॉन्च पैड 3985 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा।

## एक्सप्रेस खबरें...

### डेरी संचालक के पुत्र ने दूध लेने आई किशोरी के साथ किया दुष्कर्म

**जन एक्सप्रेस/उरई।** माधौगढ़ नगर में संचालित अमूल दूध डेरी संचालक के पुत्र ने दूध लेने आई किशोरी के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दे दिया। किसी तरह घर पहुंचकर किशोरी ने आपबीती मां को बताई। मामले को लेकर किशोरी के पिता ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दे दी हैं और पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया हैं। कस्बा के एक मोहल्ला निवासी पिता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। जिसमें आरोप लगाते हुए बताया कि पुत्री मोहल्ला नया पटेल नगर में स्थित अमूल दूध डेरी पर दूध लेने जाती थी। जहां पर दूध डेरी संचालक के पुत्र ने उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर रामेश्वर मदिंर स्थित खंडहर घर में ले गया। जहां पर उसके साथ बलात्कार कर भाग गया। किसी तरह घर पहुंचकर किशोरी ने मां को आप-बीती बताई।मां ने दिल्ली में मजदूरी कर रहे पति को मामले की जानकारी दी। गुरूवार को दिल्ली से घर पहुंचे पीड़ित किशोरी के पिता ने दूध डेरी संचालक के पुत्र राहुल शिवहरे के खिलाफ तहरीर दी हैं। मामले में कोतवाल पप्पू सिंह का कहना हैं कि मामला दर्ज कर लिया गया हैं। घटना की जांच की जा रही है आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### ट्रक ने ड्यूटी कर लौट रहे दरोगा की बाइक में मारी टक्कर, रेफर

**जन एक्सप्रेस/उरई।** कदौरा थाना क्षेत्र के जोल्हूपुर हमीरपुर हाइवे पर बबीना के समीप वीर सिंह एचपी पेट्रोल पंप के पास पेट्रोल पंप से डीजल भरवाकर गलत दिशा में मुड़ रहे ट्रक ने बाइक सवार दरोगा को टक्कर मार दी। जिसमें सड़क पर गिरकर दरोगा घायल हो गया। जिन्हें पेट्रोल पम्प के कर्मियों ने सीएचसी में भर्ती करवाया और पुलिस को सूचना दी।
कदौरा थाने में तैनात एसआई श्यामवीर सिंह आगरा निवासी अपने हल्के सुजानपुर से जांच कर लौट रहे थे। जैसे ही वह जोल्हुपर हमीरपुर हाइवे पर स्थित वीर सिंह एचपी पेट्रोल पंप के पास पहुंचे। तभी डीजल भरवाकर गलत दिशा में मुड़ रहे ट्रक से उनकी बाइक की सीधी टक्कर हो गई। जिसमें वह घायल हो गए। पेट्रोल पंप पर मौजूद कर्मियों ने एम्बुलेंस सहित पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुची एम्बुलेंस की मदद से उन्हें सीएचसी में भर्ती करवाया गया। जहां पर उनके पैर और सर पर गंभीर चोट को देखते हुए डॉ. ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। वहीं मौके से ट्रक चालक ट्रक तेज रफ्तार में लेकर फरार हो गया। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों से टक्कर मारने वाले ट्रक व ट्रक चालक की पहचान की जा रही है। उच्चाधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। जल्द ही पहचान कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

दयनीयः करमचंद्रपुर गोशाला की हालत दयनीय

# गोशाला के अंदर मृत और बीमार पड़े गोवंशों का वीडियो वायरल, नहीं सुधर रहे जिम्मेदार

जन एक्सप्रेस। शत्रुघ्न सिंह 'बादशाह'

**उरई/कदौरा।** विकासखंड कदौरा के गांवों में संचालित गौशालाओं की बद से बदतर स्थिति में कोई सुधार होता नजर नहीं आ रहा है। अभी कुछ दिनों पूर्व ही मवई ब्राहमण गौशाला में गायों के मरने का मामला शांत भी नहीं हो पाया था कि अब ग्राम करमचंद्रपुर की गौशाला में मृत गाय के शव को कौआ नोंचते वीडियो वायरल हुआ, इतना ही नहीं नहर में कई गौवंशों के शव मिलने की सच्चाई भी ग्रामीणों ने मीडिया से शेयर कर जानकारी दी। हैरानी की बात तो यह है कि कदौरा के बीडीओ ऐसे मामलों में यह कहकर खुद का दामन पाकसाफ बनाने में देरी नहीं लगाते जिन गौवंशों के शव बंबा में पड़े मिले हैं वह गैर जनपद से बहकर आये हैं। जबकि वर्तमान समय में नहरों में भी पानी भी नहीं आ रहा है फिर कैसे बहकर गौवंशों के शव गैर जनपदों से जालौन की सीमा में आते। यह ऐसा सवाल है जिसका जबाब शायद किसी भी जिम्मेदार अधिकारी के पास नहीं होगा। जब उक्त संबंध में बीडीओ अरुण कुमार सिंह से उनके मोबाइल नंबर पर जानकारी चाही, तो उन्होंने कुछ इसी तरह का जबाब देकर बंबा में मिले गौवंशों के शवों से अपना पल्ला झाड़ते हुये कहा कि उन्होंने अपने स्तर से सभी मृत गौवंशों को दफन करवा दिया।
ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत करमचंदपुर गोशाला की हालत दयनीय है। गोशाला के अंदर मृत व बीमार पड़े गोवंशो का वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया में वायरल होने पर हड़कंप मच गया। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार कार्यवाही के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करते है, इसी वजह से गोशालाओं की स्थिति बद से बदतर हैं। गुरुवार को कर्मचंद्रपुर गांव स्थित गोशाला का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ। वायरल वीडियो में गोशाला के अंदर मृत व कई गोवंश बीमार दिख रहे है। जो यहां वहां पड़े नजर आए आ रहे है। वायरल वीडियो में गोशाला का नजारा वीभत्स है। गोशाला के अंदर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। चरही में भूसा, चारा, पानी नहीं है। कौवे गोवंशों को नोच रहे है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि जिम्मेदारों की मिलीभगत से आए दिन गोवंशों की मौत हो रही है, जांच और निरीक्षण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है। अन्य वायरल वीडियो में नहर के अंदर गोवंशों के शव उतराते नजर आ रहे है। तो उधर ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अधिकांश गौशालाओं की हालत दयनीय है, जहां हर रोज गायों की मौत हो रही है, तो कई गौवंशों के शव बंबा के पानी में तैरते मिल रहे हैं। लेकिन हमारे बीडीओ को जमीनी सच्चाई नजर नहीं आ रही है और वह हर बात एक ही जबाब देते हैं कि जिन गौवंशों के शव बंबा के पानी में तैरते मिले हैं वह गैर जनपद से बहकर आये हैं। सोचनीय बात तो यह है कि गौशालाओं के संचालन की जो हकीकत ग्रामीण बयां कर रहे है वह सही है या फिर जो बीडीओ साहब कह रहे है वह सही है।

## उद्घाटन मुकाबले में कर्वी की टीम को कैलहा ने हराया

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

सदर तहसील अंतर्गत पुरवा तरौहां गांव में मां कालिका देवी क्रिकेट टूर्नामेंट के सातवें संस्करण का उद्घाटन मुकाबला कर्वी और कैलहा टीम के बीच खेला गया । जिसमे कर्वी को 6 विकेट हराकर कैलहा की टीम ने उद्घाटन मैच जीत लिया।
विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष राजेंद्र त्रिवेदी ने फीता काट कर क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जिसमें टॉस जीतकर कैलहा की टीम ने पहले फील्डिंग चुनी। पहले बल्लेबाजी करते हुए कर्वी की टीम ने निर्धारित 15 ओवर में 107 रनका स्कोर खड़ा किया।लक्ष्य का पीछा करते हुए कैलहा की टीम ने 13.2 ओवर में 4 विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। कैलहा के छोटू ने 40 और संजय ने 36 रन का योगदान किया। इस मौके पर संरक्षक रामकरण त्रिपाठी, अंपायर ममतेश द्विवेदी, रोहित यादव स्कोरर सत्यनाराण, अनिल वर्मा व इब्रान और अनीश आदि मौजूद रहे।

## अलाव तापते समय जलकर होमगार्ड जवान की मौत

**जन एक्सप्रेस/उरई।** कोंच कोतवाली के ग्राम कुदरा में घर के आंगन में आग जलाकर अलाव ताप रहे होमगार्ड जवान की आग लगने से जलकर मौत हो गई।
कोंच के ग्राम कुदरा निवासी पर्वत सिंह कुशवाहा 58 वर्ष होमगार्ड जवान था और वह कोंच कोतवाली में ड्यूटी करता था। बताया गया कि कई दिनों से उसकी ड्यूटी नहीं लगी थी। बुधवार की शाम को वह घर के आंगन में सर्दी से बचाव के लिए आग ताप रहा था। तभी आग उसके कपड़ों में लग गई और आग लगने से उसका शरीर भी जलने लगा और मदद के लिए चीखने चिल्लाने लगा। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक वह पूरी तरह से जलकर आंगन में पड़ा था। इसके बाद मुहल्ले के लोगों ने आग बुझाई और खेत पर काम कर रहे उसके पुत्र नीरज व नीलेश को इसकी सूचना दी। घर पहुंचे दोनों पुत्र पिता को इलाज के लिए गांव के एक निजी क्लीनिक पर ले गए, लेकिन हालत ज्यादा नाजुक होने के कारण उसे तुरंत वहां से मेडिकल कालेज झांसी के लिए रेफर कर दिया गया। जिसकी झांसी मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद उसके पुत्र पिता का शव लेकर गांव आए और मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

# शहीद थाना प्रभारी की प्रतिमा का कराया गया जीर्णोद्धार

जन एक्सप्रेस। पहाड़ी (चित्रकूट)

शहीद थाना प्रभारी की मूर्ति का जीर्णोद्धार करा पुलिस अधीक्षक ने किया अनावरण दस्यूदलो से हुई मुठभेड़ में शहीद सब इंस्पेक्टर की मूर्ति का पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह ने जीर्णोद्धार कराकर अनावरण किया व भगवान शिव के मंदिर हेतु भूमि पूजन किया
जानकारी के अनुसार सन 1985मे जब वर्तमान चित्रकूट उस समय बांदा जनपद में दस्युओं का आंतक चरम सीमा पर था उस समय के तत्कालीन थानाध्यक्ष पहाड़ी पीएन पांडेय पुलिस अधीक्षक बांदा आनंद बिहारी चतुर्वेदी के निर्देश पर दिनांक 28/2/1985को थाना पहाड़ी अन्तर्गत ओरा गांव निवासी दस्यु सरगना प्रकाश पाण्डेय को पकड़ने उसके गांव ओरा दल-बल के साथ गये थे जहां बदमाशों व पुलिस के बीच हुई गोलीबारी में थानाध्यक्ष पीएन पांडेय शहीद हो गए थे तब तत्कालीन थानाध्यक्ष पहाड़ी पीएस मलान द्वारा उनके स्मृति में उनकी मूर्ति बनवाकर तत्कालीन पुलिस अधीक्षक बांदा आनंद बिहारी चतुर्वेदी उप पुलिस अधीक्षक प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव के द्वारा थाना पहाड़ी में लगवाई गई थी लेकिन तब से अब तक मूर्ति जीर्ण शीर्ण अवस्था में हो गई थी पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के मार्गदर्शन पर प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी रीता सिंह ने एक बार फिर मूर्ति का सुन्दरी करण कराया व स्थान परिवर्तित कर पुनः स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह ने मूर्ति का अनावरण किया तथा भगवान शिव के मंदिर हेतु भूमि पूजन किया इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट चक्रपाणि त्रिपाठी क्षेत्राधिकारी फहद अली शहीद थानाध्यक्ष प्रभु नाथ पांडेय की विटिया विशाखा पांडेय उनके पति प्रभारी निरीक्षक चकेरी कानपुर अशोक दुबे तथा शहीद थानाध्यक्ष की पत्नी निर्मला पांडेय प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज चौधरी प्रभारी निरीक्षक रैपुरा श्याम प्रताप सिंह पटेल प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर दुर्ग विजय सिंह निरीक्षक शिवमूरत यादव थानाध्यक्ष भरतकूप प्रवीण सिंह चौकी प्रभारी गनीवा यदुवीर सिंह पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

### जीवन परिचय

शहीद सब इंस्पेक्टर का जन्म सन् 1957मे ग्राम कोइरीपुर थाना बड़ागांव जिला वाराणसी में लक्ष्मीकांत पांडेय उर्फ चिक्कन पहलवान के घर हुआ था इनकी मां का नाम मिथिला पांडेय था सन् 1978मे सीधी भर्ती की परीक्षा उत्तीर्ण कर उपनिरीक्षक के पद पर नियुक्त हुए थे 1985मे पहाड़ी थानाध्यक्ष के रुप में तैनात हुए 28/2/1985को मुखबिर द्वारा बदमाशों की सूचना पर तत्काल मय हमराह फोर्स के ओरा गांव में दविश दी जहां बदमाशों की गोलीबारी में शहीद हुए उपरोक्त घटना के सम्बन्ध में थाना पहाड़ी में अपराध संख्या 18/1985धारा 147/148/149/302/307 प्रकाश पाण्डेय प्रेमनारायण शिवनारायण पुत्रगण सुंदरलाल निवासी ओरा थाना पहाड़ी राजेन्द्र गोसाईं पुत्र नत्थू गोसाईं निवासी गोसाईंपुर थाना राजापुर के विरुद्ध पंजीकृत किया गया पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा गठित टीम ने राजेन्द्र गोसाईं को 1985मे रैपुरा थाना अंतर्गत मुठभेड़ के दौरान मार गिराया जिस समय थानाध्यक्ष पहाड़ी शहीद हुए थे उस समय उनके एक पुत्र अमित पांडेय जो उस समय महज चार वर्ष के थे व पुत्री विशाखा पांडेय की उम्र महज एक वर्ष थी इनका बड़ा पुत्र अमित पांडेय इस समय बरेली में प्रभारी निरीक्षक पद पर हैं व इनके पिता पुलिस में पुलिस उपाधीक्षक पद पर थे व अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान थे 1956मेलबर्न ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया व 1958मे कामन वेल्थ गेम्स में भारत के लिए सिल्वर पदक जीता था।

## रसायन मुक्त सब्जी उत्पादन के लिए घर में बनाएं पोषण वाटिका: प्रभाकर सिंह

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

विकास पथ सेवा संस्थान द्वारा नई दुनिया एवं हरिजन बस्ती में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता शिविर लगाकर फ्रूट जूस वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और पोषण के महत्व को उजागर करना था।
संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर सिंह ने इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को %पोषण वाटिका% की अवधारणा से परिचित कराया। उन्होंने रसायन मुक्त सब्जी उगाने के तरीकों की जानकारी दी, जिससे न केवल लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हो सके बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा हो। उन्होंने बताया कि रसायन मुक्त खेती से न केवल मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि उपज भी अधिक पौष्टिक होती है, जिससे सुंदर और स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है।
इस अवसर पर सभासद समाजसेवी शंकर प्रसाद यादव ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आभार व्यक्त करते हुए ग्रामीणों को इस पहल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देते हुए सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं और पुरुषों को फ्रूट जूस वितरित किया गया, जिससे वह काफी खुश दिखे।
कार्यक्रम प्रभारी लवलेश सिंह ने बताया कि संस्थान का प्रयास ग्रामीणों के बीच स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। संस्थान आगे भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा ताकि ग्रामीण समुदाय में सतत विकास को बढ़ावा दिया जा सके।
रिसोर्स पर गांव की बुजुर्ग रामकिशोर वर्मा रामसेवक शारदा प्रसाद लक्ष्मी प्रसाद जगरूप फूलचंद कुशवाहा सुरेंद्र प्रजापति राकेश तिवारी फूलचंद नामदेव गोरेलाल तिवारी छेदीलाल रामपाल विश्राम आदि मौजूद रहे।

## हदरुख व तरसौर रजवाह का डीएम ने किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को हदरुख रजवाह व तरसौर रजवाह का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने हदरुख रजवाह पर चल रहे निर्माण कार्य का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने देखा कि फिनिशिंग कार्य और मानक अनुरूप कार्य न मिलने पर उन्होंने संबंधित सहायक अभियंता और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गुणवत्तापरक निर्माण कार्य किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इसके बाद जिलाधिकारी ने तरसौर रजवाह का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रपटा में कई स्थानों पर दरारें पाई गई। जिससे पानी के रिसाव का खतरा था। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन दरारों को शीघ्र भर दिया जाए। ताकि पानी का रिसाव न हो और रजवाह की कार्यक्षमता बनी रहे।जिलाधिकारी ने दोनों रजवाहों की टीपीआई गुणवत्ता की जांच करने के लिए परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी महेंद्र, अधिशासी अभियंता बेतवा नहर सीपी सिंह तकनीकी टीम को निर्देशित किया। इसके साथ ही तरसौर रजवाह के पुल के चारों ओर कटान के मामलों पर भी गंभीरता दिखाई और अधिकारियों को त्वरित निर्माण कर इसे सही करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में कोई दुर्घटना न हो।इस अवसर पर परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

## बाल विवाह की सूचना पर पहुंची बाल कल्याण विभाग की टीम

जन एक्सप्रेस। उरई

रामपुरा नगर के गांधी नगर निवासी एक युवक की भतीजी के नाबालिग होने व बाल विवाह की सूचना पर बाल कल्याण विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पुलिस की सहायता से नाबालिग लड़की को अपने साथ ले गई।
कस्बा रामपुरा के मोहल्ला गांधी नगर निवासी देवी पत्नी चंद्रप्रकाश बाल्मिकी ने अपनी भतीजी चादनी का विवाह लहार में तय कर दिया था। जिसका विवाह 16 जनवरी को होना था। जिसकी शिकायत किसी अज्ञात युवक द्वारा बाल कल्याण विभाग से कर दी गई। जिसके पश्चात बाल कल्याण विभाग की टीम ने रामपुरा पहुंचकर लड़की की बुआ देवी व फूफा चंद्रप्रकाश बाल्मिकी से उसके कागजात मांगे जिससे उसके बालिग होने का प्रमाण मिल सके। मौके पर कोई कागजात व आधारकार्ड न दिखाने पर बाल कल्याण विभाग द्वारा किशोरी के मेडिकल परीक्षण द्वारा उम्र की जानकारी करने के लिए उरई ले गई। किशोरी के फूफा चंद्रप्रकाश ने बताया कि चादनी उसके साले स्व रामस्वरूप निवासी भिण्ड की पुत्री हैं। माता पिता का देहांत पूर्व में हो चुका हैं।
जिसका लालनपालन देवी व चंद्रप्रकाश के द्वारा किया जा रहा हैं। जिसको अपनी पुत्री मानकर उसका विवाह किया जा रहा हैं। चंद्रप्रकाश अपनी पत्नी के साथ दिल्ली में रहकर मेहनत मजदूरी का कार्य करता हैं। चादनी की शादी करने के लिए रामपुरा आया था। मामले में थाना प्रभारी संजीव कटियार ने बताया कि बुधवार को बाल कल्याण विभाग की टीम ने आकर किशोरी के बारे में जानकारी मांगी। जिस पर पुलिस द्वारा लड़की को थाने लाकर पूछताछ कर अपने साथ उरई ले गई। लड़की के फूफा को बाल कल्याण की टीम ने उसके नाबालिग होने व बाल विवाह की शिकायत के बारे में बताया।

## पिता के हत्यारोपी पुत्र को हुआ आजीवन कारावास

### न्यायाधीश ने सुनाया फैसला, 30 हजार रुपए के अर्थदंड से किया दंडित

जन एक्सप्रेस। उरई

न्यायालय में एडीजे प्रथम की अदालत में करीब 4 वर्ष ट्रायल पर चले हत्या के मामले में पिता के हत्यारोपी पुत्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। न्यायाधीश ने गवाहों व साक्ष्यों के आधार पर फैसला के साथ 30 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया है। मामले की पैरवी करने वाले अपर शासकीय अधिवक्ता महेंद्र विक्रम ने बताया कि बीते वर्ष 2020 की 11 जून को सिरसा कलार थाना क्षेत्र के ग्राम निबहना निवासी सुभाष सिंह ने पुलिस को सूचना दी थी। जिसमें बताया था कि उसका भाई नरेश सिंह पिता विश्राम सिंह को अपने साथ खेतों की ओर सुबह के वक्त ले गया था। साथ में वह फावड़ा व तसला भी लेकर गया था, लेकिन पिता दोपहर में खाना खाने नहीं आए, तो वह खेत पर पहुंचा। जहां पिता मौजूद नहीं थे, लेकिन उसका बड़ा भाई नरेश आग जला रहा था। जिससे पिता के बारे में जानकारी ली तो उसने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। जब शाम को दोबारा पिता की खोज में गए तब भी उसका भाई नरेश आग जला रहा था। जहां पिता मौजूद नहीं थे, लेकिन उसका बड़ा भाई नरेश आग जला रहा था। जिससे पिता के बारे में जानकारी ली तो उसने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। जब शाम को दोबारा पिता की खोज में गए तब भी उसका भाई नरेश आग जला रहा था। शक होने पर आग पर पानी डाला और उसे बुझाया, तो वहां से नरेश गायब हो गया। जब देखा तो उसमें पिता के जले हुए अवशेष दिखाई दिए थे और जिसकी सूचना पुलिस को दी। सुभाष सिंह ने पुलिस को बताया था कि उसके पिता की हत्या बंटवारे में आम के पेड़ के विवाद को लेकर की गई है और साक्ष्य छिपाने के लिए पिता के शव को जलाया गया। इस घटना को उसके भाई मानसिंह व भाई नरेश के बेटे धीरेंद्र ने देखा। जिस पर पुलिस ने मामला पंजीकृत करते हुए नरेश को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया था। लगभग 4 साल तक चले ट्रायल में अभियोजन ने कुल 6 साक्ष्य पेश किए और घटना को साबित कराकर पिता की बेरहमी से हत्या करने वाले उसके बेटे नरेश को सजा दिलाई। जिसमें न्यायालय एडीजे प्रथम शिवकुमार द्वारा साक्ष्य के आधार पर पिता के हत्यारोपी पुत्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 30 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया है।

## छात्रवृत्ति के लंबित मामलों में सीडीओ ने प्रधानाचार्यों को रिपोर्ट समेत किया तलब

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक कलेक्टरेट सभागार में गुरुवार हुई। जिसमें उन्होंने विभागों को रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए।
मुख्य विकास अधिकारी ने सोलर स्ट्रीट लाइट, दैनिक विद्युत आपूर्ति विद्युत बिल सुधार, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, बीज डीबीटी, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा, भवन निर्माण, सड़क निर्माण, एंबुलेंस का संचालन, डायलिसिस कार्यक्रम, मोबाइल यूनिट, सीटी स्कैन, सहकारी दुग्ध समितियां, पेंशन योजनाएं, जल जीवन मिशन, राज्य वित्त 15 वित्त आयोग, स्वच्छ भारत मिशन, अंत्येष्टि स्थल, पंचायत भवन निर्माण, राज्य योजना, सामाजिक वनीकरण, ऑपरेशन कायाकल्प, मध्यान्ह भोजन योजना, निराश्रित गोवंश संरक्षण, पशुओं के टीकाकरण, शादी अनुदान योजना, प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मत्स्य उत्पादन, कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, सेतुओं का निर्माण, नई सड़कों के निर्माण, कन्या विवाह सहायता योजना, निर्माण कार्यों आदि की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन विभागों की योजनाओं के बिंदुओं पर ए प्लस प्राप्त हुआ है, वह संबंधित बिंदुओं में प्रगति बनी रहे। साथ ही जो विभाग बॉटम पर हैं, वह संबंधित विभाग उन बिंदुओं पर फोकस करके प्रगति कराएं। उन्होंने कहा कि जिनके डेटा गलत हैं ,उनके सुधार कराए। कहा कि ए प्लस सभी संबंधित अधिकारी की रहनी चाहिए। रैंकिंग में गिरावट नहीं आनी चाहिए। छात्रवृत्ति के संबंध में उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों की छात्रवृत्ति लंबित है, संबंधित प्रिंसिपल अपनी रिपोर्ट के साथ बैठक में आएं। ओडीओपी के संबंध में उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि सभी बैंकों से बात कर निस्तारण कराएं। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने पोर्टल को चेक करते रहें।
बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा भूपेश द्विवेदी, डीसी एनआरएलएम ओम प्रकाश, परियोजना निदेशक सच्चिदानंद प्रसाद, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सुभाष चंद्र, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण, उप निदेशक कृषि राजकुमार, जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी राजेंद्र कुमार,सहायक निदेशक मत्स्य भानु चंद्रा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राजदीप वर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लखनऊ एक्सप्रेस
हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive | लखनऊ, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025

**गृह मंत्री शाह ने गुजरात के वडनगर को दी 300...**

गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 298 करोड़ रुपये की लागत से तैयार पीएम के गृहनगर वडनगर में पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने करीब 35 करोड़ से तैयार वडनगर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी जनता को समर्पित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री... पढ़ें पेज 12 पर...

# ...आखिर कितना और इंतजार, बाघ ने किया 14 वां शिकार

## लगता है जब बाघ किसी मानव को खा लेगा तभी वन विभाग पूरी तरह हरकत में आएगा

- बाघ ने मीठे नगर गांव के पास मचान के नीचे बांधे गए पड़वे को शिकार बनाया
- इस दौरान मचान पर बैठी वन विभाग की टीम बाघ को ट्रैंक्यूलाइज करने में नाकाम रही
- इससे पहले भी बाघ अन्य जानवरों को अपना शिकार बन चुका है

**जन एक्सप्रेस। लखनऊ**

वन विभाग को अपनी तैयारियों और संसाधनों पर फिर से विचार करना होगा। लखनऊ क्षेत्र में आतंक का पर्याय बन बाघ सिस्टम को लगातार चकमा देकर न सिर्फ क्षेत्र में ही जमा हुआ है बल्कि एक-एक कर जानवरों को अपना निवाला बन रहा है और वन विभाग को खुली चुनौती दे रहा है। बाघ के आगे वन विभाग बौना साबित हो रहा है। लगता है जब बाघ किसी मानव को खा लेगा तभी वन विभाग पूरी तरह हरकत में आएगा। लखनऊ के इलाके में बाघ का दहशत बरकरार है। बुधवार को रहमान खेड़ा इलाके में बाघ वन विभाग की टीम को एक बार फिर से चकमा देने में सफल रहा। मीठे नगर गांव के पास मचान के नीचे बांधे गए पड़वे को शिकार बनाया। हालांकि, इस दौरान मचान पर बैठी वन विभाग की टीम बाघ को ट्रैंक्यूलाइज करने में नाकाम रही। इससे पहले भी बाघ अन्य जानवरों को अपना शिकार बन चुका है। यही नहीं, कुछ को तो घसीट कर ले जाकर इत्मीनान से खाता रहा और महात्मा उसे ट्रैंक्यूलाइज करने का इंतजार करता रहा, जो अभी तक संभव नहीं हो सका है। बुधवार को बाघ ने मचान के नीचे बांधे गए पड़वे का शिकार कर लिया। यह बाघ का 14वां शिकार था। पड़वे का कुछ हिस्सा खाने के बाद बाघ जंगल की ओर भाग गया। वन विभाग ने बाघ को पकड़ने के लिए तीन दिशाओं में जाल लगा रखा है।

### वन विभाग का दावा

सीआईएसएच परिसर में बने मचान से डॉक्टर और टीम 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। मचान के पास और अन्य जगहों पर जाल लगाकर बाघ को ट्रैंक्यूलाइज करने की कोशिश की जा रही है। बावजूद इसके, बाघ अब तक पकड़ से बाहर है।

### सीआईएसएच में खुलेआम घूमता रहा था बाघ

इस घटना से पहले बाघ के पैरों के निशान हलुवापुर गांव के एक बाग में देखे गए थे, जो बेहता नाले की ओर जाते मिला था। दोपहर के बाद केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) के कर्मचारियों ने बाघ को परिसर में घूमते हुए देखा और उसका वीडियो भी बनाया था। हालांकि, वन विभाग ने अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

### निवासियों को सतर्क रहने और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक और डीएफओ ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। सीआईएसएच परिसर में बने मचान पर टीम-2 के डॉ. नीतीश कटियार और टीम-3 की टीम बाघ ऑपरेशन की निगरानी कर रही है। वन विभाग की टीम ने हलुवापुर और मीठे नगर गांव के निवासियों को सतर्क रहने और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया है।

### तीन नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए

डीएफओ डॉ. सितांशु पांडेय के अनुसार मीठे नगर गांव में जहां पड़वे का शिकार हुआ, वहां तीन नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों को जियो इंटरनेट से जोड़ा गया है, ताकि बाघ की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा सके। इसके अलावा थर्मल ड्रोन, लाइव सीसीटीवी कैमरे और कैमरा ट्रैप का भी उपयोग किया जा रहा है।

# एचएमपीवी संक्रमित महिला की बलरामपुर अस्पताल में मौत

## अस्पताल प्रशासन का दावा है कि मरीज की एचएमपीवी रिपोर्ट नेगेटिव आ गई थी, उनकी मौत अन्य बीमारियों के चलते हुई

- मौत ने स्वास्थ्य विभाग की चिंताएं बढ़ा दी हैं, स्वास्थ्य सेवाओं की होगी समीक्षा
- नेहरू नगर क्षेत्र की 70 वर्षीय महिला, जो 10 जनवरी को एचएमपीवी नेगेटिव पाई गई थी
- तर्क: मरीज को कई गंभीर बीमारियों जैसे टीबी, किडनी रोग, उच्च रक्तचाप और दिल की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा था

**जन एक्सप्रेस। लखनऊ**

ह्यूमन मेटाप्न्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण के चलते बलरामपुर अस्पताल में भर्ती हुई वृद्ध महिला की मौत ने स्वास्थ्य विभाग की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस मरीज की मौत के बाद स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा होगी। हालांकि अस्पताल प्रशासन का दावा है कि मरीज की एचएमपीवी रिपोर्ट नेगेटिव आ गई थी। उनकी मौत अन्य बीमारियों के चलते हुई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार नेहरू नगर क्षेत्र की 70 वर्षीय महिला, जो 10 जनवरी को एचएमपीवी नेगेटिव पाई गई थी, उपचार के दौरान चल बसी। मरीज को कई गंभीर बीमारियों जैसे टीबी, किडनी रोग, उच्च रक्तचाप और दिल की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा था। यही उनकी मृत्यु का कारण बना।

### रिपोर्ट में एचएमपीवी संक्रमण की पुष्टि हुई थी

22 नवंबर 2024 को बुजुर्ग महिला को लगातार खांसी और बुखार की समस्या शुरू हुई। स्थानीय डॉक्टरों के इलाज से कोई फायदा नहीं हुआ। जनवरी में, उन्होंने कानपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज कराया। डॉक्टरों ने निमोनिया और एचएमपीवी संक्रमण की आशंका जताई। 7 जनवरी को उनका सैंपल लिया गया, जिसे एक निजी पैथोलॉजी लैब में जांच के लिए भेजा गया। रिपोर्ट में एचएमपीवी संक्रमण की पुष्टि हुई।

### नेगेटिव रिपोर्ट के बावजूद, महिला की हालत बिगड़ती रही

रिपोर्ट के बाद महिला को बलरामपुर अस्पताल में भर्ती किया गया। डॉक्टरों ने दूसरा सैंपल लिया और इसे निजी लैब के सैंपल के साथ केजीएमयू माइक्रोबायोलॉजी लैब में भेजा। निजी लैब का सैंपल पॉजिटिव आया जबकि बलरामपुर अस्पताल का सैंपल नेगेटिव था। नेगेटिव रिपोर्ट के बावजूद, महिला की हालत बिगड़ती रही और उन्हें आईसीयू में स्थानांतरित किया गया।

### दावा: अन्य बीमारियों के कारण, महिला की रिकवरी कठिन हो गई

एचएमपीवी संक्रमण के साथ, महिला को कई अन्य बीमारियां भी थीं, जिन्होंने उपचार को जटिल बना दिया। उन्हें टीबी, किडनी रोग, उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी समेत अन्य समस्याएं थीं। इन बीमारियों के कारण, महिला की रिकवरी कठिन हो गई।

### आईसीयू में भी नहीं हो सका सुधार

15 जनवरी को उनकी स्थिति गंभीर हो गई, जिसके कारण उन्हें तुरंत आईसीयू में शिफ्ट किया गया। गहन देखभाल और उपचार के बावजूद, उनकी मृत्यु हो गई।

# भ्रष्टाचार है या शिष्टाचार! लखनऊ विकास प्राधिकरण क्यों बना है लाचार?

- अवैध प्लाटिंग पर नकेल कसने में नाकाम योगी की ब्यूरोक्रेट!
- लखनऊ-रायबरेली रोड पर हो रही अवैध प्लाटिंग पर क्यों नहीं जा रहा ध्यान?

**जन एक्सप्रेस। विश्वामित्र पांडेय**

**लखनऊ।** राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर तरह-तरह के कानून और नियम बनाने के साथ ही विभिन्न प्राधिकरणों और संस्थाओं का गठन इस उद्देश्य से किया गया कि राजधानी में अपना बसेरा बनाने वाले विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों के आए हुए लोगों को धोखाधड़ी से बचाया जा सके। लेकिन सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने का सबसे बड़ा बिगड़ा इन्हीं प्राधिकरण और परिषदों ने ही उठा लिया है इस बात से वर्तमान सरकार भी मानो अंजान सी बनी हुई है। बात लखनऊ विकास प्राधिकरण की की जाए तो लखनऊ जनपद के जितने भी क्षेत्र प्राधिकरण के जड़ में आते हैं उनमें आज भी बड़े पैमाने पर प्रॉपर्टी डीलर अवैध प्लाटिंग कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं जबकि अपने जीवन की गाड़ी कमाई लगाने वाले निवेशक ठगी का शिकार हो रहे हैं। सोचने वाली बात यह है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण धन पशुओं के धन बल के आगे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है या फिर माननीयों के हाथों की कठपुतली बनकर शिष्टाचार निभा रहा है।

### लखनऊ विकास प्राधिकरण की कार्यशैली पर सबसे बड़ा सवाल!

प्राधिकरण की कार्यशैली पर सबसे बड़ा प्रश्न चिन्ह वही लग जाता है जब गाड़ी कमाई की पूंजी जमा कर एक व्यक्ति अपना छोटा सा मकान बनाता है, तो उसे रोकने और सीज करने के लिए प्राधिकरण की पूरी टीम पहुंच जाती है। जबकि प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा किए जा रहे कई एकड़ में फैले अवैध डेवलपमेंट के कार्य लखनऊ विकास प्राधिकरण की आंख के सामने नहीं पड़ रहे हैं।

### प्राधिकरण के कई जूनियर इंजीनियरों का धंधा बना सिर्फ अवैध निर्माण कराना!

आश्चर्य की बात या है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण में कई वीसी आय और कई गए, लेकिन किसी की नजर अपने अधिकारियों के कार्यशैली को परखने में समर्थ नहीं हो पाई। लखनऊ विकास प्राधिकरण के कई जनों के जूनियर इंजीनियर अवैध निर्माण करने को ही अपना धंधा बना चुके हैं संभवत इस बात से भी लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारी अनजान हों।

# विद्युत उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा विभाग की एकमुश्त समाधान योजना

- उपभोक्ता ओटीएस में दी जा रही छूट का लाभ उठाएं, बकाये से मुक्ति पाएं-शर्मा

**जन एक्सप्रेस। लखनऊ**

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विद्युत उपभोक्ताओं के हितो के दृष्टिगत और बकाये बिलों के अधिभार में छूट के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू की है। यह योजना तीन चरणों में लागू की गई थी, जिसका पहला और दूसरा चरण पूरा हो गया। योजना का तीसरा व अंतिम चरण 16 जनवरी से 31 जनवरी तक 16 दिन चलेगा। ऊर्जा मंत्री ने अपील की है कि उपभोक्ता ओटीएस में दी जा रही छूट का लाभ उठाकर अपने बकाये से मुक्ति पा ले। यह उनके लिए अंतिम अवसर है। छूट का लाभ बार-बार नहीं दिया जायेगा।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को अपने नजदीकी विद्युत् केंद्रों में पंजीकरण कराना होगा। सभी प्रकार के उपभोक्ता अपने नजदीकी विभागीय खंड, उपखंड कार्यालय, कैश काउंटर, जनसेवा केंद्र के माध्यम से या विभागीय वेबसाइट पर लॉगिन कर योजना के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण कराते समय 30 सितंबर 2024 तक के विद्युत बिलों के मूल बकाए का 30 प्रतिशत राशि जमाकर अपने बकाया बिलों के सरचार्ज में छूट का लाभ ले सकते है। उपभोक्ताओं को एकमुश्त के साथ किस्तों में भी भुगतान का विकल्प दिया गया है। एकमुश्त भुगतान करने पर बकाये पर लगे अधिभार में छूट का ज्यादा लाभ मिलेगा। एक किलोवाट भार तक तथा 05 हज़ार रुपए के बकाये पर घरेलू उपभोक्ताओं को योजना के तृतीय चरण में बकाये बिलों के एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में अधिकतम 70 प्रतिशत तथा किस्तों में भुगतान पर 55 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

इसी प्रकार 01 किलोवाट भार तक घरेलू उपभोक्ता तथा 05 हजार रूपये से अधिक बकाये के एकमुश्त भुगतान पर 50 प्रतिशत और किस्तों में भुगतान पर 40 प्रतिशत की छूट, 01 किलोवाट से अधिक भार के घरेलू उपभोक्ताओं, वाणिज्यिक उपभोक्ताओं, निजी संस्थानों व लघु एवं मध्यम उद्योग के सभी भार के उपभोक्ताओं को बकाये के एकमुश्त भुगतान पर 40 प्रतिशत तथा किस्तों में भुगतान पर 30 प्रतिशत की छूट मिल रही है। वहीं किसानों को उनके निजी नलकूप में 31 मार्च, 2023 तक के उनके बकाए विद्युत बिलों के विलंबित भुगतान अधिभार में छूट का लाभ लेने के लिए 07 मार्च, 2024 से पंजीकरण कराए जा रहे हैं।

# जन्मशती महोत्सव में डॉ. धर्मवीर भारती से जुड़ी यादों का खुला पिटारा

## वीरेन्द्र वत्स के तीसरे काव्यसंग्रह 'तू जीत के लिए बना' का लोकार्पण

**जन एक्सप्रेस। लखनऊ**

प्रख्यात राष्ट्रवादी कवि-गीतकार और उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त वीरेन्द्र वत्स के तीसरे काव्य संग्रह 'तू जीत के लिए बना' का लोकार्पण गुरुवार को यहाँ अंधेरी स्थित मुक्ति सभागार में किया गया। मौका था वाणी प्रकाशन की ओर से आयोजित डॉ. धर्मवीर भारती जन्मशती महोत्सव का। इस काव्य संग्रह का प्रकाशन वाणी प्रकाशन समूह ने किया है।

'तू जीत के लिए बना' देश और समाज पर केंद्रित कविताओं तथा ग़ज़लों का ऐसा गुलदस्ता है जो सीधे दिल में उतर जाता है, पाठकों के मन-मस्तिष्क को झकझोरता है और समस्याओं का समाधान भी तलाश करता है। आयोजन की विशेष उपलब्धि यह रही कि इसमें धर्मवीर भारती जी की वयोवृद्ध पत्नी पुष्पा भारती अस्वस्थ होने के बावजूद पहुँचीं। उन्होंने डॉ. धर्मवीर भारती की उन प्रेमपगी रचनाओं का पाठ किया जो उन्होंने पुष्पा जी के जन्मदिन पर लिखी थीं। फ़िल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी तथा अभिनेत्री दिव्या दत्ता सहित कई कलाकारों ने डॉ. भारती के उपन्यास 'गुनाहों का देवता' के अंशों का पाठ किया। 'तू जीत के लिए बना' के लोकार्पण के अवसर पर कवि-चिन्तक बोधिसत्व, कथाकार एवं पटकथा लेखक अतुल तिवारी, ग़ज़लकार राजेश रेड्डी, वाणी प्रकाशन समूह के अध्यक्ष अरुण माहेश्वरी, निदेशक अदिति माहेश्वरी, मंच संचालक अलका अग्रवाल और कवि विष्णु शर्मा मौजूद थे। इस समृद्ध मंच पर प्रख्यात कथाकार सूर्यबाला की पुस्तक 'यादों के शिलालेख, गीतकार समीर अनजान की पुस्तक 'लफ़्ज़ों के साथ एक सफरनामा, अम्बर पाण्डेय की पुस्तक 'मतलब हिन्दू' और अलका अग्रवाल की पुस्तक समीराङ्कूल का भी लोकार्पण किया गया। डॉ. धर्मवीर भारती की स्मृतियों को समर्पित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में गीतकार-अभिनेता पीयूष मिश्र, कथाकार असगर वजाहत, अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी, गायिका इला अरुण और पद्मश्री शोमा घोष सहित कई प्रमुख हस्तियाँ मौजूद थीं।

# रेडियो संवर्ग में हेड ऑपरेटर परीक्षा, हाइकोर्ट के रद्द करने के छह महीने में दोबारा होगा एग्जाम

**जन एक्सप्रेस। लखनऊ**

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने रेडियो संवर्ग की परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। रेडियो संवर्ग की परीक्षा हाईकोर्ट द्वारा निरस्त करने के बाद छह माह में दोबारा आयोजित कराई जाएगी। उ.प्र पुलिस रेडियो संवर्ग में हेड आपरेटर/हेड आपरेटर (मेकैनिकल) के 936 पदों के लिए 30 एवं 31 जनवरी 2024 को आयोजित की गई थी। परीक्षा के संदर्भ में अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने आठ जनवरी 2025 को इसे रद्द करने का आदेश दिया।

**वेबसाइड पर विजिट करके ले सकते हैं जानकारी:** अब अगले छह महीने में हेड ऑपरेटर/हेड ऑपरेटर (मकैनिकल) भर्ती परीक्षा का आयोजन उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड करेगा। बोर्ड ने कहा कि जनवरी-फरवरी-2024 की परीक्षा प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। अभ्यर्थी इसके बारे में विस्तृत जानकारी uppbpb.gov.in पर विजिट करके ले सकते हैं।

# डबल मर्डर: मां और 6 साल की बच्ची की गला रेतकर हत्या, घर में मिले खून से लथपथ शव

**जन एक्सप्रेस। लखनऊ**

लखनऊ के मलिहाबाद इलाके में महिला और उसकी बेटी (6) की गला रेतकर हत्या कर दी गई। दोनों का शव गुरुवार दोपहर घर में खून से लथपथ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस का कहना है कि मर्डर बुधवार रात में किया गया है। महिला का बेटा अपने नाना के घर पर था। सुबह फोन करने पर जब कोई जवाब नहीं मिला तो नाना के साथ अपने घर पहुंचा। दरवाजा अंदर से बंद था। सीढ़ी से घर के अंदर गए तो कमरे का मंजर देख सन्न रह गए।

### पति मुंबई में करता है काम

डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया, ईसापुर गांव में रहने वाली गीता (24) और उनकी बेटी दीपिका (6) की अज्ञात बदमाशों ने हत्या कर दी। महिला का पति प्रकाश कन्नौजिया मुंबई में लांड्री का काम करता है। प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी रंजिश का लग रहा है। घटनास्थल से सबूत जुटाए गए हैं। फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम मामले की जांच कर रही है। हत्यारों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। हमलावर घर के पीछे से दाखिल हुए और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए।

### बेटा नाना के साथ पहुंचा घर

मृतका के पिता सिद्धनाथ ने बताया, दामाद प्रकाश 15 दिन पहले ही मुंबई गया है। गीता का मायका दिलावर नगर में है। गीता एक बेटा ननिहाल में था। ईसापुर गांव में गीता छोटी बेटी दीपिका के साथ घर पर अकेली थी। बेटा देवांश मां से बात करने के लिए फोन कर रहा था लेकिन किसी ने फोन रिसीव नहीं किया।

### महिला की गर्दन कटी थी

चिंता होने पर हम लोग गांव पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद था। सीढ़ी लगाकर ग्रामीणों के साथ घर के अंदर गए तो गीता और नातिन दीपिका का शव कमरे में पड़ा था। गीता की गर्दन कटी थी, जबकि दीपिका के माथे पर धारदार हथियार से मारा गया था।

# अयोध्या में गरीबों की जमीन छीनने वालों को भगवान श्रीराम नहीं बख्शेंगे: अखिलेश यादव

**जन एक्सप्रेस। लखनऊ**

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में गरीबों और किसानों की जमीन सस्ते दामों पर ली गईं और महंगे दामों पर बेचा गया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गरीबों और किसानों की जमीन ली उन्हें प्रभु श्रीराम नहीं बख्शेंगे जबकि होना तो ये चाहिए था कि गरीबों से जमीनों को मार्केट रेट पर लिया जाता लेकिन वहां जमीनों की बंदरबांट हुई और भ्रष्टाचार हुआ है। अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या से किसानों का सब कुछ छीना जा रहा है। सरकार जानबूझकर कर जमीन छीन रही है। किसान विकास के खिलाफ नहीं है क्योंकि वो भी विकास में भागीदार बनना चाहते हैं। किसानों को बाजार भाव से मुआवजा मिलना चाहिए। हम किसानों के आभारी हैं जब अधिकारी डराने में लगे हैं उस दौर में भी वो सपा के पास आए हैं। जिस तरह से सरकार काम कर रहे है भाजपा के लोग भी जानते हैं कि बीजेपी उनकी भी सगी नहीं है। अयोध्या में दुनिया भर के लोगों को आस्था है लेकिन लोगों उजाड़ा नहीं जाना चाहिए। सर्किल रेट को छह गुना बढ़ाकर किसानों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। अगर भाजपा सरकार ने नहीं दिया तो जब भी सपा की सरकार बनी बाजार भाव से मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां आश्रम बनने चाहिए वहां होटल बन रहे हैं। वहां फाइव स्टार होटल बन रहे हैं। क्या वहां बार होंगे? अगर बार नहीं होंगे तो क्या फाइव स्टार का दर्जा मिलेगा? सपा अयोध्या को वर्ल्ड क्लास बनाएगी। लोकभवन का जिक्र करते हुए कहा कि सीएम जिस ऑफिस में बैठते हैं वो भी सपा सरकार की देन है। मिल्कीपुर उपचुनाव देश का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव होगा। सरकार से मांग है कि इस चुनाव में पारदर्शी कामकाज का उदाहरण पेश करे। सच्चाई ये है कि मिल्कीपुर में भी उनके पैर उखड़ते जा रहे हैं। आप ज्यादा हमारा प्रचार न करिए वरना सरकार खाकी वर्दी वालों को भी उतार देगी। हर तबका हमारे साथ है। उन्होंने कहा कि बिजली के निजीकरण का हम विरोध करते हैं।

### नौ करोड़ लोगों के गंगा में डुबकी लगाने को फर्जी आंकड़ा बताया

अभी तक महाकुंभ में नौ करोड़ लोगों के डुबकी लगाने के योगी सरकार के दावे को अखिलेश यादव ने फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि सरकार के आंकड़े फर्जी हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की तरह व्यापारी भी भाजपा के खिलाफ हैं। जीएसटी के डर से कारोबारी कानपुर लखनऊ छोड़कर जा रहे हैं। विभाग की लूट के कारण ऐसा हो रहा है। इसका गलत मैसेज इंवेस्टर समिट को जाएगा। भाजपा समर्थकों पर छापे पड़ रहे हैं। गोरखपुर में छापा पड़ा और वहां से 600 करोड़ रुपये बरामद हुए।

### हम कांग्रेस के विरोध में नहीं

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के समर्थन पर उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस के विरोध में नहीं है। यह हमारी रणनीति का हिस्सा है। दिल्ली में आप ही भाजपा को टक्कर दे रही है इसलिए हम आप का समर्थन कर रहे हैं।

### किसान बोले, हमसे पांच लाख में जमीन लेकर होटल को 1.81 करोड़ में बेची

इसके पहले, अयोध्या से आए किसानों ने कहा कि वहां प्राधिकरण किसानों से जमीन ले रहा है। उचित मुआवजा नहीं दे रहा है। पवन पांडे ने बताया कि किसान की जमीन को बगैर मुआवजा दिए लेने की बात कही जा रही है। किसान परेशान हैं। सरकार की जमीन लेकर पूंजीपतियों को दी जा रही है। पहले भी भूखंड लिया गया और गरीब किसानों से सस्ते में लेकर होटल के लिए महंगी कीमत पर दिया जा रहा है। किसान अयोध्या में विकास के खिलाफ नहीं है लेकिन कौड़ियों के भाव जमीन लेने के खिलाफ हैं। पहले ही हजारों बीघा ली गई जमीन खाली है। सौ फीसदी किसान लिखित में कह रहे कि हमें जमीन नहीं बेचनी जिस भाव में उद्योगपतियों को जमीन बेची जा रही है, उसी भाव में किसान से लें तो बेच देंगे। सौ से दो सौ साल से खेती कर रहे किसानों की जमीन नजूल की बताकर फ्री में ली जा रही है। उनके पास खतौनी भी है।

### शिक्षा विभाग में करोड़ों का घोटाला

# एरियर के नाम पर सरकारी खजाने की लूट, किसके इशारे पर किए गए पेमेंट

**जन एक्सप्रेस । अमेठी**

शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपये के गबन का गंभीर मामला सामने आया है।आरोप है कि एरियर के नाम पर सरकारी धन को गलत तरीके से ट्रांसफर किया गया।सरकारी खजाने से लाखों रुपये बिना वैध दस्तावेज़ों और प्रक्रिया के ट्रांसफर हो रहे हैं।सूत्रों के अनुसार बिना नौकरी किए वेतन लेने वाले लोगों की लिस्ट तैयार की जा रही है।क्या ये नाम जल्द सामने आएंगे ? सवाल यह भी है कि ये पैसे आखिर किसके इशारे पर पेमेंट किए गए ? मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम बनाई गई।लेकिन इसमें खुद आरोपी को शामिल किए जाने से जांच की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए कई आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की गई है।आखिर यह घोटाला कहां तक फैला है ?और कौन-कौन इसमें शामिल है ? इसका खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा।

बेसिक शिक्षा विभाग में हुए वित्तीय घपले के मामले में तैनात रहे वित्त व लेखा अधिकारियों सहित कुल आठ लोगों को नोटिस भेजकर उनसे जवाब मांगा गया है।सभी के बैंक खातों की भी जांच की जा रही है। वहीं शिक्षक संगठनों ने इसे भ्रष्टाचार का बड़ा मामला बताते हुए डीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है।वित्त एवं लेखा अधिकारी कार्यालय में करीब 1.75 करोड़ रुपये के घपले को लेकर तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है।

शिक्षा विभाग कार्यालय में तैनात कनिष्ठ लेखा लिपिक मनोज कुमार के खिलाफ गंभीर आरोप सामने आए हैं।गौरीगंज कोतवाली में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।मनोज कुमार दीपक पिछले डेढ़ महीने से बिना किसी सूचना के ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे हैं।उनकी गैरहाजिरी और संबंधित कर्तव्यों के उल्लंघन को लेकर गौरीगंज कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है।बेसिक शिक्षा विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासनिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।इस घटना ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं।आखिर लिपिक की अनुपस्थिति और कर्तव्यहीनता पर इतनी देर तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई ?

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शिक्षा विभाग के वित्त व लेखा अधिकारी कार्यालय का 2018 से अभी तक कुल चार लोगों के पास चार्ज रहा है।जिसमें सभी को नोटिस देने की कार्रवाई जांच टीम ने की है। वहीं जांच टीम के सदस्य बनाए गए वरिष्ठ कोषाधिकारी से भी जवाब मांगा गया है।इसके अतिरिक्त वर्तमान एओ किशन गुप्ता,पूर्व एओ श्रीराम मौर्या,रामेंद्र कुमार मौर्या को भी नोटिस भेजा गया है।वित्त व लेखाधिकारी कार्यालय में तैनात रहे चार शिक्षकों को भी नोटिस भेजकर मामले में जवाब मांगा गया है।इसी के साथ सभी से बैंक स्टेटमेंट भी मांगा गया है।वित्त व लेखाधिकारी कार्यालय में घपले का मामला दिनभर चर्चा का विषय बना रहा। लोग इस मामले में चर्चा करते रहे। वहीं विभागीय अधिकारी इस मामले में चुप्पी साध रहे हैं।डीएम निशा अनंत का कहना है कि मामले की जांच चल रही है।जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

# एकीकृत टीबी कंट्रोल सेंटर का डीएम ने किया आकस्मिक निरीक्षण

### सौ दिवसीय सघन टीबी अभियान को लेकर की समीक्षा

**जन एक्सप्रेस । अमेठी**

जिलाधिकारी निशा अनंत ने बृहस्पतिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में स्थापित एकीकृत टीबी कंट्रोल सेंटर का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सौ दिवसीय सघन टीबी अभियान की समीक्षा की।समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह जिला क्षय रोग अधिकारी दीपक कुमार को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान ज्यादा से ज्यादा उच्च जोखिम वाली जनसंख्या साठ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति,पुराने टीबीरोगी टीबी मरीज के साथ रहने वाले व्यक्ति एवं डायबिटीज आदि से ग्रसित व्यक्तियों की स्क्रीनिंग कराई जाए।तथा उनका चेस्ट एक्स-रे एवं बलगम की जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि समस्त निजी चिकित्सालय, नर्सिंग होम को इस अभियान में जोड़कर अधिकतम व्यक्तियों की जांच एवं एक्स-रे कराए जाने एवं

निक्षय मित्र बनाकर टीबी रोगियों को गोद लिए जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।साथ ही आम जनमानस से अपील किया है कि इस अभियान के तहत अपने नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, निक्षय शिविर में पहुंचकर स्वयं अथवा अपने परिजन की जांच कराएं एवं निक्षय मित्र बनकर टीबी धनात्मक रोगियों को पोषण पोटली देकर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराते हुए उन्हें भावनात्मक सहयोग प्रदान करें।जिससे समस्त जनमानस के सहयोग से जनपद अमेठी को टीबी मुक्त बनाया जाए।

# एडीएम प्रशासन की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

**जन एक्सप्रेस । रायबरेली**

अपर जिलाधिकारी ;प्रशासनद्ध सिद्धार्थ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य को सुरक्षित एवं मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थों तथा गुणवत्तापरक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के दृष्टिगत असुरक्षित एवं अधोमानक खाद्य पदार्थों तथा नकली व अधोमानक दवाओं की रोकथाम सम्बन्धी समस्त आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाये। निरीक्षण व छापे में वृद्धि की जाएए और ज्यादा से ज्यादा नमूने

जांच हेतु संग्रहित किए जाए। निरीक्षण व छापे मारते समय विशेष सावधानी बरती जाए। प्रमुख पर्व व त्योहारों में नमूने संग्रहण करने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए।अपर जिलाधिकारी ने कहा कि खाद्य पदार्थों एवं औषधियों में मिलावट और अधोमानकता के प्रति जनसामान्य में जागरूकता बढाये जाने के उद्देश्य से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की जानकारी दिये जाने हेतु महत्वपूर्ण सूचना एवं तथ्यों को प्रचारित एवं प्रसारित किया जाएए जिससे लोग जागरूक होकर उसका लाभ उठा सके। बैठक में जिला विकास अधिकारी अरुण कुमारए सहायक आयुक्त खाद्य चेतराम प्रजापति सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

# तहसील सलोन में तालाबों को 10 वर्षीय मत्स्य पालन पट्टा नीलामी 30 व 31 जनवरी को

**जन एक्सप्रेस । रायबरेली**

उप जिलाधिकारी सलोन मिथिलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि तहसील सलोन जनपद रायबरेली के अन्तर्गत पड़ने वाले राजस्व ग्रामों के तालाबों को 10 वर्षीय मत्स्य पालन पट्टा नीलामी किये जाने हेतु 30 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक मत्स्य पालन पट्टा नीलामी शिविर का आयोजन तहसील सलोन के सभागार में किया जायेगा। जिसमें इच्छुक पात्र व्यक्तियों के प्रातः 10 बजे से 01 बजे तक आवेदन पत्र लिये जायेंगे तथा 01 बजे के बाद नीलामी की कार्यवाही की जायेगी। तालाबों की नीलामी हेतु नायब तहसीलदार सलोन को नीलाम अधिकारी नियुक्त किया गया है।

तालाबों की नीलामी के सम्बन्ध में उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 के नियम 57 व 58 द्वारा की जाएगी जो तहसील मुख्यालय ध् राजस्व परिषद की वेबसाइट ीजजचेरूध्ध्इवतण्नचण्दपबण्पद पर उपलब्ध है। सर्वोच्च बोली बोलने वाले समितिध्व्यक्ति को नीलामी धनराशि एक वर्ष के लगान का 1ध्4 भाग तुरन्त जमा करना होगा। शेष 3ध्4 भाग नीलामी तिथि के 15 दिनों के अन्दर जमा करना अनिवार्य होगा। सभी बोलीदाता आयए निवास प्रमाण पत्र जो 06 माह से अधिक पुराना न हो बोली के समय प्रस्तुत करना होगा। मत्स्य पालन पट्टे की अवधि 10 वर्ष जिसका न तो आगे नवीनीकरण होगा न ही बढाया जायेगा। विस्तृत जानकारी कार्यालय तहसीलदार के राजस्व निरीक्षक ;कार्यालयद्ध से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि नीलामी को स्वीकृतध्अस्वीकृत करने का अधिकार मेरे की जाएगी।

डिघिया रोड की स्थिति अत्यन्त जर्जर होने के कारण स्थानीय लोगों ने किया धरना प्रदर्शन

रायबरेली 16 जनवरी, फैजाबाद रोड से उमरपुर, गेरखुआ, धमधमा, ग्राम मैनूपुर से कुमारगंज चैराहा सम्पर्क मार्ग डिघिया रोड की स्थिति अत्यन्त जर्जर होने से नाराज स्थानीय लोगों ने लोकसभा चुनाव वर्ष 2024 में मत का सामूहिक बहिष्कार के माध्यम से विरोध प्रदर्शन किया था। मा. सांसद श्री राहुल गांधी जी ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए उक्त विरोध प्रदर्शन को शान्त करने के आशय से ग्राम मैनूपुर गये और जनता को समझा-बुझाकर मतदान को शुरूआत करवाया, जिसके सम्बन्ध में कांग्रेस काय. 'जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने दो बार 28 अक्टूबर एवं 22 नवम्बर 2024 को जिलाधिकारी से मुलाकात कर समस्या के समाधान के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, परन्तु आम जन की समस्या पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है।इस पूरे मामले पर कार्यवाहक जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि आज जिलाधिकारी एवं अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत से कांग्रेस नेता गणों के साथ मैने स्वयं मुलाकात की तो जिलाधिकारी ने अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत से बात कर एन.ओ.सी. देने के लिए उनको निर्देशित किया। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ने बताया कि 17 जनवरी 2025 को जिला पंचायत की बैठक होनी है, जिसमें प्रश्नगत सड़क की मरम्मत हेतु प्रस्ताव रखा जाएगा, ताकि सड़क का निर्माण हो सके। जिलाधिकारी ने शीघ्र ही समस्या का निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

# अग्निवीर वायु इनटेक की भर्ती के लिए करें आवेदन

**जन एक्सप्रेस । रायबरेली**

कमान अधिकारी विंग कमांडर ए गुणशेकर ने बताया है कि उत्तर प्रदेश में वायुसेना में अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर वायु ;महिला एवं पुरुषद्ध की भर्ती करने के लिए अधिकृत एकमात्र चयन केन्द्र है। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य प्रति वर्ष बड़ी से बड़ी संख्या में प्रदेश के युवाओं को वायु सेना में भर्ती हेतु प्रोत्साहित करना एवं भर्ती करना है। इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न की जाती है।

प्रथम चरणरू अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन लिखित परीक्षा का आयोजन प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किया जाता है। द्वितीय चरण अभ्यर्थियों की शारीरिक एवं अनुकूलता परीक्षण इस चयन केन्द्र में संपन्न किया जाताहै। तृतीय चरण उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को चिकित्सा परीक्षण हेतु निर्धारित चयन केंद्र में उपस्थित होना होता है। चिकित्सा परीक्षण भारतीय वायु सेना चिकित्सा टीम द्वारा वायु सेना के चिकित्सा मानकों और प्रचलित नीति के अनुसार किया जाता है। तृतीय चरण में सफल अभ्यर्थियों को अग्निवीर वायु के रूप में भारतीय वायु सेना में नामांकित किया जाता हैए जिसके पश्चात उन्हें प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण केन्द्र में भेज दिया जाता है। भर्ती प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 27 जनवरी 2025 तक नियत है। पंजीकरण एवं अधिसूचना का लिंक ीजजचेरूध्ध्हदपचंजीअंलनबकंण्पद वेबसाइट पर उपलब्ध है। इस भर्ती में 01 जनवरी 2005 और 01 जुलाई 2008 ;दोनों तिथियाँ सम्मिलितद्ध के बीच जन्में पात्र अविवाहित पुरुष एवं महिला उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन करने हेतु योग्य हैं। भर्ती प्रक्रिया की प्रथम चरण की ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन 22 मार्च 2025 से नियत है।

# वंदे भारत इस स्टेशन पर अचानक क्यों रोकी गई, क्या थी वजह जानिए

**जन एक्सप्रेस । रायबरेली**

प्रयागराज से गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को इमरजेंसी के कारण रायबरेली स्टेशन में रोक दिया गयाण् बताया गया कि ट्रेन में सफर कर रही एक महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई थीण् इसके बाद आनन.फानन में पहुंची रेलवे मेडिकल की टीम ने पहले महिला की जांच की और दवाई दीण् वहींए दवाई मिलने से महिला को राहत मिलीण्जानकारी के मुताबिकए प्रयागराज से चली वंदे भारत एक्सप्रेस बुधवार शाम को करीब 4रू56 बजे रायबरेली स्टेशन पर अचानक रुक गईण् कोच संख्या चार की सीट नंबर 23 पर सफर कर रही सुजाता 65 वर्ष की तबीयत अचानक बिगड़ गईण्उनको हल्की बेहोशी आ गई थीण् सूचना पर तत्काल मेडिकल टीम पहुंची और उनका इलाज किया गयाण् इस दौरान 8 मिनट तक ट्रेन स्टेशन पर रुकी रहीण् जैसे ही महिला की हालत सुधार हुआ तो गंतव्य के लिए ट्रेन को रवाना कर दिया गयाण् इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक रवि रंजन ने बताया कि महिला के हालत में सुधार होने पर यात्री इस ट्रेन से गंतव्य के लिए रवाना हो गईण

वहींए लखनऊ रायबरेली रेल खंड पर बुधवार की सुबह 5रू54 बजे महाकुंभ में श्रद्धालुओं को लेने के लिए जा रही संगम स्पेशल ट्रेन के पहिए से चिंगारी और इंजन से धुआं निकलने लगाण् इसकी जांच की गई तो पता चला की ट्रेन के पहिए के ब्रेक चिपक गए थेण् जानकारी मिलने पर उसे ठीक कराया गयाण् इसके बाद ट्रेन को सुबह 8रू10 पर रवाना कर दिया गया बछरावां के स्टेशन अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि सिराज नगर स्टेशन से सूचना मिली थीए लखनऊ से प्रयागराज जा रही संगम स्पेशल जैसे ही सिराज स्टेशन के पास पहुंची तो वहां इंजन के पहिए से चिंगारी निकलने लगीण् इंजन से धुंवा भी निकलता नजर आयाण् सिराज स्टेशन में अगले स्टेशन को इस बारे में बताया गया तो स्टाफ अलर्ट हो गयाण् ट्रेन बछरावां पहुंची तो ट्रेन को दूसरे लाइन पर ही रोक लिया गया उन्होंने बताया कि इस घटना की सूचना रायबरेली स्टेशन को भी दी गई थीए जिस पर रायबरेली से एक टीम पहुंची और ट्रेन का परीक्षण किया गयाण् इंजन से धुआं और पहिए से चिंगारी निकालने की सही वजह तलाशी गईण् पता चला कि पहिए से ब्रेक चिपक गया थाए जिसके कारण चिंगारी निकल रही थी और धुआं फैल रहा थाण् उन्होंने बताया कि दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पहिए से चिपके ब्रेक को हटाया गयाण् खराबी दूर होने के बाद ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

# मिल्कीपुर उपचुनाव: भाजपा प्रत्याशी ने दाखिल किया नामांकन, प्रदेश अध्यक्ष सहित कई मंत्री रहे मौजूद

**जन एक्सप्रेस । अयोध्या**

अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने नामांकन दाखिल कर दिया है। इस मौके पर यूपी सरकार के कई मंत्री सहित भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सहित कई नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। पार्टी प्रत्याशी ने पहले दो सेट में पूर्व सांसद लल्लू सिंह के साथ जाकर नामांकन दाखिल किया। इसके बाद दो सेट में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान मिल्कीपुर उपचुनाव की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रदेश सरकार के सातों मंत्री, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने मिल्कीपुर उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान के समर्थन में बृहस्पतिवार को जनसभा की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उपचुनाव में मिल्कीपुर की जनता परिवारवादियों और राम विरोधियों को जवाब देगी। जिन लोगों ने राम भक्त का सेवकों का खून बहाया है, उन्हें सबक मिलेगा। जनसभा में प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सहकारिता मंत्री जीपीएस राठौर, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु , महापौर गिरीश त्रिपाठी, विधायक रामचंद्र यादव, अमित सिंह चौहान, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह और एमएलसी अवनीश पटेल मौजूद रहे। इस मौके पर यूपी सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दावा किया है कि उपचुनाव में भाजपा जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी और कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस संविधान के मुद्दे पर पूरी तरह एक्सपोज हो चुकी हैं। इन लोगों ने हमेशा ही कानून और संविधान का उल्लंघन किया है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोपा। यह दुर्भाग्य है कि जिस कांग्रेस ने मुलायम सिंह यादव को जेल में डाला सपा उन्हीं का समर्थन कर रही है। ये लोग अब अफवाह पैदा कर रहे हैं अफवाह एक बार चलती है बार-बार नहीं चलती है।

**उत्तर रेलवे**

**खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल पैकेट पद्धति से ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 07.02.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुवल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नहीं करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

| | | |
|---|---|---|
| | निविदा सूचना संख्या | 00702025 दिनांक 15.01.2025 |
| 1 | कार्य का नाम | वरि. मण्डल इंजीनियर-तृतीय/उ.रे./लख. के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियन्ता-वाराणसी तथा सहायक मण्डल अभियन्ता-जौनपुर के अन्तर्गत टी.बी.आर. (ML)= 17.157 TKM, सी.टी.आर. (S) = 1.844 TKM, टी.आर.आर. (S) = 36.853 TKM, टी.आर.आर. (P) = 6.767 TKM, टी.एफ.आर. = 26.968 TKM (ई.आर.सी. के साथ), टी.एफ.आर. = 8.988 TKM, (ई.आर.सी. के बिना) तथा टी.बी.आर. (LL) = 10.147 TKM, के संबंध में विभिन्न प्रकार के ट्रैक कार्य। |
| 2 | अनुमानित लागत | रु. 6,21,04,587.48 |
| 3 | धरोहर राशि | रु. 4,60,500.00 |
| 4 | कार्य की समापन अवधि | क्रम सं. 1 के लिए : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से अट्ठारह (18) माह। |
| 5 | निविदा डालने का प्रारंभ | क्रम सं. 1 के लिए : 24.01.2025 |
| 6 | निविदा बंद होने की तिथि एवं समय | क्रम सं. 1 के लिए : 07.02.2025 15:00 बजे |
| 7 | वेबसाइट | www.ireps.gov.in |

नोट : तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे सम्बन्धित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नहीं किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रों को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय उ.रे. नयी दिल्ली का पत्र सं. 74-W/O/Pt.XXV/WA/Loose दिनाँक 07.04.2015) 173/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

### अयोध्या: राम मंदिर का काम 70 फीसदी पूरा

# राम मंदिर निर्माण पर अब तक खर्च हुए 1200 करोड़ रुपए

**जन एक्सप्रेस । 000**

राममंदिर के निर्माण का कार्य 70 फीसदी पूरा हो चुका है। अप्रैल तक पूरा मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। अक्तूबर तक परकोटा, सप्तमंडपम व शेषावतार मंदिर के निर्माण कार्य पूरे किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। राममंदिर निर्माण में अब तक 1200 करोड़ खर्च हो गए हैं। मंदिर समेत अन्य प्रकल्पों के निर्माण में 1800 करोड़ खर्च होने का अनुमान है।

फरवरी 2020 से अक्तूबर 2024 के बीच राममंदिर निर्माण पर 1197 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इस बीच 328.45 करोड़ रुपये जमीन खरीदने में भी खर्च हुए हैं। पिछले साल अप्रैल से अक्तूबर तक 179.66 करोड़ रुपये मंदिर निर्माण में लगे। जबकि इस बीच 65.15 करोड़ की जमीन राममंदिर ट्रस्ट की ओर से खरीदी गई है। राममंदिर के भूतल व प्रथम तल के निर्माण का काम लगभग पूरा हो चुका है। द्वितीय तल पर 80 फीसदी काम पूरा किया जा चुका है। मंदिर के शिखर का काम भी तेज है। अब तक 18 लेयर ढ़ाली जा चुकी है। मार्च तक शिखर के निर्माण का का पूरा कर लिया जाएगा।

इसके अलावा रामजन्मभूमि परिसर में सप्तमंडपम के भी निर्माण का काम चल रहा है। सप्तमंडपम में सात ऋषियों के मंदिर बन रहे हैं। इनमें से तीन का काम लगभग पूरा हो चुका है। चार मंदिरों के निर्माण का काम 60 फीसदी हो चुका है। इसी तरह

शेषावतार मंदिर के निर्माण का काम 30 फीसदी पूरा हो चुका है। सबसे चुनौती पूर्ण कार्य राममंदिर के परकोटे का निर्माण है। इसका 55 फीसदी काम पूरा हो चुका है। मंदिर के बाद सर्वाधिक धनराशि परकोटा निर्माण में लग रही है। इसमें मंदिर से ज्यादा पत्थरों का इस्तेमाल किया जा रहा है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने कहा है कि इन परियोजनाओं के जून तक पूरा होने की उम्मीद है। बता दें कि प्राण-प्रतिष्ठा क राम मंदिर के भूतल का कार्य भी अधूरा था। गर्भगृह व रंग मंडल को छोड़कर नृत्य मंडप, गूढ़ी मंडप, प्रार्थना व कीर्तन मंडप का निर्माण समेत कई और भी बाकी थे। इसके बावजूद बीते एक साल में भूतल के साथ-साथ तीनों तलों का निर्माण हो गया। इसके अलावा शेष पांचों मंडपों का निर्माण हो गया और शिखर का निर्माण दिखाई देने लगा है। खबर के मुताबिक, प्रथम तल पर दरवाजों का लगाने का काम चल रहा है। जबकि, द्वितीय तल पर गर्भगृह का निर्माण हो चुका है और फर्श का निर्माण कार्य चल रहा है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने कहा है कि इन परियोजनाओं के जून तक पूरा होने की उम्मीद है। बता दें कि प्राण-प्रतिष्ठा क राम मंदिर के भूतल का कार्य भी अधूरा था। गर्भगृह व रंग मंडल को छोड़कर नृत्य मंडप, गूढ़ी मंडप, प्रार्थना व कीर्तन मंडप का निर्माण समेत कई और भी बाकी थे।

# कानपुर नगर एक्सप्रेस

हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive | लखनऊ, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025




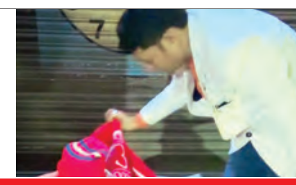

**दिन प्रतिदिन बढ़ रही ठंड के मद्देनज़र...**

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में यूं तो समाजसेवी बहुत हैं। लेकिन इस समय लगातार पढ़ रही तेज तर्रार ठंड एवं सर्द हवाओं के बीच ठुठरन के मध्य नजर बरसात एवं... ▸ शेष पेज 10 पर...

# बहू से प्रताड़ित बुजुर्ग महिला ने डीसीपी साउथ दफ्तर पहुंचकर लगाई न्याय की गुहार

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

बर्रा निवासी सुमित माथुर की शादी बर्रा निवासी आकांक्षा तिवारी से 2018 में हुई थी। मीरा शर्मा ने आरोप लगाते हुए बताया कि बर्रा निवासी आकांक्षा तिवारी, सुमित माथुर की पत्नी हैं, जिस से उसने सन 2018 मे शादी की थी, उसको तबाह करने के बाद आकांक्षा तिवारी अपनी माँ राधा तिवारी और मामी निधी व रिंकी, मामा लालू व मामा के बेटे शिवा के साथ एक राय होकर मेरे बेटे से धोखाधड़ी करते हुए व सुमित माथुर को बिना तलाक दिये उपरोक्त शादी को छिपा कर जल्द बाजी में आर्य समाज मंदिर मे बिना दान दहेज के शादी की, शादी के बाद आकांक्षा हर दूसरे दिन अपने मायके जाने लगी और फोन पर घण्टो बात करती तो हम लोगो को शक हुआ, जब पता किया तो पता चला कि आकांक्षा पहले से शादी शुदा है, जब हम लोगो ने कहा कि तुम पहले अपने पहले पति सुमित माथुर से तलाक ले लो फिर रहो तो कहने लगी हम कोई तलाक नही लेंगे अगर तुम लोगो ने मेरी पहली शादी के विषय पर किसी से बात किया तो तुम लोगो को झूठे मुकदमे में फंसा देगे और घर का जेवर आदि चुरा कर अपने मायके चली गई और रूपये की मांग रखकर ब्लैकमेल करने लगी ज़िसकी शिकायती प्रार्थना पत्र पुलिस कमिशनर जी को दी, ज़िसकी पेशबन्दी मे दिनांक 25 अक्टूबर को सोंची समझी साजिश के तहत हम लोगो पर झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया, ज़िसमे हम लोग स्टे के लिये हाई कोर्ट इलाहाबाद चले गये तो मेरे घर मकान न.12 एल. आई.जी. गुलमोहर विहार थाना हनुमंत बिहार वाले मकान में आकांक्षा तिवारी अपनी माँ राधा तिवारी और मामी निधी व रिंकी, मामा लालू व मामा के बेटे शिवा व अन्य आपराधिक लोगो के साथ मिलकर सूने घर का ताला तोड़कर घर मे रखा रूपये, जेवर व कीमती सामान लूट ले गई व मकान पर कब्जा कर लिया जब हम लोगो को पता चला तो हम लोग ने पुलिस से शिकायत की पर पुलिस ने मेरी एक नही सुनी और उलटा कहा की आकांक्षा व उसका परिवार तो रहेगा आप नही रह सकती, हम लोगो ने कहा कि वो मेरे घर का सारा सामान जेवर सहित सब अपने परिवार वालो के सहयोग से लूट ली है मेरा मुकदमा ही लिख दीजिये पर पुलिस ने हमारी एक नही सुनी, हम लोगो ने आकांक्षा के विषय मे पता किया तो लोगो ने बताया कि आकांक्षा व इसके परिवार का यही धंधा है पहले शादी करना फिर लड़को के ऊपर झूठा मुकदमा लगाना और रुपये ऐठना ज़िससे पलता हैं इसका परिवार लोगो के द्वारा हम लोगो तक भी, आकांक्षा ने खबर पहुंचाई है 25 लाख हमको देदे हम घर खाली कर देंगे, आकांक्षा पहले भी लड़के वालो से रुपये वसूल चुकी है।

इस कार्य मे आकांक्षा, माँ राधा मामा लालू मामी निधी व रिंकी मामा का बेटा शिवा सभी सम्मिलित हैं।

जानकारी मिलने पर मीरा शर्मा ने बेटी संग मिलकर पुलिस उपायुक्त से शिकायत की। जहां डीसीपी ने पीड़िता को न्याय का आश्वासन दिया।

# शहर में जर्जर पड़े धार्मिक स्थलों के जीरो धार के लिए 1.85 करोड रुपए हुए पास

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

कानपुर नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक में गुरुवार को शहर में जर्जर सभी धार्मिक स्थलों के विकास के लिए 1.85 करोड रुपए मिले हैं। कला एवं सांस्कृत कीमत में नगर निगम ने यह बजट दिया है।

महापौर प्रमिला पांडे पिछले दिनों से अभियान चलाकर मंदिरों को खोज रही थी।

बजट मिलने से इन मंदिरों का विकास हो जाएगा।

इसके साथ कार्यकारिणी की बैठक में पुनरक्षित बजट के साथ ही 2025-26 का मूल बजट भी पास कर दिया गया। पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले इस वर्ष 9 अरब रुपए ज्यादा नगर निगम में विकास के लिए बजट रखा गया है।

### जलकल के लिए 4.32 अब रुपए हुए पास

नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक गुरुवार की सुबह मुख्यालय के समिति कक्ष में शुरू हुई। महापौर प्रमिला पांडे के अध्यक्षता और नगर आयोग सुधीर कुमार की उपस्थिति में सबसे पहले पुनरक्षित बजट और नगर निगम व जलकर के मूल बजट पर चर्चा शुरू हुई। इस दौरान पुनरक्षित बजट 2024-25,19अरब 47 करोड से बढ़कर 28 अब 35 करोड़ बजट बैठक में रखा गया। जिसे सर्वसम्मत से कार्यकारिणी ने पास कर दिया। बैठक में जलकर का 4 अरब 72 करोड़ 99 लाख रुपए मूल बजट पास हो गया।

### शहर के 51 विकास कार्यों को भी मिली हरी झंडी

नगर निगम में आयोजित हुई कार्यकारिणी की बैठक में नगर निगम मुख्य अभियंता एसएएफ जैदी की ओर से 10 करोड़ के 51 विकास कार्यों का प्रस्ताव रखा गया। जिसे नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में पास कर दिया गया। इन विकास कार्यों के टेंडर नगर निगम पहले ही कर चुका है। कार्यकारिणी की बैठक में स्वीकृत मिलने के बाद अब जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

### कार्यकारिणी बैठक में यह लोग रहे मौजूद

कार्यकारिणी बैठक सदस्य में उपसभापति यशपाल सिंह, सदस्य दीपक शर्मा, आरती गौतम, योगेंद्र शर्मा, अभिषेक गुप्ता उर्फ मोनू, लियाकत अली, मंजू पाल, देवेंदर द्विवेदी, पवन पांडे, धीरेंद्र सोनकर, आकर्ष बाजपेई, फैजान रहमान समेत नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## महापौर ने शहर को सुंदर बनाने का संकल्प लिया

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

49 साल से संगम में डुबकी लगा रहीं महापौर प्रमिला पांडेय ने 14 जनवरी को पहले अमृत स्नान के बाद गंगा में डुबकी लगाई। उन्होंने अपने शहर में स्वच्छता, सुंदर होने का संकल्प लिया। महाकुंभ में स्नान कर लौटीं महापौर ने बताया कि वह 1976 से जौनपुर स्थित मायके से संगम में डुबकी लगाने जा रही हैं। शुरुआत में मां कमला देवी दुबे और पिता श्रीप्रकाश दुबे के साथ अमावस्या, पूर्णिमा को संगम में स्नान करने जाती थीं। 1988 से माता, पिता और मौसी विमला ने वहां कल्पवास करना शुरू किया, तब वह उनके साथ जाती थीं। कपड़े धोने, सामान खरीदारी सहित उनकी सेवा करतीं थीं।

सात साल से उनकी प्रयागराज निवासी बहन निर्मला दुबे और मुंबई निवासी बहन आशा मिश्रा संगम में कल्पवास कर रही हैं। तब से वह 10 दिन वहां जाकर कल्पवासियों की सेवा करती हैं। इस बार वह सेक्टर - 11 में कल्पवास कर रही हैं। इस बार महाकुंभ में भी वह तीन दिन पहले बहनों की सेवा करने पहुंची थीं। उनकी चौथी बहन सरोज पांडेय भी सेवा करने आईं। वहीं उन्होंने तीनों बहनों के साथ मकर संक्रांति में सुबह पांच बजे डुबकी लगाई थी।

# मेडिकल कॉलेज में जल्द ही संभव हो सकेगी कैंसर की जांच

### कैंसर को प्रथम चरण में ही पकड़ा जा सकेगा

प्रोफेसर महेंद्र ने बताया कि इस मशीन के आने के बाद प्राथमिक चरण में ही कैंसर पकड़ा जा सकेगा और रोगियों की स्थिति गंभीर होने से रोका जा सकेगा। शोध के लिए 500 मरीजों को चिन्हित भी किया जा चुका है और उनके सैंपल जुटाए जा रहे हैं।

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज कानपुर के पैथोलॉजी विभाग में अब कैंसर जैसी बीमारी की भी जांच संभव हो सकेगी। कैंसर की मारकर के साथ ही साइटोलॉजी और ब्लॉक की जांच की सुविधा शुरू होगी। सटीक और सही जांच के लिए विभाग में एडवांस मशीन मंगवाई गई है। यह मशीन सभी प्रकार के फ्लूड की जांच कर कैंसर के कारक का पता लगाने में मददगार होगी। मशीन से कैंसर की त्रिस्तरीय जांच होगी। सती प्रथम चरण पर ही फ्लूड की जांच कर कैंसर के कारकों का पता लगाया जा सकेगा। पैथोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर महेंद्र सिंह ने बताया कि अब यहां पर गर्भवती महिलाओं के लिए भी संपूर्ण हार्मोन इलाज की सुविधा जल्द शुरू की जाएगी। इसकी शुरुआत होने से मेडिकल छात्र-छात्राओं को शोध में भी काफी मदद मिलेगी। उन्हें जो भी जांच चाहिए होगी उसका पूरा डाटा यहां से मिल जाया करेगा।

अभी तक पैथोलॉजी में कैंसर की मैनुअल मार्कर जांच ही हो पा रही थी।

ऑटोमेटिक मशीन की मदद से त्रिस्तरीय जांच होने पर फेफड़े या शरीर के किसी भी भाग में पनप रहे कैंसर के कारक फ्लूड की जांच साइटोलॉजी और ब्लॉक स्तर पर भी की जा सकेगी।

### नवीन गंगा पुल पर तीन घंटे तक जाम, मार्ग सकरा होने और जल्दबाजी से बढ़ी दिक्कतें

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। कानपुर-उन्नाव को जोड़ने वाले नवीन गंगा पुल पर गुरुवार सुबह मार्ग सकरा होने और जल्दबाजी में निकलने के चक्कर में भीषण जाम लग गया। इससे राहगीरों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ी। वहीं, तीन घंटे तक लगे जाम के कारण नौकरी पेशा करने वाले लोग परेशान रहे। स्कूली बच्चे भीषण ठंड के बीच घंटों सड़क पर खड़े रहे। जाम में फंसे लोग स्थानीय व यातायात पुलिस को कोसते रहे। जाम लगने के एक घंटे बाद कोतवाली पुलिस पहुंची और किसी तरह से जाम खुलवाया। बता दें कि शुक्लागंज से कानपुर जाने वाले वाहनों की संख्या सुबह पीक अवर्स में अधिक रहती है।

# एपी फेनी जमीन मामले में पूर्व मंत्री बेरिया की मुश्किलें और बढ़ीं

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर के बहुचर्चित एपी फेनी जमीन मामले में समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री शिवकुमार बेरिया फिलहाल गुरुवार को जमीन खरीद फरोख्त के आरोपियों के खिलाफ तैयारी देने से पीछे हट गए हैं। उनका कहना है कि उन्होंने तो सर्किल रेट के आधार पर जमीन की पूरी रकम 80 लाख रुपए देकर खरीदी थी। अगर तहरीर देते हैं तो उनकी गाड़ी कमाई के रकम डूब जाएगी। इस वजह से तहरीर नहीं देंगे और पूरे मामले को लेकर कोर्ट जाएंगे। जबकि पुलिस अफसर का कहना है कि अगर तेरी नहीं थी तो उन्हें भी जमीन मामले में आरोपी बनाया जाएगा। क्योंकि उन्होंने नजूल के जमीन को खरीदा है। अवैध रूप से जमीन की खरीद फरोख्त हुई है।

### जमीन के मामले में कोर्ट का सहारा लेंगे पूर्व मंत्री

कर्नलगंज थाना क्षेत्र के सिविल लाइंस स्थित 500 करोड़ की एपी फेनी जमीन कांड मामले में पुलिस अब तक दो मुकदमे दर्ज कर चुकी है। दोनों मुकदमों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी की जांच में सामने आया है की जमीन पर जिन लोगों ने कब्जा किया था। उनसे सपा के पूर्व मंत्री शिवकुमार बेरिया ने भी 100-100 वर्ग गज के दो प्लाट खरीदे थे। उनकी रजिस्ट्री भी कराई है। कर्नलगंज पुलिस फर्जी वाला करने वाले वह नजूल की जमीन खरीदने वाले पर कार्रवाई कर रही है। सलीम बिरियानी समिति तीन आरोपियों को अरेस्ट करके जेल भेज चुकी है। मामले में पूर्व मंत्री शिवकुमार बेरिया ने बताया कि उन्होंने साफ तौर पर इनकार किया है कि वह जमीन बेचने वाले के खिलाफ तेरी नहीं देंगे। क्योंकि उन्होंने पूरी स्टैंप ड्यूटी देकर एक नंबर में सर्किल रेट के आधार पर जमीन को खरीदा है। कोई भी गलत काम नहीं किया है। जबकि उनके 80 लाख रुपए फस गए हैं। अगर वह तहरीर देते हैं। तो उनकी रकम डूब जाएगी और कोर्ट कचहरी के चक्कर काटते रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह पूरे मामले को लेकर कोर्ट जाएंगे। कोड जो आदेश देगी उसका पालन करेंगे। पुलिस अपनी जांच करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र है। मामले में डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि अगर गुरुवार को बेरिया तेरी नहीं देते हैं तो पुलिस जांच को आगे बढ़ाएगी। इसके साथ ही अभी तक जमीन पर मिले इसके को भी नहीं दिखा सके हैं। अगर तहरीर नहीं देते हैं तो एसआईटी अपनी जान आगे बढ़ाएगी। इससे सपा के पूर्व मंत्री के मुश्किल बढ़ सकती है।

# पान मसाला उद्योग की शिफ्टिंग पर बोले अखिलेश वसूली और भ्रष्टाचार के चलते समेटा कारोबार

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

जीएसटी की सख्ती के कारण कानपुर के पांच प्रमुख पान मसाला ग्रुपों ने शहर से अपना कारोबार पूरी तरह समेट लिया है। लेदर के बाद अब पान मसाला ग्रुपों के कानपुर से पलायन होने के चलते सपा प्रमुख ने गुरुवार को लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस करके सरकार को घेरा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की वसूली जीएसटी और भ्रष्टाचार के चलते कानपुर का कारोबार लगातार पलायन हो रहा है। यहां सरकार की लूट घसोट के चलते यूपी में कोई इन्वेस्टर नहीं आएगा। आखिर देश की दिग्गज पान मसाला कंपनियां कानपुर से अपना कारोबार क्यों समेत रही हैं, आखिर इसके पीछे क्या वजह है। इस बात का खुलासा होना अत्यंत आवश्यक है। जीएसटी से व्यापारी बर्बाद हो गया है। अब यह नई तरह की लड़ाई चल रही है। कानपुर से सभी कारोबारी कानपुर छोड़कर जा रहे हैं। सोचिए अगर कारोबारी कानपुर से चला गया तो कानपुर शहर का क्या होगा। यह करो तो ला नही सकें। आपको याद होगा इन्होंने कितना बड़ा आयोजन किया था इन्वेस्टमेंट मीत इन्वेस्टमेंट मीट का तो कुछ हुआ ही नहीं है। कोई इंवेस्टमेंट स्टेट के पास नहीं आया। लेकिन जो कारोबारी पहले से थे जिनका कारोबार पहले से ही चल रहा था वह सब कानपुर छोड़कर जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश की इतना ही नहीं राजधानी छोड़कर जा रहे हैं। यह इनकी वसूली जीएसटी और भ्रष्टाचार की वजह से छोड़कर जा रहे हैं। जब इस तरह की खबरें और भी लोग जानेंगे तो यूपी में कौन इन्वेस्ट करना चाहेगा। वह इस तरह की लूट और बेईमानी के बात कोई भी इन्वेस्टर नहीं आएगा। और सोचिए झगड़ा क्या है झगड़ा पता नहीं क्या है। गोरखपुर में एक उद्योगपति जो भाजपा के समर्थक थे। उनके यहां छापा पड़ गया। 600 करोड़ की टैक्स चोरी का सवाल उठाया। इसमें 200 करोड़ और जो डी लीजिए की बात कहते हुए सरकार का जमकर मखौल उड़ाया। पहले ही कानपुर शहर की उद्योग के मामले में खस्ता हालत है। किसी जमाने में कानपुर को उद्योग के मामले में मैनचेस्टर कहा जाता था लेकिन अब कानपुर से उद्योग पूरी तरीके से समाप्ति की ओर है। ऐसा ही हाल रहा तो वह दिन दूर नहीं जब कानपुर में एक भी उद्योग नहीं बचेगा।

# लड़के के बेरोजगार होने पर परिवार ने शादी से किया इनकार, लड़की को भगा ले गया लड़का

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

कानपुर के नवाबगंज में वैवाहिक साइट से बेटी के लिए लड़का ढूंढना एक परिवार लो भारी पड़ गया। लड़का बेरोजगार निकला तो परिजनों ने शादी से इनकार कर दिया। नवाबगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले शुक्ला परिवार ने नवाबगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि उनकी बेटी की उम्र 28 साल है। उन्होंने वैवाहिक रिश्ते की एक साइट पर बेटी की शादी के लिए लड़के की तलाश कर रहे थे। इस साइट पर एस दुबे नाम के लड़के से संपर्क हुआ। लड़के से संपर्क होने के बाद परिवार समेत उसे देखने के लिए उसके घर गए। लड़के के बेरोजगार होने और घरवालों की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण शादी करने से मना कर दिया था। मगर लड़के ने फोन पर बात कर लड़की को अपने प्यार के झांसे में फंसा लिया। इसके बाद लड़की को लेकर भाग निकला। काफी तलाश करने के बाद भी बेटी का कोई सुराग नहीं मिला। आरोपी युवक भी अपने घर से लापता है। दोनों के फोन भी स्विच ऑफ हैं। डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि मामले में आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। दोनों की तलाश में पुलिस की टीमों को लगाया गया है।

# विवाद की सूचना पर पहुंची यूपी 112 पुलिस पर पथराव

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

थाना श्रीनगर के पवा गांव में मारपीट की सूचना पर पहुंची यूपी 112 पुलिस पर आरोपियों ने पथराव कर दिया। सिर पर पत्थर लगने से एक हेड कांस्टेबल घायल हो गया। इस दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घायल हेड कांस्टेबल ने पिता-पुत्र समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं, पीड़ित कॉलर ने भी आरोपियों पर मारपीट और धमकी देने का मामला दर्ज कराया है। पवा निवासी सरजू अहिरवार का गांव के ही ऊदल से बृहस्पतिवार को रुपयों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि ऊदल, देवेंद्र, उसकी दो बेटियों कविता व संगीता ने हमला कर दिया। बचाने दौड़ी सरजू की पत्नी रामदेवी को भी पीटा। दंपती शिकायत करने थाने जाने लगे तो उन्हें रास्ते में रोककर जान से मारने की धमकी दी। तब पीड़ित ने यूपी 112 पुलिस को सूचना दी। पीआरवी वाहन गांव पहुंचा, तब आरोपियों ने पीआरवी टीम पर हमला कर दिया। ईंट-पत्थर लगने से हेड कांस्टेबल शिवमहंत मौर्य घायल हो गए। थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी भाग निकले। थानाध्यक्ष अवधेश कुमार मिश्रा का कहना है कि पिता-पुत्र समेत चारों आरोपियों के खिलाफ हमला, सरकारी कार्य में बाधा समेत विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। घायल हेड कांस्टेबल को डॉक्टरी परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

### 198 ग्राम पंचायतों में बांटी जाएंगी 50467 घरौनियां

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। कानपुर स्वामित्व योजना के तहत 18 जनवरी को जिले में 50,467 घरौनियों का वितरण होगा। शहर में चार स्तर पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिला स्तर का घरौनी वितरण का कार्यक्रम सीएसजेएमयू में रानी लक्ष्मीबाई सभागार में होगा। सदर तहसील की घरौनियां विवि में ही दी जाएंगी। यह जानकारी एडीएम वित्त राजेश कुमार ने गुरुवार को सरसैयाघाट स्थित नवीन सभागार में दी। आबादी संपत्ति का मालिकाना हक के लिए शुक्रवार को जिले में 198 ग्राम पंचायतों, जिसमें 234 राजस्व ग्राम शामिल हैं। इनके लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया जाएगा। घरौनी वितरण का जिला स्तरीय कार्यक्रम सीएसजेएमयू के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में होगा। इसके अलावा तहसील, ब्लाक, ग्राम पंचायत स्तर पर भी घरौनी वितरण कार्यक्रम होंगे। एडीएम वित्त ने बताया कि हर स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किया गया है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के उद्बोधन, घरौनी वितरण के सजीव प्रसारण के बाद शहर में घरौनियों का वितरण होगा। जिला स्तर के कार्यक्रम में सांसद रमेश अवस्थी व अन्य कार्यक्रमों में भी जनप्रतिधि घरौनियों का वितरण करेंगे। नर्वल तहसील का कार्यक्रम विकास खंड सरसौल में होगा। ब्लाक व ग्राम पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम स्थल का चयन कर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ड्रोन सर्वे कराकर घरौनियां तैयार की गई हैं।

# डॉक्टर के गलत चीरा लगाने से मरीज की हालत बिगड़ी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर में डॉक्टर के गलत चीरा लगाने से एक युवक जिंदगी और मौत के बीच झूलने को मजबूर हो गया है। डॉक्टर ने युवक के गले में गलत चीरा लगा दिया जिससे उसके पूरे चेहरे पर इंफेक्शन फैल गया। जेके कैंसर अस्पताल में दिखाने पर वहां के डॉक्टरों ने उसे जवाब दे दिया है। इस मामले में पीड़ित के भाई ने गुरुवार को पुलिस कमिश्नर को डॉक्टर के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। दोष पाए जाने पर डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक जवाहर नगर सीसामऊ के रहने वाले अमित कुमार शर्मा ने बताया कि उनके भाई रोहित शर्मा की कुछ समय पूर्व पैरों की सर्जरी हुई है। जिसके कारण रोहित ठीक से चल नहीं पाते और घर पर ही रहते हैं। कुछ दिन पूर्व एक डॉक्टर पड़ोस में किसी मरीज को देखने के लिए आए थे। रोहित घर के बाहर बैठा हुआ था। डॉक्टर उसे देखकर रुक गया और बात करने लगा। उसने रोहित से मुहांसे के बारे में पूछा। रोहित ने जवाब दिया कि मुहासा है कुछ दिनों में ठीक हो जाएगा। अमित के मुताबिक डॉक्टर ने कहा कि यह दान है इसमें मवाद भरा है। इसमें चीरा लगाकर इसे ठीक कर दूंगा।

### मरीज के मना करने के बाद भी डॉक्टर ने लगा दिया चीरा

मरीज के भाई अमित ने बताया कि डॉक्टर को मना किया गया कि यह दाना नहीं है। इस पर वह बोला डॉक्टर मैं हूं या तुम। उसने रोहित से कहा कि 5 मिनट का काम है और रोहित को वह घर के अंदर ले गया। घर के अंदर डॉक्टर ने रोहित के मुहासे पर उसके मन करने के बावजूद चीरा लगा दिया। चिर लगने पर रोहित के खून बहने लगा। डॉक्टर ने रोकने का प्रयास किया मगर खून रुक नहीं। उसके बाद डॉक्टर ने कंपाउंड को भेजने का बहाना बनाया और मौके से रफू चक्कर हो गया। अब मरीज की हालत बिगड़ गई है। मरीज जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है।

# 25 स्टार्टअप्स ने किया उत्पादों का प्रदर्शन, नवाचार व तकनीक के बारे में बताया

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

नेशनल स्टार्टअप डे के मौके पर गुरुवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में उद्यमोत्सव-2025 का आयोजन किया गया। शिक्षा मंत्रालय और ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन के तत्वाधान में होने वाले कार्यक्रम में 25 स्टार्टअप्स ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस दौरान होने वाले स्टार्टअप एक्सपो में नवाचार व तकनीक के बारे में बताया गया।

बता दें कि उद्यमोत्सव में देश भर से फिनटेक, हेल्थटेक, एडटेक, कृषि सेक्टर के स्टार्टअप्स ने हिस्सा लिया है। साथ ही, देश के कई उच्च संस्थानों से निवेशक भी शामिल हुए हैं। स्टार्टअप इंक्यूबेटर निवेशकों को अपने उत्पाद की जानकारी देकर डील करेंगे। इसके साथ ही व्यवसाय बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों से सलाह लेने का मौका भी मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने नवाचार, उद्यमिता और शिक्षा पर जोर देते हुए बताया कि कि उद्यमोत्सव जैसे कार्यक्रम युवाओं को अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। साथ ही नवाचार व उद्यमिता का महत्व समझाते हैं। विश्वविद्यालय उद्यमोत्सव 2025 की मेजबानी करके गौरवान्वित महसूस कर रहा है। ये निवेशक कर रहे प्रतिभाग कार्तिक गोयल, ग्लोबल ईवी एक्सपर्ट इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन प्रवीण कुमार द्विवेदी, फाउंडर-अवोक इंडिया आरती गुप्ता, निकर्थ वेंचर्स डॉ.सुनील शेखावत, फाउंडर-सांचीकनेक्ट वासु गुप्ता, इंटरनेशनल पार्टनर-वर्ल्ड बिजनेस एंजेल्स इंवेस्टमेंट फोरम अतुल सेठ, सीनियर वीपी प्रोविनिकल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन रत्नाकर संवेदन, सीईओ-हैदराबाद एंजिल्स

*सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शुरुआत में राष्ट्रीय राजमार्गों पर फास्टैग के साथ एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में बाधा रहित वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने का फैसला किया है।*
*–नितिन गडकरी*

# विचार एक्सप्रेस

**रुपये में सीमा पार लेनदेन को प्रोत्साहित करने...**
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को सीमा पार लेनदेन के निपटान के लिए रुपये और स्थानीय/राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए उदार मानदंडों की घोषणा की है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब घरेलू मुद्रा में गिरावट... पढ़ें पेज 12 पर...



## जन एक्सप्रेस

## सम्पादकीय

# राजनैतिक पूंजी गंवा चुकी 'आप' के समक्ष किला बचाने की चुनौती

**संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को ही देश के संविधान को स्वीकृति प्रदान की थी। इसी समय पार्टी की विचारधारा को स्पष्ट करते हुए अरविन्द केजरीवाल ने कहा था 'हम आम आदमी हैं। अगर वामपंथी विचारधारा में हमारे समाधान मिल जायें तो हम वहां से विचार उधार ले लेंगे और अगर दक्षिणपंथी विचारधारा में हमारे समाधान मिल जायें तो हम वहां से भी विचार उधार लेने में खुश हैं।' आम आदमी पार्टी की स्थापना के समय सबसे ज्यादा जोर देते हुए कहा गया कि अब तक देश की सत्ता पर काबिज रहे राजनैतिक दलों में तमाम प्रकार के दुर्गुण आ गए हैं।**

*दिल्ली की सत्ता पर पिछले दस साल से काबिज आम आदमी पार्टी को इस बार के विधानसभा चुनाव में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के गर्भ से जन्मे इस राजनैतिक दल के नेता खुद भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिरे हुए हैं। जिस राजनैतिक जमा पूंजी के साथ इस राजनैतिक दल का गठन किया गया था, बीते एक दशक में ही उसके नेताओं ने इसे पूरी तरह गंवा दिया है। पार्टी की स्थापना के समय जो उच्च नैतिक मानदंड और आदर्श स्थापित किया गए थे वे दूर-दूर तक पार्टी नेताओं के व्यवहार में नजर नहीं आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल विपक्ष के साथ- साथ अपने पूर्व सहयोगियों के भी निशाने पर हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान अण्णा हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन शुरू हुआ। उस समय टू जी स्पेक्ट्रम, कामनवेल्थ गेम्स, आदर्श हाउसिंग सोसाइटी और कोयला घोटाले जैसे लाखों करोड़ रुपये के घपलों के समाचार लगातार मीडिया की सुर्खियां बन रहे थे। तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के दौरान हुए घोटालों के खिलाफ सीएजी की रिपोर्ट और न्यायालय के आदेशों से लोगों को लगने लगा था कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग या तो खुद भ्रष्टाचार में लिप्त या भ्रष्टाचारियों को उनका संरक्षण प्राप्त है। लगातार दूसरी बार देश की सत्ता पर काबिज होने से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का दंभ चरम पर था। भ्रष्टाचार से जुड़े हर सवाल के जवाब में वे एक ही बात कहते नजर आते थे कि 2009 के आम चुनाव में दूसरी बार सत्ता सौंप कर देश की जनता ने उन्हें क्लीन चिट दे दी है। ऐसे में समाजसेवी अण्णा हजारे के नेतृत्व में इण्डिया अगेंस्ट करप्शन के बैनर तले दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया गया। इस आंदोलन की सिर्फ एक मांग थी कि देश में जनलोकपाल बनाया जाए। असीम शक्तियों से सम्पन्न यह जनलोकपाल देश से भ्रष्टाचार को खत्म कर देगा। इसी समय योग गुरू बाबा रामदेव ने भी विदेशों में जमा काले धन को वापस लाने की मांग को लेकर दिल्ली में आंदोलन शुरू किया। जिसे सरकार ने निर्ममता पूर्वक कुचल दिया। देश की जनता राजनेताओं, बड़े कॉरपोरेट घरानों और नौकरशाही की दुरूभि संधि से दिनों-दिन बढ़ते भ्रष्टाचार को अपने दैनिक जीवन में महसूस कर रही थी। जनलोकपाल का जो खाका अण्णा हजारे के आंदोलन के समय पेश किया गया उसे देख कर लोगों ने महसूस किया कि इससे भ्रष्टाचार की समस्या पर काफी हद तक काबू किया जा सकेगा। लेकिन सत्ताधारी कांग्रेस के नेताओं ने जनलोकपाल बनाने की मांग का उपहास करते हुए आंदोलन से जुड़े नेताओं को खुद राजनीति में आकर इस तरह का कानून बनाने की चुनौती दी। अण्णा आंदोलन को देशभर में मिले व्यापक जनसमर्थन और तत्कालीन सत्ताधारी दल कांग्रेस के विरुद्ध तैयार हो रहे जनमत से उत्साहित आंदोलन से जुड़े कुछ नेताओं ने राजनैतिक क्षेत्र में व्याप्त गंदगी को साफ करने के लिए लिए स्वयं इस दलदल में उतरने की योजना बनाई। हालांकि अण्णा हजारे इस आंदोलन से जुड़े लोगों के राजनीति में उतरने के विचार से सहमत नहीं थे। वैकल्पिक राजनीति के नए विचार के साथ अरविन्द केजरीवाल, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, शाजिया इल्मी आदि ने एक नया राजनैतिक दल बनाने की योजना तैयार की और इसे नाम दिया गया- आम आदमी पार्टी। इस राजनैतिक दल की औपचारिक घोषणा के लिए दिन चुना गया 26 नवम्बर 2012 का ताकि देश की जनता को भारत के संविधान के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का सीधा संदेश दिया जा सके।*

## एक्सप्रेस आलेख

**महोत्सव के पीछे अपनी परम्परा के साथ जुडने का उद्देश्य होता है। हम सभी को अपनी परम्पराओं से विस्मृत नहीं होना चाहिए। संस्कृति के अभाव में कोई राष्ट्र लम्बे समय तक अपनी जीवन गाथा को आगे नहीं बढ़ा सकता। लोक गाथा, लोक परम्परा राष्ट्र की संजीवनी होती है। महोत्सव के माध्यम से लोक परम्परा,लोक गाथाएं,लोक गायन, लोक कलाकारों को एक मंच प्राप्त होता है। वे अपनी प्रतिभा से लोक परम्पराओं की जानकारी वर्तमान पीढ़ी को दे सकें, उनको आगे बढ़ा सकें, यही महोत्सव के पीछे का उद्देश्य है।वेदों की परम्परा गद्य और पद्य में है।**

# गोरखपुर महोत्सव की गरिमा

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

**भारत का गायन वेदों की परम्परा में है। सामवेद में गायन भी है और गायन की यह परम्परा हजारों वर्षों की विरासत का हिस्सा है। गायन, वादन, नृत्य इन सभी विधाओं को समाहित करने के साथ ही, महोत्सव का उद्देश्य स्थानीय नौजवानों, कलाकारों, कलाकृतियों, किसानों और उद्यमियों तथा समाज के लिए योगदान करना, उनको प्रोत्साहित करना, उनको मंच उपलब्ध कराना है। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।**

उत्तर प्रदेश के सभी जनपद अपनी किसी न किसी विशिष्टता के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। इसमें सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक, औद्योगिक,लोक कला आदि के विविध क्षेत्र शामिल है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने इन तथ्यों को देखते हुए जनपदों की विशिष्ट पहचान को विकास से जोड़ने के प्रयास किए। एक जिला एक उत्पाद योजना से यह यात्रा प्रारंभ हुई। इसके साथ ही प्रत्येक जनपद में महोत्सव आयोजित कराने का निर्णय भी लिया गया था। इसके माध्यम से जनपदों के समग्र विकास को रेखांकित किया जा रहा है। वर्तमान प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश को आर्थिक सांस्कृतिक गौरव दिलाने की अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। एक जिला एक उत्पाद उन्ही में से एक है। तत्कालीन उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने इसकी आधारशिला रखी थी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इसे लांच किया था। इसी प्रकार एक जनपद एक मेडिकल कालेज का सपना भी साकार हो रहा है। प्रत्येक जनपद अपने महोत्सव भी आयोजित कर रहे है। इनमें सिंगल विंडो पोर्टल भूमि की कीमत उपलब्धता और आवंटन,कर भुगतान,प्रणाली पारदर्शी सूचनाएं और ऑनलाइन उपलब्धता,पर्यावरण सुधार,आवश्यक अनुमति का सहजता से मिलना आदि बिंदु दिखाई देते है। लोक कला और लोक संगीत का प्रदर्शन किया जाता है। इसमें स्थानीय कलाकारों को भी अवसर मिलता है। गोरखपुर महोत्सव में भी यहां का समग्र विकास परिलक्षित हुआ। गोरखनाथ की तप स्थली रही है। नाथ योगियों ने क्रियात्मक योग के माध्यम से नियम संयम की विशिष्ट विधा दी है। कौन सी क्रिया का लाभ कब प्राप्त होगा, नाथ योगियों ने इसे विस्तार से समझाया है। कई आसनों के नाम नाथ योगियों के नाम पर हैं जैसे गोरखआसन, मत्स्येंद्रआसान, गोमुखआसन आदि। नाथ परंपरा में हर नाथ योगी जनेऊ धारण करता है जो उसे शरीर की नाड़ियों से अवगत कराता है। नाथ जनेऊ की उपयोगिता उसे योगी की दीक्षा के समय बताई जाती है। योग हर नाथ योगी के जीवन का अभिन्न हिस्सा होता है। गुरु गोरखनाथ ने चेतना के उच्च आयाम तक पहुंचाने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने चेतन मन के साथ ही अवचेतन और अचेतन मन को साधने की क्रिया भी सिखाई है। मानव मन, बिना साधना के जितना चेतन होता है वह संपूर्ण चेतना का बहुत छोटा भाग है। योग के माध्यम से साधना की चरम सीमा पर जाकर हम अवचेतन और अचेतन मन के रहस्यों को उद्घाटित कर सकते हैं। नाथ योगियों की साधना का उद्देश्य भी यही रहा है। शरीर की यही साधना अष्ट सिद्धियों और नौ निधियों को प्राप्त करने का माध्यम भी है। जिस प्रकार जीवन के लिए प्राण आवश्यक है उसी प्रकार मन की वृत्तियों और शरीर के बीच तारतम्य स्थापित करने के लिए प्राणायाम भी आवश्यक है। चराचर जगत पंचभूतों से बना है। इन्हीं पंचभूतों से हमारा शरीर भी बना है। महायोगी गुरु गोरखनाथ ने भी कहा है कि पिंड

**यह आज पूर्वी उत्तर प्रदेश के मजबूत महानगर के रूप में विकास हुआ है। बारह जनवरी को वैश्विक मंच पर भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक छवि, भारत की आध्यात्मिक विरासत सनातन धर्म की वैदिक परम्पराओं को स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानन्द की पावन जयन्ती है।**

में ही ब्रह्मांड समाया है। जो तत्व ब्रह्मांड में है वही हमारे शरीर में भी हैं। भारतीय मनीषा में हर व्यक्ति के जीवन का एक अभीष्ट होता है, धर्म के पथ पर चलते हुए मोक्ष की प्राप्ति करना प्रति करना। धर्म की साधना के लिए स्वस्थ शरीर की अपरिहार्ता हमारे ऋषियों, मुनियों ने बताई है। आयुर्वेद में जहां व्याधियों को दूर करने के लिए औषधियों और पंचकर्म की पद्धतियां हैं। तो वही योग में भी हठयोग, राजयोग,ज्ञानयोग, लययोग और क्रियायोग की विशिष्ट विधियां हैं। इसी क्रम में शरीर की आरोग्यता के लिए नाथपंथ का हठयोगी योग को खट्कर्म से जोड़ता है। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की पद्धतियां,तीनों ही वात, पित्त और कफ से जनित रोगों के निदान के लिए एक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। तीनों ही व्यवहारिकता के स्तर पर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। तीनों ने ही शरीर को पंचभौतिक माना है। नियम संयम का जीवन में बड़ा महत्व है। योग ने उसी को जोड़ा है। अंतःकरण की शुद्धि नियम संयम से ही हो सकती है। नाथ योगियों ने क्रियात्मक योग के माध्यम से नियम संयम की विशिष्ट विधा दी है। कौन सी क्रिया का लाभ कब प्राप्त होगा,नाथ योगियों ने इसे विस्तार से समझाया है। योग के कई आसनों के नाम नाथ योगियों के नाम पर हैं जैसे गोरखआसन, मत्स्येंद्रआसान, गोमुखआसन आदि। सीएम योगी ने कहा कि नाथ परंपरा में हर नाथ योगी जनेऊ धारण करता है जो उसे शरीर की नाड़ियों से अवगत कराता है। नाथ जनेऊ की उपयोगिता उसे योगी की दीक्षा के समय बताई जाती है। योग हर नाथ योगी के जीवन का अभिन्न हिस्सा होता है। गुरु गोरखनाथ ने चेतना के उच्च आयाम तक पहुंचाने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने चेतन मन के साथ ही अवचेतन और अचेतन मन को साधने की क्रिया भी सिखाई है। मानव मन, बिना साधना के जितना चेतन होता है वह संपूर्ण चेतना का बहुत छोटा भाग है। योग के माध्यम से साधना की चरम सीमा पर जाकर हम अवचेतन और अचेतन मन के रहस्यों को उद्घाटित कर सकते हैं। नाथ योगियों की साधना का उद्देश्य भी यही रहा है। शरीर की यही साधना अष्ट सिद्धियों और नौ निधियों को प्राप्त करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जीवन के लिए प्राण आवश्यक है उसी प्रकार मन की वृत्तियों और शरीर के बीच तारतम्य स्थापित करने के लिए प्राणायाम भी आवश्यक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने प्राचीन ज्ञान के धरोहरों से हमने दूरी बनानी प्रारंभ की तो एक समय ऐसा भी आ गया कि भारतीय हीन भावना का विषय बन गए। अपने दिव्यज्ञान के स्रोत से वंचित होते गए। हमारी प्राचीन आयुर्वेद की दवाओं को बाहरी लोगों ने पेटेंट करना शुरू कर दिया। आज भारत की प्राचीन ज्ञान धारा, आयुर्वेद और योग को फिर से प्राचीन गौरव प्राप्त हो रहा है। भारत की सभ्यता और संस्कृति अति प्राचीन है। सृष्टि के कालखंड की सबसे प्राचीन संस्कृति भारतीय संस्कृति को माना जाता है। अलग अलग कालखंड में ऋषियों,मुनियों ने अपनी ज्ञान के धारा के अनुभव से इसे नया आयाम प्रदान किया। पहले ज्ञान की परंपरा गुरु शिष्य के माध्यम से श्रवण परंपरा थी। उसे लिपिबद्ध करने का कार्य महर्षि वेदव्यास ने चार संहिताओं के माध्यम से किया। महर्षि वेदव्यास ने न केवल चार वेदों ऋग्वेद,यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की रचना की बल्कि उन्होंने श्रीमद्भागवत पुराण समेत अठारह पुराणों की रचना को भी ज्ञान से जोड़कर भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाया। महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित श्रीमद्भागवत पुराण आज भी भारत वासियों को धर्म का सही मार्ग दिखाता है। आयुर्वेद की मान्यता है कि चराचर जगत पंचभूतों से बना है। इन्हीं पंचभूतों से हमारा शरीर भी बना है। महायोगी गुरु गोरखनाथ ने भी कहा है कि पिंड में ही ब्रह्मांड समाया है। जो तत्व ब्रह्मांड में है वही हमारे शरीर में भी हैं। गोरखपुर की पहचान गीता प्रेस से भी है, जो हिंदू धार्मिक पुस्तकों का विश्व प्रसिद्ध प्रकाशक है। सबसे प्रसिद्ध प्रकाशन कल्याण पत्रिका है। श्री भगवत गीता के सभी अठारह भाग इसकी संगमरमर की दीवारों अंकित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर ने एक छोटे शहर के रूप में विकास की अपनी यात्रा प्रारम्भ की थी। यह आज पूर्वी उत्तर प्रदेश के मजबूत महानगर के रूप में विकास हुआ है। बारह जनवरी को वैश्विक मंच पर भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक छवि, भारत की आध्यात्मिक विरासत सनातन धर्म की वैदिक परम्पराओं को स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानन्द की पावन जयन्ती है।

## आज का पंचांग

*किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।*

| | |
|---|---|
| तिथिः | चतुर्थी 29:31 तक |
| नक्षत्रः | मघा 12:43 तक |
| पक्षः | कृष्ण |
| वारः | शुक्रवार |
| योगः | सौभाग्य, 24:58 |
| सूर्योदयः | 07:18 |
| सूर्यास्तः | 17:43 |
| चंद्रमाः | सिंह राशि में |
| राहुकालः | 11:12-12:30 |
| विक्रमी संवत्: | 2082 |
| शक सम्वतः | 1947 |
| मासः | माघ |
| शुभ मुहूर्तः | 12:10-12:51 |

## जन एक्सप्रेस

### है मचा बवाल !

*लेकर के सुरक्षा को।*
*है मचा बवाल ।।*
*मौसम है चुनावी।*
*मचा है बवाल ।।*
*रस्साकस्सी चल रही।*
*कौन जिम्मेदार ?*
*हर तरफ से हो रहे।*
*शब्दों के प्रहार ।।*
*ना दो मुझे सुरक्षा।*
*बात निकल कर आई ।।*
*हरकतों से ऐसी।*
*होती जगहंसाई ।।*
*रहें सब महफ़ूज़।*
*हो काम इस प्रकार ।।*
*रहें सब सुरक्षित।*
*जो सबका अधिकार ।।*

- कृष्णेन्द्र राय

## एक्सप्रेस स्वास्थ्य

# वजन घटाने के लिए खाएं 5 तरह के हेल्दी-टेस्टी चीले

**हेल्दी** और फिट रहने के लिए वेट मेंटेन रखना भी जरूरी है। वजन ज्यादा होने के कारण शरीर में हार्मोन्स इंबैलेंस होना शुरू हो जाते हैं और कई समस्याओं का खतरा बढ़ने लगता है। वेट लॉस करने के लिए लोग तरह-तरह की चीजें अपनाते हैं। अगर हेल्थ मेंटेन रखने के साथ वजन घटाना है, तो डाइट और वर्कआउट दोनों पर ध्यान देना जरूरी है। वेट लॉस करने के लिए मील प्लान करने के साथ न्यूट्रिशन और कैलोरी डेफिसिट पर ध्यान देना भी जरूरी है। ऐसे में चीले डाइट में शामिल करना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। क्योंकि इनमें कैलोरी की मात्रा कम होती है। साथ ही, इनके सेवन से काफी देर तक भूख नहीं लगती है।

**पालक चीला:** वजन घटाने के लिए आप पालक चीला खा सकते हैं। सर्दियों में वेट लॉस करने के लिए यह अच्छा ऑप्शन है। पालक से शरीर में आयरन की कमी पूरी होगी। इससे आपको जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स भी मिलेंगे। चीला बनाने के लिए बाउल में पालक को बारीक काट लें। इसमें बारीक कटे हुई हरी मिर्च, धनिया, शिमला मिर्च और प्याज भी डालें। इसमें बेसन, पानी और मसाले मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। नॉन स्टिक पेन में हल्का घी लगाकर चीले बनाएं।

**ओट्स चीला:** डाइट में कैलोरी इनटेक कम करने के लिए ओट्स चीला बेस्ट ऑप्शन है। ओट्स से आपको फाइबर, प्रोटीन और कई मिनरल्स मिलेंगे। इसे खाने से आपको काफी देर तक भूख नहीं लगेगी और वेट लॉस में मदद मिलेगी। ओट्स चीला बनाने के लिए ओट्स को पानी में कुछ देर भिगोकर रख दें। इसे ग्राइंड करके पेस्ट तैयार कर लें और इसमें बारीक कटी हुई सब्जियां डालें। स्वादानुसार मसाले डालें और चीले तैयार करें।

**मूंग दाल चीला:** जल्दी वजन घटाने के लिए आप मूंग दाल चीला भी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इससे आपको भरपूर प्रोटीन मिलेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी। मूंग दाल चीला बनाने के लिए हरी मूंग दाल को पानी में भिगोकर रातभर के लिए रख दें। इसमें बारीक कटी हुई हरी मिर्च, प्याज, शिमला मिर्च और मसाले मिलाएं। कुछ देर रखने के बाद नॉन स्टिक पेन में चीले बनाएं।

**बेसन चीला:** वेट लॉस के लिए आप बेसन चीला भी खा सकते हैं। इससे आपको प्रोटीन और आवश्यक मिनरल्स मिलेंगे। चीला बनाने के लिए पानी में बेसन घोलें। इसमें मसाले और बारीक कटी सब्जियां डालें और चीले तैयार करें।

**सूजी का चीला:** सूजी में कैलोरी कम होती है। इसके सेवन से कैलोरी इनटेक कम होगा और वेट लॉस में मदद मिलेगी। सूजी का चीला बनाने के लिए गुनगुने पानी में सूजी मिला लें। इसमें मसाले और बारीक कटी हुई सब्जियां डालें। वजन घटाने के लिए आप अपनी डेली डाइट में ये चीजें शामिल कर सकते हैं। इनमें कम कैलोरी के साथ न्यूट्रिशन अधिक होता है।

## एक्सप्रेस विशेष

# विकास की नई राह पर मध्य प्रदेश

ऋतुपर्ण दवे

**कागज उद्योग की और भी संभावनाओं के साथ यहां पर खनिज प्रसंस्करण, गैस आधारित उद्योग और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश की भी अपार संभावनाएं हैं। निश्चित रूप से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सोच उनकी दूरदर्शिता है।**

**ग्रामीणों से न केवल संवाद किया बल्कि खाट पर बैठ कर देशी पत्तल में जनजातीय क्षेत्र के श्रीअन्न कोदो भात, कुटकी की खीर और दूसरे देशी व्यंजन खाए थे। आज शहडोल अपने नए रूप-रंग के साथ बांहे फैला कर सभी के स्वागत के लिए तैयार है तो लालपुर को इंतजार है कि शहडोल के विकास को हवाई जहाज के पंखों से गति मिले ताकि देश-विदेश के लोग सीधे शहडोल पहुंच सकें।**

**हर** कहीं विकास की संभावना होती है। मध्य प्रदेश में भी अपार संभावनाएं हैं। संसाधनों व प्राकृतिक वरदान के चलते शहडोल में तो और भी ज्यादा है। जनजातीय बहुल इस क्षेत्र में खनिज तथा दूसरे प्राकृतिक संसाधन भरपूर हैं। जहां एक ओर कोयले का अकूत भण्डार है तो संभाग में तीन अलग-अलग क्षेत्रों में बड़े बिजली उत्पादन केन्द्र हैं। अमरकण्टक थर्मल पॉवर प्लाण्ट, चचाई, संजय गांधी ताप विद्युत केन्द्र बिरसिंहपुर पाली तो जैतहरी में मोजर बेयर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जिसे अब हिंदुस्तान पावर प्रोजेक्ट्स के नाम से जाना जाता है। शहडोल से करीब सिंगरौली भी वह जगह है जहां कोयला और बिजली दोनों का उत्पादन होता है। कहने का तात्पर्य यह कि विन्ध्य में यदि सबसे ज्यादा विकास की संभावनाएं कहीं हैं तो वह है शहडोल। कभी शहडोल का अकेला जिला आज संभाग में तब्दील होकर अपने पुराने स्वरूप को नए नाम से पा तो चुका है। बावजूद इसके अपने महत्व और उपलब्धियों को लेकर नए नाम और पहचान के लिए संघर्षरत है। यह सच है कि भाजपा शासन के दौरान शहडोल को उसकी प्राकृतिक उपलब्धियों और प्रचुरता के चलते नया आयाम मिला। आज रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को लेकर शहडोल देश-विदेश को अपनी ओर इन्हीं खूबियों के चलते आकर्षित कर रहा है। 16 जनवरी को हो रहे रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के लिए अब तक 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव सरकार को मिल चुके हैं। इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इसको लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा है कि उद्योग लगाने के लिए जो निवेशक मध्य प्रदेश आ रहे हैं उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होने देंगे। निवेशकों की सुविधा के लिए हर जिले में इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर प्रारंभ किए गए हैं। जिला कलेक्टरों को इनका नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस प्रोत्साहित करने वाली नीतियां बनाई गई हैं। इसमें मध्य प्रदेश देश में चौथे स्थान पर है। जहां तक शहडोल में उद्योग की संभावनाओं की बात है, यहां एक ओर जहां कोयले की प्रचुरता है तो दूसरी बड़े-बड़े पॉवर प्रोजेक्ट हैं। इसके अलावा रिलायंस का सीबीएम प्रोजेक्ट पहले ही शहडोल को देश में अलग मुकाम दिला चुका है। जमीन की भी कोई कमी नहीं है। शहडोल के अलावा बेहद करीब कोलफील्ड और ऊर्जा के हब के रूप में सिंगरौली है जो किसी तोहफे जैसा है। निश्चित रूप से किसी भी उद्योग के लिए ऊर्जा और जगह की खासियत अहम होती है। दोनों मामलों में शहडोल सौभाग्यशाली है। इतना ही नहीं, कभी यहां एशिया का दूसरा सबसे बड़ा कागज कारखाना, ओरियन्ट पेपर मिल बनी जो आज भी पूरी गति से संचालित है। कागज उद्योग की और भी संभावनाओं के साथ यहां पर खनिज प्रसंस्करण, गैस आधारित उद्योग और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश की भी अपार संभावनाएं हैं। निश्चित रूप से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सोच उनकी दूरदर्शिता है जो उन्होंने प्रदेश के इस दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित आखिरी संभाग की खूबी को न केवल पहचाना बल्कि मूर्त रूप देने का प्रयास किया। शहडोल को विकास की गति देने में उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की भी महती भूमिका है। निश्चित रूप से मध्य प्रदेश का यह 7वां रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव बेमिसाल होगा। बस एक कसक प्रकृति के अकूत वरदानों से भरे जनजातीय, आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व के इलाके की रह गई है कि काश संभाग का नाम नर्मदा संभाग होता और अनूपपुर जिले का नाम मां नर्मदा के नाम रेवाखंड जिला तथा उमरिया का नाम विश्व प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान बांधवगढ़ के नाम होता तो यह सोने में सुहागा जैसा होता। विश्वास है कि देर-सबेर यह भी होगा। शहडोल की उपलब्धियों को गिनें तो यहां से देश की उस नदी 'नर्मदा' का उद्गम है जिसके दर्शन मात्र से पुण्य प्राप्त होता है। वहीं, सोन का भी उद्गम यहीं से होता है। अमरकण्टक शहडोल के पर्यटन उद्योग को चार चांद लगाने के लिए अलग धार्मिक, आध्यात्मिक केन्द्र जैसी पहचान रखता है। इस पवित्र नगरी के कायाकल्प के लिए राज्य सरकार पुरजोर कार्य कर रही है। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ेगा बल्कि मध्य प्रदेश के इस अनूठे प्राकृतिक स्थल को लोग बार-बार देखने आते हैं और आते रहेंगे। विश्वविख्यात नर्मदा और सोन का उद्गम अमरकण्टक का वैसे भी अलग स्थान है। जहां अमरकण्टक से निकली नर्मदा गुजरात के लिए वरदान कहलाती है तो सोन बिहार के लिए लाइफ लाइन से कम नहीं है। अमरकण्टक की मेकल, विन्ध्य और सतपुड़ा पहाड़ियों की सुन्दरता और दर्जनों बल्कि सैकड़ों ऐसे स्थान हैं जहां प्राकृतिक हरियाली, कीमती जड़ी-बूटियां, प्राचीन तप स्थलियां और पहाड़ों की सुन्दरता देखते बनती है।

# तक्षशिला गुरुकुल में आयोजित हुआ मिट्टी एवं जल-समर्पण कार्यक्रम

- राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट राहुल तिवारी ने प्रधान पुरोहित की भूमिका निभाते हुए वैदिक मंत्रों के साथ विधिवत पूजन एवं अर्चन कराया संपन्न

जन एक्सप्रेस । सुनहरा

**लखीमपुर खीरी।** गुरुवार को पिंगल संवत्सर 2081 के माघ माह के कृष्ण पक्ष की द्वितीया को पुष्य नक्षत्र एवं प्रीति योग के संयोग में निर्माणाधीन तक्षशिला विश्वविद्यापीठ गुरुकुल में मिट्टी एवं जल-समर्पण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में सिंगापुर से आए हुए प्रोजेक्ट तक्षशिला के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनीष माहेश्वरी ने गुरुकुल की भूमि को, देश-विदेश की 151 से अधिक पवित्र नदियों, महासागरों, जलाशयों एवं झीलों का जल एवं 251 से अधिक पवित्र स्थानों की मिट्टी समर्पित कर ईश्वर से समृद्धि एवं कुशलता की कामना की।तक्षशिला विश्वविद्यापीठ की निर्माणाधीन प्रक्रिया के मध्य उसको समर्पित की गई यह मिट्टी, तक्षशिला परियोजना से जुड़े हुए स्वयंसेवकों के अथक परिश्रम के द्वारा लगभग पिछले डेढ़ दशक से देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से संग्रहित की गई।इस मिट्टी में अंग, मगध, काशी, कोसल, वज्जि, मल्ल, चेदि, वत्स, कुरु, पांचाल, मत्स्य, शूरसेन, अस्मक, अवन्ति, गांधार एवं कंबोज नामक आर्यावर्त के सभी पुरातन 16 महाजनपदों से संग्रहित की गई मिट्टी तो सम्मिलित थी ही, साथ ही इसमें हिंदू धर्म में अति महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले सभी 12 ज्योतिर्लिंगों, 51 शक्तिपीठों, 7 पुरियों और 4 धामों से लाई गई पवित्र मिट्टी भी सम्मिलित थी। प्रसन्नता की बात यह है कि टीम तक्षशिला, पश्चिमी हिंदुस्तान स्थित हिंगलाज पीठ, शारदा पीठ, पूर्वी हिंदुस्तान स्थित ढाकेश्वरी पीठ एवं कैलास अविमुक्त क्षेत्र (त्रिविष्टप) तक से वहां की पवित्र मिट्टी लाने में सफल रही। इसके साथ ही टीम तक्षशिला के द्वारा सनातन शौर्य एवं हिन्दू विद्या केंद्रों के प्रतीकों- कुरुक्षेत्र, हल्दीघाटी, तक्षशिला, विक्रमशिला, नालंदा, पाटलिपुत्र, सिंहगढ़, रायगढ़, नादेड़, फतेहगढ़, सारागढ़ी, चमकौर, सारंगपुर, नागौर, मालवा, जुझार, अहमदनगर, पुणे, सूरत, पुरंदर, कोहिमा पास, शहीद व स्वराज द्वीप समूह, हाइफ़ा व जेरुसलम (इज़रायल) एवं ऑरडोस (पूर्ववर्ती मंगोलिया) जैसे अनेक पवित्र स्थानों की मिट्टी को भी संग्रहित किया गया।इसके अतिरिक्त गुरुकुल को समर्पित किए गए पवित्र जल में प्रयागराज के संगम से माँ गंगा, यमुना व सरस्वती सहित सभी पंच प्रयागों के पवित्र जल को लाया गया था।टीम तक्षशिला ने बागमती, ब्रह्मपुत्र, सरयू, सिंधु, शतद्रु, विपाशा, असिक्नी, परुष्णी, वितस्ता, महाकाली, कावेरी, गोदावरी, चंबल, नील (मिस्र), दज़ला-फ़रात (मेसोपोटामिया), जॉर्डन (इज़रायल), कैलास मानसरोवर (त्रिविष्टप) हिंगोल (बलूचिस्तान), पुष्कर एवं नैमिषारण्य जैसी अनेक पवित्र जल-निधियों का जल भी अपने अथक प्रयासों से संग्रहित किया था।उपरोक्त मिट्टी एवं जल-समर्पण कार्यक्रम का संयोजन एवं आयोजन तक्षशिला विश्वविद्यापीठ के कुलाधिपति आचार्य श्रीवृत्त के दिशानिर्देशन में किया गया। तक्षशिला परियोजना के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष माहेश्वरी की अध्यक्षता एवं सरदार बाबा सिंह की उपाध्यक्षता में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में परियोजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट राहुल तिवारी ने प्रधान पुरोहित की भूमिका निभाते हुए वैदिक मंत्रों के साथ विधिवत पूजन एवं अर्चन संपन्न करवाया। तक्षशिला निर्माण कार्यकारिणी के अध्यक्ष इं0 रवि सिंह एवं विनय भक्ष क्रमशः कार्यक्रम के मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की व्यवस्था का प्रबंधन रिंकू सिंह एवं शुभम चौरसिया के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में कुलगुरु मोहन धवन ने सभी आमंत्रित पदाधिकारियों एवं आगंतुकों को धन्यवाद एवं आभार प्रेषित करते हुए कार्यक्रम को संपन्न किया।ज्ञात हो कि हिंगलाज मानव सेवा संस्थान न्यास की तक्षशिला परियोजना के अंतर्गत संचालित किए जाने वाले उपरोक्त गुरुकुल में समाज के सभी वर्गों के योग्य छात्रों को निःशुल्क आधुनिक आवासीय शिक्षा प्रदान की जाती है। इसके अलावा गुरुकुल छात्रों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की पूर्व-तैयारी करवाता है एवं उनकी आत्मिक एवं आध्यात्मिक चेतना के उन्नयन व विकास के लिए योग एवं वैदिक शिक्षा पर आधारित विभिन्न पाठ्यक्रम एवं सत्र भी संचालित करता है। न्यास द्वारा संचालित की जा रही इस तक्षशिला परियोजना के अंतर्गत 4 वर्ष से लेकर 7 वर्ष तक की आयु के बालक प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे बालक जिनके माता अथवा पिता में से कोई एक अथवा दोनों नहीं हैं अथवा जो आर्थिक रूप से अक्षम परिवारों से संबंध रखते हैं, तक्षशिला गुरुकुल उन्हें अपने यहां प्राथमिकता से प्रवेश प्रदान करता है।

## हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया जश्ने मौला अली अलैहिस्सलाम, जुलूस निकाला गया

जन एक्सप्रेस । मोहम्मदी खीरी

अमीर उल मोमिनीन मौला अली अलैहिस्सलाम का यौमे विलादत, सारी दुनिया में इंतिहाई धूम धाम के साथ मनाया जा रहा है, देश भर में सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा जश्ने विलादत अमीर उल मोमिनीन मौला अली अलैहिस्सलाम मनाया जा रहा है, लखीमपुर खीरी के कस्बा मोहम्मदी में सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन राष्ट्रीय संगठन सचिव सूफ़ी कमरुल हसन कादरी की सरपरस्ती में, सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा जश्ने मौला अली अलैहिस्सलाम मनाया गया, इस मौके पर जुलूस निकाला गया जिसमें सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन के पदाधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही, इस मौके पर सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन राष्ट्रीय संगठन सचिव सूफ़ी कमरुल हसन कादरी ने, लोगों से मौला अली अलैहिस्सलाम की तालीम पर चलते हुए,अमन चैन के साथ रहने की बात की,जुलूसे मौला अली शेरे खुदा हैदर ए कर्रार कस्बा मोहम्मदी में इंतिहाई उल्लास के साथ निकाला गया, जिसमें साथ में झंडा और मुराद अल्लाह शहर रहमतुल्लाह अलैह की चादर पेश की गई, और सैयद साहब रहमतुल्ला की दरगाह पर चादर पेश की गई, जिसमें सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन लखीमपुर खीरी के जिला अध्यक्ष शरीफ वाहिदी साहब, जिला प्रभारी इरफान अली, ग्राम पंचायत हरिहरपुर के सूफी नबीउल्लाह वाहिदी साहब, सूफी हमीद वाहिदी साहब, सूफी इदरीश वाहिदी, मुस्तफा वाहिदी, मंडल अध्यक्ष सूफी इलियास अली वाहिदी, मंडल सचिव मीडिया प्रभारी सहवाज अली लियाकत अली उर्फ मुन्ना पत्रकार, सूफी मजीद वाहिदी इब्न अली, सूफ़ी मोहम्मद परवेज वाहिदी, अजीम वाहिदी, मोहम्मद शकील, मोहम्मद ओवैस, वारिस अली सलमानी, मुनीश अली सलमानी, राजन अली सलमानी, मोहम्मद सलमान, मोहम्मद उस्मान अली, तहसील अध्यक्ष तौसीफ अली जाकिरी, शान ए अली जाकिरी बदीउद्दीन जाकिरी, हैदर अली जकरी हिमा खान नसीब अली, हुमायूंअज़ीम परवेज़ और उनकी टीम के लोग मौजूद रहे।

## ड्रग इंस्पेक्टर एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने की छापेमारी

जन एक्सप्रेस । बहराइच

आबकारी विभाग एवं ड्रग इंस्पेक्टर बहराइच विनय कृष्णा यादव की संयुक्त टीम ने नेपाल के सरहदी इलाकों में नारकोटिक्स ड्रग के खिलाफ सघन छापेमारी की गई नेपाल के सरहदी इलाकों में नशीली दवाओं की बिक्री की रोकथाम के लिए ड्रग इंस्पेक्टर एवं आबकारी विभाग ने दर्जनों से अधिक मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की एवं कई मेडिकल स्टोर से सैंपल एकत्रित किए। जिन्हें लैब टेस्ट के लिए भेज दिया गया है। जिलाधिकारी बहराइच मोनिका रानी के दिशा निर्देशानुसार जिले में नशीली दवाओं की बिक्री की रोकथाम के लिए कड़ाई से अनुपालन के संबंध में पूरे जिले में छापेमारी की जा रही है। इस दौरान अगर कोई भी मेडिकल स्टोर वाला या कोई भी नशीली दवा बेचने के सिलसिले में पकड़ा गया तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर नारकोटिक्स एक्ट के तहत सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

# उप्र राज्य महिला आयोग की सदस्या ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया

जन एक्सप्रेस । राजीव दिवाकर

**सीतापुर।** उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या डा. प्रियंका मौर्य ने आज गुरूवार को जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं एवं आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिये। मा सदस्या ने महिला वार्ड, औषधीय भण्डारण कक्ष, इमरजेंसी वार्ड, ब्लड बैंक आदि वार्डों का निरीक्षण किया। महिला वार्ड में महिलाओं से वार्ता करते हुये मुहैय्या करायी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में पूछा तथा औषधीय भण्डारण कक्ष में स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन करते हुये दवाओं की उपलब्धता एवं एक्पायरी होने वाली दवाओं की जानकारी लेते हुये निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को सभी दवाएं चिकित्सालय से ही उपलब्ध करायी जायें, किसी मरीज को बाहर की दवा न लिखी जाये। मरीज के परिजन से बात की, उसके मरीज का हाल जाना। परिजन ने शिकायत की कि मरीज के लिये मुझे बाहर से दवा लिखी गयी है, उस पर मा सदस्या ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये संबंधित को निर्देश दिये कि मा0 मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में किसी भी मरीज को बाहर से दवा न लिखी जाये तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं चिकित्सालय में ही उपलब्ध करायी जायें। कुष्ठ रोग विभाग में कार्यरत एसके शुक्ला, एनएमए द्वारा मरीजों को बाहर से दवा लिखे जाने पर मा सदस्या के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने उसका संज्ञान लेते हुये कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने मरीजों से वार्ता करते हुये आश्वासन दिया कि जिला चिकित्सालय में मरीजों को सभी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जायेंगी तथा किसी को भी बाहर से दवा लाने की आवश्यकता नही है। ब्लड बैंक के निरीक्षण के दौरान मा सदस्या ने मशीनों की जानकारी लेते हुये मशीनों की कार्यप्रणाली को भी समझा। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि जो भी मरीज आते हैं उनको बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जायें, किसी को भी बाहर से दवा लेने के लिये चिकित्सक न लिखें और पर्याप्त मात्रा में दवाओं की उपलब्धता बनाये रखें, जिन दवाओं की कमी रहती है, उसकी उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाये।

इसके उपरान्त मा सदस्या द्वारा ब्लॉक बिसवां के भगवानपुर माफी आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंचकर महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्रशासन किया एवं महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य सुधार के संबंध में संचालित कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर लागू किये जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश सर्वसंबंधित को प्रदान किये।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मानपुर में बच्चों से वार्ता करते हुये उनकी समस्याओं को सुना एवं उनके साथ जुम्बा फिटनेस कार्यक्रम में प्रतिभाग भी किया, जिससे बच्चे अतिप्रसन्न हुये। मा सदस्या महोदया ने निर्देश दिये कि बालिकाओं की शिक्षा एवं आवासीय प्रबंध मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किये जायें।

शैक्षिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से सर्वांगीण विकास किया जाये।

## गैस सिलेंडर लीकेज से मकान में रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट

जन एक्सप्रेस । बहराइच। शहर के छावनी चौराहा स्थित एक मकान के रसोईघर में गैस सिलेंडर से गैस लीक होने से विस्फोट हो गया। जिसके चलते मकान का कई हिस्सा धराशाई हो गया। धमाके की चपेट में आकर महिला झुलसकर घायल हो गई। शहर के छावनी चौराहे पर बाला जी गुप्ता पुत्र मुरलीधर दोना पत्तल की दुकान का संचालन करते हैं। मकान के निचले फ्लोर में दुकान और ऊपरी हिस्से में परिवार के लोगों का निवास है। गुरुवार की सुबह छह बजे अज्ञात कारणों से मकान के किचन में रखे सिलेंडर में गैस लीकेज के चलते विस्फोट हो गया। जिसके चलते घर में आग लग गई। धमाके से रसोई घर कई जगह से टूट गया। जबकि रेलिंग टूट गई है। आग की चपेट में आकर बाला जी गुप्ता की बहू शालू गुप्ता समान निकालने के चक्कर में झुलस गई। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। जिला अग्निशमन अधिकारी विशाल रामानुज गौड़ ने बताया कि खिड़की खुली होने से बड़ा हादसा टल गया। वरना बड़ी घटना हो सकती थी।

# महिलाओं के स्वावलम्बन का आधार बनेगा सबला ऐप

- जिलाधिकारी ने किया सबला ऐप का शुभारम्भ, ऐप के माध्यम से पंजीकृत लाभार्थी महिलाओं को प्रशिक्षण के लिए वितरित किए चयन पत्र

जन एक्सप्रेस । बहराइच

कलेक्ट्रेट सभगार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने आकांक्षी जनपद की महिलाओं के स्वावलम्बन एवं सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से तैयार किये गये सबला लाभार्थी प्रबन्धन प्रणाली ''सबला ऐप'' का शुभारम्भ किया। इसी अवसर पर डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र के साथ ऐप के माध्यम से पंजीकृत लाभार्थियों को प्रशिक्षण हेतु चयन पत्र, टीकाकरण प्रमाण-पत्र, विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकरण इत्यादि से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र का वितरण किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डीएम ने बताया कि ''सबला'' ऐप का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण, वित्तीय स्वतंत्रता तथा उद्यमिता विकास के लिए विभिन्न स्तर पर पाठ्यक्रम के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें कौशल विकास के क्षेत्र में दक्ष बनाना है। सबला ऐप विशेष रूप से महिलाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई है। यह ऐप इच्छुक महिलाओं को प्रशिक्षण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने, रोज़गार के लिए विभिन्न बैंकों से ऋण प्राप्त करने के साथ-साथ शिक्षा से वंचित बच्चों को स्कूल/आंगनबाडी केन्द्रों में दाखिला दिलाने के साथ-साथ टीकाकरण की सुविधा भी प्रदान करेगा। एक प्रकार से सबला ऐप निर्बल महिला को सबला बनाने का न सिर्फ मार्ग दिखायेगा बल्कि उनका मार्गदर्शन भी करेगा।

डीएम ने बताया कि सबला ऐप की विशेषता होगी कि एक बार आवेदन करने के पश्चात यह आवेदन सबला ऐप पर दर्ज हो जायेगा। जिसकी स्थिति को आवेदनकर्ता महिलाएं स्वयं देख भी सकेंगी। महिला द्वारा किये गये आवेदन में यदि रोज़गार हेतु प्रशिक्षण की मांग की गई तो उक्त आवेदन सीधे आर-सेटी की लॉग इन में उपलब्ध होगा जहां से प्रशिक्षार्थियों का बैच गठित कर सम्बन्धित ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। यदि आवेदनकर्ता ने अपने आवेदन-पत्र में बैंक से लोन (वित्तीय सहायता) के लिए निवेदन किया है तो आवेदन पत्र सम्बन्धित बैंक को भेज कर आवेदनकर्ता को ऋण दिलाये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

इसी प्रकार यदि आवेदनकर्ता महिला द्वारा अपने आवेदन-पत्र में इस बात का उल्लेख किया गया है कि उसके 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों का टीकाकरण नहीं हुआ है तो आवेदन सीधे मुख्य चिकित्साधिकारी के लॉग इन में उपलब्ध होगा जहां से उन बच्चों के टीकाकरण की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। आवेदनकर्ता महिला द्वारा यदि इस बात का उल्लेख किया गया है कि उसका 06 वर्ष का बच्चा है और स्कूल में पंजीकरण नहीं है तो आवेदन सीधे बेसिक शिक्षा अधिकारी की लॉग इन में उपलब्ध होगा। जहां से बच्चों का स्कूल में पंजीकरण कराने की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। आवेदनकर्ता महिला द्वारा यदि इस बात का उल्लेख किया गया है कि उसका 06 वर्ष से कम आयु का बच्चा है और स्कूल में पंजीकरण नहीं है तो आवेदन सीधे बाल विकास विभाग की लॉग इन में उपलब्ध होगा। जहां से बच्चों का आंगनबाड़ी केन्द्र में पंजीकरण कराने की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी।

डीएम ने कहा कि सबला प्लेटफार्म महिलाओं के उत्थान एवं प्रेरणा के लिए बनाया गया है। सबला विशेष रूप से महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया अभिनव मंच है जो विभिन्न कंपनियों से शैक्षिक संसाधन और कई बैंकों से वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसका प्राथमिक लक्ष्य व्यवसाय और व्यक्तिगत विकास का समर्थन करने के लिए उद्योग, प्रासंगिक शिक्षा और वित्तीय संसाधनों तक पहुंच प्रदान करके महिलाओं की आत्मनिर्भरता और कौशल विकास को बढ़ावा देना है। यह ऐप व्यक्तिगत लक्ष्यों के आधार पर अनुकूलित शिक्षण ट्रैक प्रदान करता है, चाहे व्यवसाय शुरू करना हो, रोजगार प्राप्त करना हो या किसी मौजूदा उद्यम का विस्तार करना हो। सबला ऐप की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि, यह पूरी तरह से निःशुल्क है और कोई भी महिला गूगल ऐप के माध्यम से डाउनलोड कर सकती हैं।

कार्यक्रम का संचालन जिला सूचना विज्ञान अधिकारी योगेश यादव ने किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल सिंह, जिला विकास अधिकारी राज कुमार, चिकित्साधिकारी डॉ. पीयूष नायक, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सुमित तिवारी, आईसीआईसीआई बैंक डीजीएम पुनीत गोयल, एजीएम विवेक सिन्हा, जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी, एल.डी.एम. जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, आबकारी अधिकारी सुधांशु सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकपूर, डीएचईआईओ बृजेश कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

# बेलरायां रेंज से निकलकर लुधौरी रेंज पहुंची बाघिन

जन एक्सप्रेस । सिगाही खीरी

सिंगाही- सिन्हौना रोड पर देखी जाने वाली बाघिन दुधवा नेशनल पार्क के बफर जोन की रेंज लुधौरी के फरदहिया के बरमबाबा स्थान पर पहुंच गयी है। लगातार दो दिनों से बाघ का पीछा कर रहे रेजर भूपेंद्र चौधरी दरोगा राकेश कुमार, जगमोहन मिश्रा लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं। दुधवा नेशनल पार्क की बफर जोन की रेंज बेलराया के सिगाही सिन्हौना रोड पर बाघ के देखे जाने पर लोगो मे हडकंप मच गया था। रोड पर चलने वाले रहगीरों, खेतों पर काम करने वाले किसानो मजदूरो मे दहशत थी लोगो ने खेत पर काम करना बंद कर दिया था। गन्ने के खेत के पास बाघिन देखे जाने की सूचना पाकर वन विभाग बेलरायां की टीम भूपेंद्र सिंह चौधरी वन दरोगा राकेश कुमार जगमोहन लाल मिश्रा अपनी टीम के साथ बाघिन की निगरानी कर पेट्रोलिंग कर रहे थे। बाघिन आज गुरुवार को लुधौरी रेंज मे पहुंच गयीहै और फरदहिया के बरम बाबा देवस्थान पर देखी गई है वन दरोगा जगमोहन मिश्रा व राकेश कुमार ने बताया कि दुधवा नेशनल पार्क की बाघिन लुधौरी रेंज में पहुंच गई है। रास्ते पर निकलने वाले रहगीर व खेतों में काम करने वाले किसान मजदूर अपने खेतों में काम करते समय सावधानी रख कर कम करें। तथा सडक पर समूह बनाकर चले। लुधौरी रेंजर गजेंद्र सिंह ने बताया कि बाघिन की निगरानी के लिए वन विभाग की टीम लगाई गई है वह बाघिन की निगरानी कर रही है।

# पूर्व प्रधान पति के घर से एक ट्रांसफार्मर और दो पोल बरामद, विजलेंस टीम कर रही है लीपापोती

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

सीतापुर विजलेंस टीम प्रभारी सीतापुर के द्वारा पावर हाउस मिश्रिख क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत बानपुर के मजरा मढ़िया में विजलेंस टीम द्वारा छापा मारा गया जिसमें पूर्व प्रधानपति के घर में एक ट्रांसफार्मर व दो विद्युत पोल विजलेंस टीम को मौके पर मिले। जिसका वीडियो बनाया गया और विजलेंस टीम के द्वारा पूछने पर पूर्व प्रधान पति कोई सटीक उत्तर न दे सके। विजलेंस टीम के द्वारा जाँच करने पर पाया गया कि ट्रांसफॉर्मर 2016 का है जब हमारी टीम के द्वारा विजलेंस प्रभारी सीतापुर से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि ट्रांसफॉर्मर व दो विद्युत पोल बरामद हुए हैं। जिसको किसी अधिशासी अभियंता के द्वारा रखवाया गया है जिसकी पुष्टि पूर्व प्रधान के द्वारा नही की गई और न ही विजलेंस टीम को इसकी जानकारी है। नाम न छापने की शर्त पर गाँव के ही एक व्यक्ति ने बताया कि मामले को आपस में बैठकर रफादफा कर लिया गया है। विजलेंस प्रभारी के द्वारा गोलमोल जवाब दिया जा रहा है। टीम के द्वारा वार्ता करने पर सटीक उत्तर न देकर विजलेंस अधिशाषी अभियंता से वार्ता करायी गयी, जिन्होंने बताया कि इतना पुराना ट्रांसफार्मर घर से बरामद होना अपराध है। जांचकर उचित कार्यवाही की जाएगी। मुकदमा लिखवाना मेरे वश में नही है। विजलेंस टीम प्रभारी के द्वारा बार बार पूर्व प्रधान पति को निर्दोष साबित किया जा रहा है सोचने वाली बात यह है कि 2016 से अब तक ट्रांसफॉर्मर को कोषागार में क्यों नही जमा कराया गया, सरकारी सम्पत्ति का किसी के घर से बरामद होना कितना उचित है, अब देखना यह है कि विद्युत विभाग टीम किस प्रकार लीपा पोती करके पूर्व प्रधान पति को बचा पाती है। जबकि मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में है।

## बिजली निजीकरण के खिलाफ गुस्साये बिजली संविधा कर्मियों ने जोर शोर से किया धरना प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । बिजुआ खीरी। ब्लॉक बिजुआ क्षेत्र के गांव मूड़ा सवारान पॉवर हाउस पर मध्यांचल विजली विभाग के निजीकरण के लिए सलाहकार नियुक्त करने का टेंडर प्रकाशित होने के बाद विजली संविधा कर्मचारियो में गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। विजली विभाग द्वार छटनी का अजीबो गरीब नजरिया अपनाया गया जिसमें पुराने संविदाकर्मियों को कार्य से किया जा रहा बाहर गोला जेई ने बताया कि पुरानी कंपनी का टेंडर 31 दिसम्बर को समाप्त हो गया अब नया टेंडर वर्डक्लास कंपनी के नाम से आया हैं जिसके द्वारा हमारे जो पुराने संविदाकर्मियों को बाहर किया गया है ये बहुत ही गलत है।संविदाकर्मियों के धरना प्रदर्शन में किसान नेता जिला अध्यक्ष दिलबाग सिंह संधू ने बताया कि हम अपने संविधा कर्मियों के साथ है इनको उचित न्याय दिलाने के लिए मैं इनके साथ हूं।वही क्षेत्रीय प्रधान रंजीत कुमार यादव ,प्रधान जसवीर सिंह उर्फ मिंटू प्रधान तंशीर खान विजली विभाग के कर्मचारी व ग्राम वासी इनके सहयोग में उपस्थित रहे। प्रत्येक ग्रामीण पावर हाउस और कस्बा पावर हाउस में 12,12 कर्मचारी नियुक्त थे जिसमें कई संविदा कर्मचारी बाहर किए गए कर्मचारियों ने बताया हम में से कई कर्मचारियों के घर में खुशियां और रोजमर्रा का जीवन यापन करने का एक मात्र सहारा था। मध्यांचल विजली विभाग से बाहर किए गए कर्मचारी, राम रतन, विनोद कुमार, अशोक कुमार, मोहित कुमार, आरिफ अली असलम, अरविंद कुमार मनोज कुमार, व अन्य कर्मचारी है। संविधा कर्मचारियों केआंशू छलक पड़े उन्होंने बताया कि अब हम कैसे जीवन यापन करेगे।

# सीएचसी मोतीपुर के सामने दो कार व एक बाइक जलकर राख

- नहीं पता चला आग लगने का कारण, एक सप्ताह पूर्व खरीदी थी सीएचसी अधीक्षक ने कार

जन एक्सप्रेस । बहराइच

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीपुर के सामने खड़ी एक चार पहिया वाहन में बुधवार आधी रात को आग लग गई। आग ने पास में खड़ी एक अन्य चार पहिया वाहन तथा एक बाइक को चपेट में ले लिया। देखते ही देखते सभी वाहन जल गए। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया।

मोतीपुर थाना क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीपुर/मिहीपुरवा के सामने सीएचसी अधीक्षक के आवास के बाहर खड़ी ब्रेजा सीएनजी गाड़ी में आग लग गयी। अधीक्षक डॉक्टर मनु शर्मा ने बताया की रात में लगभग 12~30 डॉक्टर रोहित व डीएचइओ जुगल किशोर चौबे ने आग के बारे में जानकारी दी। नीचे जा कर देखा तो वाहन में आग भयानक रूप से लग चुकी थी। पास में स्थित डॉ आनंद की चार पहिया वाहन सुजुकी सिआज और डॉ अरबिंद कटियार की गाड़ी क्रेटा और जुगुल किशोर चौबे की

आग में जलकर राख हुए वाहन।

गाड़ी बाइक बजाज सिटी 100 आग में जल गयी।

मौके पर पुलिस ने पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग विकराल होने के कारण कोशिश नाकाम रही। ज़ब तक दमकल की गाड़ी आती तब तक गाड़िया जल कर राख हो चुकी थीं।

अधीक्षक डॉक्टर मनु ने बताया कि उन्होंने गाड़ी ब्रेजा अभी एक सप्ताह पूर्व ही खरीदा था।

अगर सभी के नुकसान का आंकलन किया जाय तो लगभग 50 लाख का नुकसान हुआ है। फिलहाल अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

## गैस सिलेंडर में ब्लास्ट से मकान क्षतिग्रस्त, महिला झुलसी

जन एक्सप्रेस । बहराइच

शहर के छावनी चौराहा स्थित एक मकान के किचन में गैस सिलेंडर में लीकेज होने से ब्लास्ट हो गया। जिसके चलते मकान का कई हिस्सा धराशाई हो गया। ब्लास्ट की चपेट में आकर महिला झुलसकर घायल हो गई। शहर के छावनी चौराहे पर बाला जी गुप्ता पुत्र मुरलीधर दोना पत्तल की दुकान का संचालन करते हैं। मकान के नीचले फ्लोर में दुकान और ऊपरी हिस्से में परिवार के लोगों का निवास है। बृहस्पतिवार सुबह छह बजे अज्ञात कारणों से मकान के किचन में रखे सिलेंडर में गैस लीकेज के चलते ब्लास्ट हो गया। बलास्ट होने के चलते आग लग गई। जिसके चलते किचन पूरी तरह से खराब हो गया। जबकि रेलिंग टूट गई है। आग की चपेट में आकर बाला जी गुप्ता की बहू शालू गुप्ता समान निकालने के चक्कर में झुलस गई।

उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

जिला अग्निशमन अधिकारी विशाल रामानुज गौड़ ने बताया कि खिड़की खुली होने से बड़ा हादसा टल गया। वरना बड़ी घटना हो सकती थी।

# बुर्के में पहुंची पत्नी ने पति पर लगाया अवैध संबंध का आरोप

- बुर्का पहनकर रेस्टोरेंट पहुंची हिंदू महिला, पति को गैर महिला संग देख पत्नी हुई आगबबूला
- सड़क से लेकर विकास भवन तक पति-पत्नी का विवाद, वीडियो वायरल

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

महराजगंज में हैरान करने वाला मामला प्रकाश में आया है। पति की हरकतों से तंग आकर हिंदू पत्नी ने उसे बेनकाब करने के लिए बुर्का पहनकर उसके पीछे लग गई। रेस्टोरेंट में दूसरी महिला से बात करते रंगे हाथ पति को पकड़ ली और उसके साथ हाथापाई करने लगी। ये नजारा देख मौके पर स्थानीय लोगो को भीड़ जुट गई। इतना ही नहीं महिला ने पति को खींचते हुए विकास भवन तक ले गई। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार महिला ने रेस्टोरेंट में बैठे जिस शख्स से हाथापाई की वह उसका पति है। महिला को शक था कि पति का किसी और अन्य महिला से संबंध है। इसकी पुष्टि के लिए वो चोरी छिपे रेस्टोरेंट पहुंच गई। वहां उसने देखा कि पति अपनी महिला मित्र के साथ बैठा हुआ है। ये देखते ही पत्नी आगबबूला हो गई उसने पति के हरकतों को मोबाइल कैमरे में वीडियो बना ली। पत्नी ने पति का फौरन कॉलर पकड़ा और बाहर खींच लाई। मौके पर जमकर हंगामा हुआ। उधर पति की महिला मित्र नौ दो ग्यारह हो गई। वही पत्नी ने अपने पति को सड़क से दो किलोमीटर दूर विकास भवन तक ले गई, जहां एक कार्यालय में वह बाबू के पद पर तैनात है। वहां भी पति-पत्नी और वो के मामले को लेकर हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। आरोप है कि इसी ऑफिस में तैनाती के दौरान उसके दूसरी महिला से अवैध संबंध स्थापित हो गए जिसकी वजह से वह घर में आए दिन विवाद होता था। उपरोक्त घटना का वीडियो इंटरनेट के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तेजी से वायरल हो रहा है।

# अवैध मेडिकल पर पुलिस व ड्रग्स विभाग ने मारा छापा

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

शहर से लेकर गांवो तक झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। बिना डिग्री व रजिस्ट्रेशन के मेडिकल और क्लिनिक की दुकानें खुली है। कोई मेडिकल पर ही बोतल लगाने लगता है तो कोई नारकोटिक्स के कारोबार में संलिप्त है। ऐसे में ठूठीबारी कोतवाली पुलिस प्रशासन के साथ ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने क्षेत्र के बोदना गांव में अवैध रुप से चल रहे मेडिकल पर छापेमारी किया है। इस दौरान दुकान से दवाओं की खेप को कब्जे में लेकर फर्जी डॉक्टर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई।

मिली जानकारी के मुताबिक ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सभा बोदना मे गुरुवार की दोपहर बाद पुलिस प्रशासन के साथ औषधि निरीक्षक दिव्य प्रकाश मौर्य व राहुल कुमार के द्वारा बिना पंजीकृत संचालित मेडिकल स्टोर की दुकान पर छापेमारी किया है। उपरोक्त कार्रवाई में फर्जी किस्म के डॉक्टर की दुकान से भारी मात्रा में दवा बरामद हुई है। वही औषधि विभाग ने दो दवाओं का सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया गया। संयुक्त टीम के छापेमारी से अन्य मेडिकल संचालकों में हड़कंप मच गया, दुकानों का शटर बंद कर लोग फरार हो गए। इस बाबत औषधि निरीक्षक महराजगंज दिव्य प्रकाश मौर्य ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। एसओ योगेंद्र कुमार ने बताया कि बोदना गांव निवासी राजाराम सहानी द्वारा अवैध तरीके से मेडिकल स्टोर की दुकान को संचालित किया जा रहा था, जिसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

# चाइनीज लहसुन पर बुल्डोजर कार्रवाई

- कस्टम विभाग ने 820 बोरी चाइनीज लहसुन को कराया नष्ट, विदेशी लहसुन में फंगस

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

भारत नेपाल बार्डर पर कस्टम विभाग के थर्ड कंट्री के चाइनीज लहसुन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई किया है। नेपाल से इन दिनों चाइनीज लहसुन की तस्करी जोरों पर है। पिछले कुछ दिनों से चाइनीज लहसुन की बरामदगी भी हो रही है। इसी क्रम में कस्टम विभाग ने चाइनीज लहसुन को लैब से विधिवत जांच कराने के बाद तस्करी के 820 बोरी अवैध विदेशी लहसुन को जेसीबी मशीन के सहायता से नष्ट कराया है। कस्टम डीसी वैभव सिंह ने बताया विदेशी लहसुन खाने योग्य नहीं है, यह मानव शरीर के लिए हानिकारक है।

मिली जानकारी के अनुसार कस्टम विभाग ने कार्रवाई करते हुए नेपाल के रास्ते भारत लाई गई थर्ड कंट्री के 820 बोरी चाइनीज लहसुन को जेसीबी से रौंदते हुए नष्ट करने के बाद जेसीबी की मदद से जमीन की खुदाई कर डाल दिया गया। लहसुन में फंगस पाए जाने से काफी सुरक्षा व्यवस्था के साथ नष्ट करवाया है। बताया गया की चीन का सफेद लहसुन 2014 से ही भारत में प्रतिबंधित है। इसका कारण इसमें प्रयोग किए जाने वाले खतरनाक कीटनाशक और पेस्टिसाइड हैं। चीनी लहसुन की कालिया बड़े और चमकदार सफेद रंग से की जा सकती है।भारत-नेपाल की खुली सीमा होने के चलते तस्करों द्वारा इस प्रतिबंधित लहसुन को भारत के महानगरों और शहरों के बाजारों में पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मुनाफे के लालच में सीमावर्ती क्षेत्र के सक्रिय तस्कर विभिन्न तरीकों से इसकी तस्करी कर रहे हैं। हालाकि कस्टम विभाग ने विदेशी लहसुन की तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। बार्डर पर अवैध तस्करी की धंधा को रोकने के लिए कस्टम, पुलिस और एसएसबी की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क है।

# अपनी निगरानी में डाटा फीडिंग कार्य पूर्ण कराएं जिम्मेदार : डीएम

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में विकास कार्यों संबंधी विभिन्न योजनाओं की सीएम डैशबोर्ड पर प्रगति की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। जिलाधिकारी ने विकास परियोजनाओं की समीक्षा कर उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभाग अपनी योजनाओं की समीक्षा गहन रूप से करें। जिन योजनाओं में केपीआई में परिवर्तन हुआ है, उनमें जोड़े गए नवीन बिंदुओं के अनुसार योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रगति को सुधारें और डाटा फीडिंग को अधिकारी अपनी निगरानी में पूर्ण कराएं।

जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी आवेदन समय सीमा के उपरांत लंबित न रहे। उन्होंने बी0सी0डी0 और ई ग्रेड वाली परियोजनाओं में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया। कहा कि विभिन्न योजनाओं में प्राप्त आवेदनों को कदापि लंबित न रखें और समयान्तर्गत निस्तारित करें।जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को सैम-मैम बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए लक्ष्य और कार्ययोजना बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी और आरईडी को परियोजनाओं की वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए भुगतान में तेजी लाने के लिए कड़ा निर्देश दिया। उन्होंने दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना प्राप्त आवेदनों का विद्यालय स्तर पर निस्तारण हर हाल में समय सीमा के भीतर सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग सुनिश्चित करें कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन हो। विभिन्न परियोजनाओं में वित्तीय एवं भौतिक प्रगति को सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित योजनाओं व परियोजना की गहन समीक्षा करते हुए बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, डीएफओ निरंजन सुर्वे, सीएमओ डॉ श्रीकांत शुक्ला, डीसी मनरेगा करुणाकर अदीब, उपायुक्त उद्योग अभिषेक प्रियदर्शी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी शांत प्रकाश श्रीवास्तव, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी नीरज कुमार अग्रवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# हुक्का बार में नाबालिगों से दुष्कर्म के मामले में चौकी प्रभारी समेत दो निलंबित

- अनिरुद्ध ने शहर में शुरू किया था गोरखधंधा, कई बार बदल चुका है ठिकाना
- होटल मालिक, संचालक समेत पांच की गिरफ्तारी के बाद होटल सील करने की तैयारी

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर के फ्लाई इन होटल में नाबालिगों से दुष्कर्म के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। होटल को सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं असुरन चौकी प्रभारी विकास सिंह और बीट सिपाही जितेन्द्र कुमार को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार यह गिरोह युवतियों को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से फंसाता है और फिर उनका यौन शोषण करता है।

गीता वाटिका स्थित फ्लाई इन होटल में संचालित हुक्का के मालिक व संचालक समेत पांच लोगों की गिरफ्तारी के बाद भवन को सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शाहपुर पुलिस ने बिना लाइसेंस चल रहे इस हुक्का बार की रिपोर्ट डीएम और जीडीए के वीसी को भेजी है।

वहीं नाबालिगों के साथ हुक्का बार में हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना में असुरन चौकी प्रभारी विकास सिंह और बीट सिपाही जितेन्द्र कुमार की लापरवाही सामने आने पर एसएसपी ने बुधवार की देर रात दोनों को निलंबित कर दिया। शहर में अनिरुद्ध ओझा ने 2018 में पहली बार मोहद्दीपुर में हुक्का बार की शुरुआत की थी। लेकिन स्थानीय विरोध के चलते उसने पैडलेगंज और बाद में फ्लाई इन होटल को अड्डा बना लिया।

पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरोह युवतियों को इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म, खासकर इंस्टाग्राम के माध्यम से फंसाता है। पहले इन्हें दोस्ती के जाल में फंसाया जाता है और फिर शहर में बुलाकर ब्यूटी पार्लर या कोर्स के बहाने किराये पर कमरा दिलाया जाता है। गरीब परिवारों से आने वाली ये लड़कियां जल्द ही हुक्का बार की चकाचौंध में फंस जाती हैं।

यहां उन्हें पैसों का लालच देकर और गोपनीयता का आश्वासन देकर अनैतिक कामों में धकेला जाता है। शाहपुर थाने की पुलिस ने डीएम को इस पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट भेजी है। जिसमें इस बात का जिक्र है कि अवैध धंधे को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से चलाते हैं। एक बार लड़की इनके जाल में फंस जाए, तो उसे बाहर निकलने का मौका नहीं मिलता। उन्हें डर और लालच में बांधकर रखा जाता है।

रिपोर्ट मिलने के बाद जीडीए ने होटल फ्लाई इन और उसमें चल रहे हुक्का बार के भवन को सील करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। वहीं, बिना लाइसेंस के संचालन और पुलिस की भूमिका की जांच एसपी सिटी को सौंपी गई है। सूत्रों के मुताबिक, स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से इस हुक्का बार में अवैध गतिविधि चल रही थी।

पुलिस की रडार पर बड़े नाम- अनिरुद्ध ओझा के नेटवर्क के अलावा, पुलिस अब गोलघर में तीन साल पहले बंद हुए शेर सिंह के हुक्का बार और दो अन्य गिरोहों की कुंडली खंगाल रही है। शेर सिंह के हुक्का बार में भी ऐसी ही गतिविधियां होती थीं। हालांकि बार अब बंद हो चुका है, लेकिन शेर सिंह और उसके सहयोगियों की तलाश जारी है।

### पुलिस की रडार पर बड़े नाम

अनिरुद्ध ओझा के नेटवर्क के अलावा, पुलिस अब गोलघर में तीन साल पहले बंद हुए शेर सिंह के हुक्का बार और दो अन्य गिरोहों की कुंडली खंगाल रही है। शेर सिंह के हुक्का बार में भी ऐसी ही गतिविधियां होती थीं। हालांकि बार अब बंद हो चुका है, लेकिन शेर सिंह और उसके सहयोगियों की तलाश जारी है।

# रेलवे की सौगात: 50 रुपये कम हो गया इंटरसिटी के एसी चेयरकार का किराया, हट गया सुपरफास्ट चार्ज

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर-लखनऊ इंटरसिटी से लखनऊ तक का सफर सुगम होने के साथ और सस्ता हो गया है। गोरखपुर- लखनऊ इंटरसिटी ही नहीं सुपरफास्ट से एक्सप्रेस बनते ही पूर्वोत्तर रेलवे की चार ट्रेनों के किराये से सुपरफास्ट चार्ज हट गया है। इन ट्रेनों की सभी श्रेणियों का किराया 12 से 90 रुपये कम हो गया है।

एक्सप्रेस बनने के साथ ही ट्रेनों का नंबर भी बदल गया है। नए नंबर से चल रही इंटरसिटी के एसी चेयरकार का किराया भी 50 रुपये कम हो गया है। गोरखपुर से लखनऊ तक का किराया 475 की जगह अब 425 रुपये लगने लगा है। जनरल चेयरकार (टू एस) का किराया भी 132 से घटकर 120 हो गया है। इसी तरह गोरखपुर के रास्ते चलने वाली लखनऊ-पाटलीपुत्र और छपरा-मथुरा एक्सप्रेस का किराया भी कम हो गया है। पूर्वोत्तर रेलवे ने नए साल में किराये में संशोधन कर अपने यात्रियों को सौगात दी है। सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेनों को एक्सप्रेस बनाने के साथ उन्हें नए टाइम टेबल में भी शामिल कर लिया है। अब यह सभी सुपरफास्ट ट्रेनें एक्सप्रेस के रूप में चलने लगी हैं।

दरअसल, यात्रियों की मांग पर एनईआर की यह चारों सुपरफास्ट ट्रेनें स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव बढ़ने के साथ एक्सप्रेस बन गई थीं। इसके बाद भी यह ट्रेनें रेलवे की फाइलों में सुपरफास्ट के रूप में दर्ज थीं। रेलवे भी इन एक्सप्रेस ट्रेनों का किराया सुपरफास्ट का वसूल रहा था।

रेलवे का राजस्व तो बढ़ रहा था लेकिन यात्रियों को 12 से 75 रुपये अधिक किराया देना पड़ रहा था। इसको लेकर आम यात्रियों में रोष था। अधिक किराये की शिकायत रेलवे बोर्ड तक पहुंच गई थी। दैनिक जागरण ने भी यात्रियों की समस्याओं को रेखांकित करते हुए सिस्टम पर सवाल खड़ा किया था।

# बेटे की मौत का बदला लेने के लिए पुजारी को मार डाला

जन एक्सप्रेस । कुशीनगर

बरवापट्टी क्षेत्र के कपरधिक्का गांव के श्रीरामजानकी मंदिर के पुजारी फलहारी बाबा हत्याकांड का पुलिस ने बुधवार को खुलासा कर दिया। गांव के ही राजकरन महतो ने 13 जनवरी को दोस्त के साथ मिलकर पुजारी की हत्या की थी। पूछताछ में बताया कि चार साल पहले राजकरन के 14 वर्षीय बेटे नंदलाल ने पुजारी की डांट की वजह से खुदकुशी कर ली थी। इसके प्रतिशोध में राजकरन ने अपने दोस्त के साथ मिलकर फलाहारी बाबा को मार डाला।

एसपी संतोष कुमार मिश्रा के अनुसार, कपरधिक्का टोला निवासी राजकरन ने बताया कि उसके छोटे बेटे नंदलाल को रामजानकी मंदिर के पुजारी फलाहारी बाबा ने करीब नौ वर्ष की उम्र से ही अपने पास रख लिया था। नंदलाल मंदिर पर रहकर पूजा-पाठ करने लगा। चार वर्ष पहले बहन के ब्रह्मभोज शामिल होने पर नंदलाल से पुजारी नाराज हो गए और पीटकर मंदिर से भगा दिया। इससे क्षुब्ध नंदलाल ने नारायणी नरी में कूदकर जान दे दी थी।

पुलिस के अनुसार राजकरन तभी से वह बेटे की मौत का बदला लेने के लिए फलाहारी बाबा की हत्या के फिराक में था। 13 जनवरी की रात को बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के रहने वाले दोस्त मनोज शर्मा के साथ मिलकर उसने फलाहारी बाबा की सुनियोजित तरीके से सोते समय चाकू मारकर हत्या कर दी। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

# छह दिन बाद किशोरी को पुलिस ने किया बरामद

जन एक्सप्रेस । देवरिया

रामपुर कारखाना थानाक्षेत्र का युवक पिछले सप्ताह महुआडीह थानाक्षेत्र के एक किशोरी को बहला-फुसलाकार भगा ले गया। किशोरी के पिता ने आरोपी युवक पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच कर केस दर्ज कर लिया। किशोरी को बुधवार की देर शाम को बरामद कर पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। रामपुर कारखाना थानाक्षेत्र के एक गांव का युवक बगल के महुआडीह थानाक्षेत्र के एक गांव की किशोरी को अपने प्रेम के जाल में फंसा लिया। 10 जनवरी की शाम को किशोरी को मिलने के लिए घर से बाहर बुलाया और बहला-फुसलाकर वह भगा ले गया। किशोरी के पिता ने पुलिस को नामजद तहरीर देकर आरोपी युवक पर कार्रवाई की मांग की।

# यमुना की धारा से एप्रोच बचाने को तैयार कर रहे त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर बेलघाट के पास सरयू नदी की तेज धारा से एप्रोच को सुरक्षित करने के लिए सेतु निगम, त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार कर रहा है। एप्रोच के पास नदी में पहले दीवार की तरह शीट पाइल लगाई जा रही है, इसके बाद टेक्सटाइल ट्यूब लगाई जा रही है और फिर नदी की धारा को मोड़कर मुख्य धारा से जोड़ने के लिए ड्रेजर का चैनल बनाया जा रहा है।

दो से ढाई माह में यह कार्य पूरा हो जाएगा, जिसके बाद बेलघाट के कम्हरियाघाट ओवरब्रिज पास बंद किए गए एक लेन पर भी आवागमन शुरू हो जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण करा रहा उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) 198 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। पहले गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का निर्माण 31 दिसंबर, 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य था। तय समय पर निर्माण कार्य पूरा भी हो गया, जिसके बाद उद्घाटन की तैयारी भी चल रही थी। लेकिन, पिछले माह बेलघाट के कम्हरियाघाट के पास सरयू नदी की धारा मुड़ने से ओवरब्रिज के एप्रोच के नीचे की मिट्टी कटने लगी।

इससे एप्रोच मार्ग पर दरार पड़ गई। सूचना मिलते ही यूपीडा ने संबंधित लेन पर आवागमन बंद कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राधिकरण ने ओवरब्रिज बनाने की विशेषज्ञता वाले संस्थान उत्तर प्रदेश सेतु निगम से संपर्क साधा। निगम के एक विशेषज्ञ ने बीते पांच दिसंबर को मौके का निरीक्षण किया।

इसके बाद 13 दिसंबर को आइआइटी रुड़की से विशेषज्ञ बुलाए गए। निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ ने बताया कि अगर नदी की धारा मोड़ने का कार्य नहीं कराया गया तो आने वाले समय में लिंक एक्सप्रेस-वे के ओवरब्रिज के एप्रोच को खतरा हो सकता है।

सुरक्षा से समझौता नहीं करते हुए यूपीडा ने तत्काल एक बैठक बुलाई, जिसमें बैठक में नदी की धारा मोड़ने व एप्रोच को और मजबूत बनाने का निर्णय किया गया। सेतु निगम का यह जिम्मेदारी सौंपी गई। निगम ने 198 करोड़ की परियोजना तैयार की जिसे यूपीडा ने तत्काल स्वीकृति देते हुए 50 करोड़ रुपये भी जारी कर दिए।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ता है 91 किमी लंबा लिंक एक्सप्रेसवे

गोरखपुर। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सहजनवां के पास जैतपुर से शुरू होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर आजमगढ़ जिले के सालारपुर में जुड़ा है। 7283 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 91.35 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे से गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ जिले के लोग सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे।

औपचारिक रूप से इसका उद्घाटन अभी नहीं हुआ है, लेकिन आवागमन पिछले महीने से ही शुरू है। एप्रोच के नीचे की मिट्टी कट जाने के बाद कम्हरियाघाट के पास एक लेन के बंद होने के बाद दूसरे लेन से लोग आ-जा रहे थे।

बेलघाट के पास सरयू नदी की तेज धारा से एप्रोच को सुरक्षित करने के लिए सेतु निगम त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार कर रहा है।

इस प्रोजेक्ट पर यूपीडा 198 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। दो से ढाई महीने में यह कार्य पूरा हो जाएगा। नदी की धारा को मोड़कर मुख्य धारा से जोड़ने के लिए ड्रेजर का चैनल बनाया जा रहा।

# गणतंत्र दिवस आयोजन से सबंधित तैयारियों की हुई बैठक

जन एक्सप्रेस । अंबेडकरनगर

जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह कार्यक्रम के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि 25 जनवरी तक समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद्/ नगर पंचायत अपने-अपने क्षेत्र में एक एक मलिन बस्ती की सफाई तथा जिला पंचायत राज अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी प्रत्येक ब्लॉक में एक-एक गांव में सफाई सुनिश्चित कराएंगे। तथा सभी विभाग अपने कार्यालय में भी सफाई व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान प्रभात फेरी के आयोजन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक/जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया। मरीजों को फल वितरण के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया। शिक्षण संस्थानों में खेलकूद एवं साइकिल रेस सहित अन्य आयोजन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक/ जिला क्रीड़ा अधिकारी को निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक/जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाचार्य को निर्देशित किया गया कि सभी शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण तथा अभिवादन, तदोपरान्त सास्कृतिक कार्यक्रम, खेल-कूद, वाद विवाद प्रतियोगिता, का आयोजन करें। समस्त शिक्षण संस्थाओं में इस अवसर पर ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया जाये, जिसमें राष्ट्रगान जन-गण-मन का सामूहिक गायन भी सम्मिलित हो विद्यार्थियों को संक्षेप में स्वतन्त्रता संग्राम का इतिहास बताया जाये और सशस्त्र सैन्य बलों के बलिदान को नमन करते हुए देशभक्तों के जीवन के प्रेरक प्रसंग दोहराये जायें, जिससे राष्ट्रीय चेतना विकसित हो। नाटक विचार गोष्ठी तथा निबन्ध लेखन का प्रतियोगिताएँ भी यथा सम्भव आयोजित कराएं। साथ ही साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ जिला आयुर्वेद अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आयुष विभाग से बच्चों के योग प्रदर्शन का कार्यक्रम लोहिया भवन में आयोजित कराए। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी द्वारा तथा तहसीलों में उप जिलाधिकारी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता,उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहें।

# अल्ट्राटेक द्वारा नवनिर्मित सीसी रोड का जिलाधिकारी ने किया लोकार्पण

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकर नगर

जनपद के अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्टरी, टांडा इकाई द्वारा अपने सीएसआर के तहत बनाए गए ग्रामसभा विहरा एवं हुसेपुर मे नवनिर्मित सीसी रोड का लोकार्पण जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा किया गया इस दौरान कारखाना प्रमुख नागेश उपाध्याय द्वारा जिलाधिकारी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया इस दौरान अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्टरी द्वारा आस-पास के गाँव मे किये गये विभिन्न विकास कार्यों एवं सामाजिक क्षेत्रों में किये गये कार्यों की जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा किये जा रहे विकास एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की और उन्होने कहा कि इस प्रकार के कार्यों से ग्रामीणो को आगे बढ़ने में मदद मिलती है और उनका जीवन स्तर सुधरता है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी टांडा डॉ. शशिशेखर, राजमन वर्मा ग्राम प्रधान हुसेपुर, ललित सिंह सिविल इंजीनियर, अवधेश राय, मनोज शाह, समरनाथ मिश्रा, राममूरत वर्मा, केशवराम विश्वकर्मा, राहुल गुप्ता,पिंटू मिश्रा, राजेश वर्मा, हौसिला वर्मा, राधेश्याम वर्मा, चन्द्रभान वर्मा, छगेलाल वर्मा एवं सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे ग्राम प्रधान एवं दोनों गाँव के ग्रामवासियो द्वारा खुशी का इजहार व्यक्त करते हुए अल्ट्राटेक सीमेंट का आभार व्यक्त किया गया एवं उन्नति की कामना की गयी । एचआर हेड करुणा करण तिवारी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञपित करते हुए भविष्य में अल्ट्राटेक सीएसआर फंड से इस प्रकार के विकास एवं सामाजिक कार्य करते रहने का ग्राम पंचायत वासियों को आश्वासन दिया गया।

## कैंटर की स्टेयरिंग फेल पंडित दीन दयाल चौक में घुसी

जन एक्सप्रेस । आगरा

कस्बा फतेहाबाद के बाह रोड बाईपास पर रात्रि में कैंटर की स्टेयरिंग फेल अनियंत्रित होकर पंडित दीनदयाल चौक के चबूतरा में घुसी चालक चोटिल। पुलिस के मुताबिक बुधवार की रात्रि में चालक करन पुत्र सुनील निवासी इटावा केंटर को लेकर बाह की तरफ से फतेहाबाद की तरफ आ रहा था। जैसे ही कस्बा फतेहाबाद के बाह रोड बाईपास पर पहुँचा तो अचानक से केंटर की स्टेयरिंग फेल हो गई और पंडित दीनदयाल चौक के चबूतरा में घुस गई। इस दौरान पंडित दीनदयाल चौक का चबूतरा व केंटर क्षतिग्रस्त हो गया और चालक चोटिल हो गया।

# टीबी अभियान के अंतर्गत मरीजों को वितरित किया गया पोषण पोटली

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर में गुरुवार को विकासखंड गैंसड़ी क्षेत्र में 100 दिवसीय विशेष तब अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार 16 जनवरी को आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि सिर्फ खांसी ही टीबी का लक्षण नहीं है , टीबी के और भी लक्षण हो सकते हैं, जैसे दो सप्ताह से अधिक समय से खांसी आना,मुंह से खून आना, बुखार होना, सीने में दर्द होना, थकान होना, सांस लेने में तकलीफ, रात में पसीना आना, भूख न लगना और वजन का काम होना भी टीवी का लक्षण हो सकता है। इस तरह का अगर कोई लक्षण मिलता है तो उस व्यक्ति को नजदीकी प्राथमिक या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना समुचित इलाज और जांच करवानी चाहिए। 100 दिवसीय विशेष टीबी अभियान के अंतर्गत उच्च जोखिम वाली जनसंख्या जैसे 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति, पुराने टीबी की रोगी, टीबी रोगी के साथ रहने वाले व्यक्ति, डायबिटीज की बीमारी से ग्रस्त रोगी, एचआईवी ग्रस्त व्यक्ति, नशा या धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों का स्क्रीनिंग किया जा रहा है। इस दौरान जो भी लक्षण युक्त व्यक्ति पाए जाएंगे उन सभी का टीबी की जांच किया जाएगा । अगर वह टीबी की जांच में पॉजिटिव पाए जाते हैं, तो उनका मुकम्मल इलाज किया जाएगा। कार्यक्रम में टीबी के मरीजों को पोषण पोटली का भी वितरण किया गया।

# सड़क सुरक्षा माह के तहत वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

**दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों से हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने की की गई अपील**

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

सड़क सुरक्षा के नियमो के प्रति जागरुकता के लिए जिससे सड़क दुर्घटनाओ में कमी लायी जा सके, प्रदेश स्तर पर 1 जनवरी से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। जिसके तहत गुरुवार को आरटीओ द्वारा बड़गांव टोल प्लाजा पर दो पहिया वाहन चालकों को एवं पीछे बैठी सवारी को हेलमेट पहनकर वाहन संचालन हेतु जागरूक किया गया तथा चार पहिया एवं व्यवसायिक वाहन चालकों को सीट बेल्ट पहनकर के संचालन हेतु जागरूक किया गया इसके साथ ही वाहन चालकों को मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने से संभावित दुर्घटना होने से सावधान किया गया इसके साथ ही गलत दिशा में वहां का संचालन नहीं करने के लिए वाहन चालकों को जागरूक किया गया इस दौरान हेलमेट और सीट बेल्ट मोबाइल का प्रयोग रंग साइट ड्राइविंग के विरुद्ध कुल 63 वाहनों का चालान किया गया तथा 207800 ( दो लाख सात हजार आठ सौ मात्र) की शास्ति अधिरोपित की गयी।

# मनरेगा के अकुशल श्रमिकों को प्रशिक्षण देकर बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकर नगर

जनपद में महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सुनिश्चित रोजगार सृजन के दृष्टिकोण से प्रत्येक जॉबकार्ड धारक परिवार को वित्तीय वर्ष में अधिकतम 100 दिवस का रोजगार दिया जाना अनुमन्य हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 31 दिसंबर तक कुल 8898 श्रमिकों द्वारा 81 से 99 दिन कार्य किया जा चुका हैं, जिसमें से 2984 श्रमिकों द्वारा 100 दिवस का रोजगार प्राप्त किया जा चुका हैं। मनरेगा योजनान्तर्गत अकुशल श्रमिक को प्रतिदिन रू0 237 रू0 मजदूरी देय हैं। मनरेगा ग्रामीण रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उन्नयन में अत्यन्त सहायक सिद्ध हुई हैं। अपने घर के नजदीक रोजगार मिल जाने के कारण ग्रामीणों का शहरों की ओर पलायन भी काफी हद तक कम हुआ हैं। सभी खण्ड विकास अधिकारियों को जो ग्रामीण 81 से 99 दिवस की मजदूरी पूर्ण कर चुकें है, उन्हे लगातार काम पर लगा कर 100 दिवस पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

जनपद में मिशन उन्नति के अन्तर्गत 100 दिवस का रोजगार प्राप्त 18 वर्ष से 45 वर्ष के इच्छुक श्रमिकों अथवा उनके परिवार के जॉबकार्ड धारक सदस्यों के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था हैं, जिससे वह लम्बे समय तक मनरेगा पर आश्रित न रह कर अपना अन्य स्थायी रोजगार कर सके तथा जीवन स्तर में सुधार कर सके। यह प्रशिक्षण आरसेटी के माध्यम से प्रदान किया जाता हैं। यह प्रशिक्षण 10 पाठ्यक्रमों यथा पापड़, अचार, मसाला उद्योग, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, मशरूम खेती मोमबत्ती, डेयरी फार्मिंग व वर्मी कम्पोस्ट, जूट उत्पाद, फास्ट फूड, अगरबत्ती, पेपर कवर लिफाफे व फाइल बनाना, साफ्ट ट्वायज में दिये जाते है। प्रशिक्षण अवधि में श्रमिकों को अकुशल मजदूरी की दर से रू0 237 / प्रतिदिन भुगतान भी किया जाता हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 200 श्रमिकों के प्रशिक्षण का लक्ष्य निर्धारित हैं, जिनके रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया गतिमान हैं। इच्छुक श्रमिक अपने विकास खण्ड कार्यालय पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण हेतु अपना नाम सम्मिलित कर सकते हैं।

## सुभाष चंद्र बोस जयंती पर 23 जनवरी को होगा गोष्ठी का आयोजन

**जन एक्सप्रेस/बलरामपुर।** जनपद बलरामपुर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर 23 जनवरी को गायत्री शक्तिपीठ बलरामपुर के प्रांगण में शान्तिकुंज की रचनात्मक व राष्ट्र व समाज हित कार्यों में भागीदारी के उद्देश्य से सुपर 50 युवाओं की संकल्प गोष्ठी व रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जानकारी के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती 23 जनवरी को गायत्री शक्तिपीठ बलरामपुर के प्रांगण में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार से सुपर 50 युवाओं की टीम जो प्रशिक्षण होकर लौटीं है, उन युवाओं का सुपर 50 संकल्प गोष्ठी प्रातः 11:00 बजे से 1:00 बजे तक होगा। गायत्री शक्तिपीठ के वरिष्ठ ट्रस्टी व व्यवस्थापक सतीश चन्द्र मिश्रा बाबू जी ने बताया कि जिले के यह सुपर 50 युवा शान्तिकुंज द्वारा विभिन्न रचनात्मक , सामाजिक व राष्ट्र हित कार्यों में योगदान देंगे। इसी दिन युवाओं की गोष्ठी के बाद दिन 1:00 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें गायत्री परिजनों द्वारा रक्तदान करके नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी।

# व्हाट्सऐप भारत यात्रा : छोटे व्यवसायों को डिजिटल सशक्तिकरण की ओर ले जाते हुए आगरा पहुंची बस

जन एक्सप्रेस । आगरा

व्हाट्सऐप भारत यात्रा छोटे व्यवसायों और उद्यमियों को अपनी डिजिटल उपस्थिति बढ़ाने का एक रोमांचक अवसर दे रही है। यह अपने तरह की पहली कोशिश है, जिसका लक्ष्य भारत में छोटे व्यवसायों को जमीनी-स्तर का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान करना है। यह यात्रा 16 जनवरी से 22 जनवरी, 2025 तक आगरा शहर से गुजरेगी। यह पहल एक मोबाइल बस टूर के रूप में हो रही है और इसे छोटे व्यवसायों की मदद के लिये तैयार किया गया है। इसकी सहायता से वे व्हाट्सऐप की क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करते हुए अपने डिजिटल कौशल बेहतर बनाएंगे और कारोबार की तरक्की की संभावना बढ़ेगी।

मेटा इंडिया में बिजनेस मेसैजिंग के डायरेक्टर रवि गर्ग ने बताया, व्हाट्सऐप की मदद से भारत में छोटे व्यवसायों का बिजनेस होता है। अपने ग्राहकों से जुड़ने, बिक्री बढ़ाने और व्यवसाय बढ़ाने का सारा काम वे व्हाट्सऐप पर करते हैं। इस पहल को हम आगरा शहर में लाकर उत्साहित हैं। इससे स्थानीय व्यवसायों को अपनी डिजिटल उपस्थिति बनाने में मदद मिलेगी और वे अपने ग्राहकों को चैट पर बेहतरीन अनुभव दे पाएंगे। मोबाइल बस आगरा शहर के कुछ सबसे व्यस्त बाजारों, जैसे कि शाह मार्केट, सदर बाजार, संजय पैलेस मार्केट और कारगिल क्रॉसिंग मार्केट से होकर गुजरेगी। इसमें उन एसएमबी को जमीनी-स्तर का प्रशिक्षण एवं सहयोग मिलेगा, जो डिजिटल टूल्स के जरिये तरक्की करना चाहते हैं।

यह व्यावहारिक पहल आगरा में छोटे एवं मझोले व्यवसायों (एसएमबी) को व्हाट्सऐप बिजनेस ऐप की पूरी क्षमता समझने तथा इस्तेमाल करने में मदद करेगी। व्यवसायों को इंटरैक्टिव डेमोज और निजी प्रशिक्षण का फायदा मिलेगा। उन्हें अपना बिजनेस प्रोफाइल बनाने, कैटालॉग तैयार करने और ऐसा विज्ञापन बनाने में सहयोग मिलेगा, जिससे व्हाट्सऐप चैट होगी। उन्हें मजबूत उपस्थिति पाने के लिये ऐप के महत्वपूर्ण फीचर्स का फायदा उठाना भी सिखाया जाएगा। वे ग्राहकों के साथ ज्यादा असरदार तरीके से जुड़ सकेंगे, बिक्री करेंगे और उनका व्यवसाय बढ़ेगा। व्हाट्सऐप भारत यात्रा की शुरूआत 10 दिसंबर को दिल्ली एनसीआर से हुई थी। यह विभिन्न शहरों में जा चुकी है और हजारों व्यवसायों को व्हाट्सऐप बिजनेस ऐप को बेहतर तरीके से समझने में मदद कर रही है। आगरा के बाद व्हाट्सऐप भारत यात्रा कानपुर, लखनऊ, इंदौर, अहमदाबाद, सूरत, नासिक, मैसूरु और विजयवाड़ा जैसे शहरों में पहुँचेगी। यह भारत में एसएमबी को समर्थ बनाने के लिये उसके मिशन का हिस्सा है। यह पहल देशभर में छोटे व्यवसायों के डिजिटल बदलाव का समर्थन करने के लिये व्हाट्सऐप की बड़ी प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

# मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने छात्राओं को वितरित किए टैबलेट

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकर नगर

जनपद के संत द्वारिका स्नाकोत्तर महाविद्यालय कोटवा मोहम्मदपुर में गुरुवार को टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें महाविद्यालय में 55 एम.ए के छात्र छात्राएं परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके व वर्तमान सत्र में अंतिम वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर परास्नातक छात्र-छात्राओं को निशुल्क टैबलेट दिए गए। टैबलेट पाकर छात्र छात्राओं के चेहरे खिल उठे। मुख्य अतिथि सी एम एस डॉ ओमप्रकाश ने कहा कि वर्तमान सरकार युवाओं को ज्ञान के सागर से जोड़कर भारत को विश्व गुरु बनाना चाहती है। मनुष्य की सोच आवाज में बदलती है, और वह आवाज पूरे ब्रह्मांड में विद्यमान रहता है. प्रबंधक डॉ. हरीश वर्मा ने कहा कि विद्यार्थी टैबलेट का उपयोग अपने कैरियर को उच्चतम स्तर पर ले जाने के लिए करें। .समारोह का उद्घाटन मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे। प्राचार्य डॉ रोहित राम ने कहा कि छात्र डिवाइस का प्रयोग अपनी शिक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए करें। इस दौरान डॉ सोनमती, मिथिलेशपांडे , देवेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

# पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने भारत-नेपाल सीमा पर किया पैदल मार्च

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के इंडोनेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में नेपाल के सीमावर्ती थानों की पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने जनपद में शांति सुरक्षा बनाए रखने के लिए पैदल मार्च किया ।

जानकारी के अनुसार 16 जनवरी को पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में नेपाल के सीमावर्ती थानों की पुलिस के साथ एसएसबी की संयुक्त टीम ने जनपद में शान्ति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखनें हेतु इंडो नेपाल बॉर्डर पर पैदल गस्त किया । इंडो नेपाल बॉर्डर से सटे गांवों तथा बार्डर एरिया, जंगल की पगडंडियों पर निरन्तर पैदल गस्त कर संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग की गयी । नेपाल राष्ट्र की सीमा पर सतर्क दृष्टि रखने के हेतु समय-समय पर सीमा से सटे हुए गावों के ग्राम सुरक्षा समिति व सम्भ्रान्त व्यक्तियों को मादक पदार्थों की तस्करी, मानव व गौ तस्करी, अवैध कटान सहित अन्य संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के बारे मे लोगों को जागरूक किया जा रहा है । साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है, जिससे पुलिस द्वारा इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अकुंश लगाया जा सके । पुलिस टीम द्वारा एसएसबी के साथ पैदल गस्त के दौरान नेपाल सीमा से सटे गांव का भ्रमण कर जनमानस को सुरक्षा का एहसास दिलाया गया।

## बेजोड़ सुरक्षा : स्कोडा काइलैक को भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 5-स्टार रेटिंग मिली

**जन एक्सप्रेस/आगरा।** स्कोडा ऑटो इंडिया की पहली सब-4 मीटर एसयूवी, काइलैक ने भारत एनसीएपी (न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम) में प्रतिष्ठित 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग हासिल की है। काइलैक भारत एनसीएपी टेस्ट में भाग लेने वाली पहली स्कोडा गाड़ी बन गई है, जिसने कुशाक और स्लाविया द्वारा स्थापित सेफ्टी एक्सीलेंस की ब्रांड की विरासत को जारी रखा है। स्कोडा ऑटो इंडिया की दोनों 2.0 कारों ने वयस्क और बच्चों की सुरक्षा दोनों के लिए अपनी कैटेगरी में ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग हासिल की है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर पेट्र जेनेबा ने कहा, सुरक्षा स्कोडा के डीएनए में निहित है और 2008 से प्रत्येक स्कोडा कार का वैश्विक स्तर पर और भारत में 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग के साथ क्रैश-टेस्ट किया गया है। स्कोडा ऑटो, 5-स्टार सुरक्षा-रेटेड कारों के बेड़े के साथ भारत में कार सेफ्टी अभियान का नेतृत्व कर रहा है। हम ग्लोबल एनसीएपी टेस्ट के तहत वयस्कों और बच्चों के लिए पूरे 5-स्टार स्कोर करने वाले पहले ब्रांड हैं। अब हमारी बिल्कुल नई सब-4-मीटर एसयूवी काइलैक ने भारत एनसीएपी परीक्षण में अपने सेगमेंट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। काइलैक व्यापक सुरक्षा प्रणालियों के साथ आती है जिसमें मानक के रूप में छह एयरबैग सहित एक्टिव और पैसिव सेफ्टी फीचर्स की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

# रात्रि भ्रमण कर एसपी ने ड्यूटी एवं पिकेट प्वाइंटों का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार की रात्रि में क्षेत्र भ्रमण के दौरान सर्किल उतरौला के थाना श्रीदत्तगंज अंतर्गत ड्यूटी व पिकेट प्वाइंटों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

जानकारी के अनुसार 16 जनवरी की रात्रि पुलिस अधीक्षक विकास कुमार द्वारा थानों की गश्त व्यवस्था व यातायात व्यवस्था की चेकिंग के दौरान सर्किल उतरौला थाना श्रीदत्तगंज क्षेत्रान्तर्गत पुलिस एवं पीआरवी पिकेट प्वाइंटों का औचक निरीक्षण किया । उन्होंने ड्यूटी रत पुलिस कर्मियो से कार्य कुशलता की पूछताछ कर रात्रि पेट्रोलिंग के दौरान अवांछनीय गतिविधियों की रोकथाम हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

## किराए पर गाड़ी लेकर आए चार लोगों ने ड्राइवर को फेंक कर गाड़ी लेकर फरार

**आगरा।** दिल्ली से फतेहाबाद के लिए किराए पर लेकर आए टैक्सी अर्टिगा कार को चार लुटेरे लेकर भागे ड्राइवर को फतेहाबाद में छोड़ा। चालक राजेश कुमार पुत्र ओमप्रकाश सैनी निवासी सिकन्दराऊ जिला बुलंदशहर की अर्टिगा गाड़ी चार लोगों ने उवेर कंपनी से दिल्ली के सराय काले खां से फतेहाबाद के लिए बुक की थी। बीती रात चालक गाड़ी को दिल्ली से लेकर बुधवार सुबह 7-40 बजे फतेहाबाद पहुंचा और कस्बे के सारंगपुर रोड पर पहले से खड़े एक अन्य साथी को देखकर उन्होंने गाड़ी रुकवा ली और पांचो लोग ड्राइवर को गाड़ी से फेंक कर भाग गए। सूचना पर थाना फतेहाबाद पुलिस सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं चालक के द्वारा आगरा बसई स्थित सीएनजी पम्प पर गैस डलवाई। जहां घना कोहरा होने के कारण आरोपियों के चेहरे साफ दिखाई नहीं दे रहे हैं पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

# सीएमओ कार्यालय सभागार में दिया गया सर्पदंश से बचाव व नियंत्रण का प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर में गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय सर्पदंश नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा अधिकारियों स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, बीसीपीएम का प्रशिक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जानकारी के अनुसार 16 जनवरी को आयोजित प्रशिक्षण में राज्य मास्टर ट्रेनर डॉ सौरभ गुप्ता ने प्रजेंटेशन के माध्यम से सर्पदंश के बचाव व उपचार संबंधी बिंदुओं पर जानकारी देते हुए कहा कि मरीज के लक्षण व सर्पदंश की जानकारी लेकर प्रोटोकॉल अनुसार उपचार किया जाय। उन्होंने बताया कि सांप के काटने के बाद काटने की जगह पर दर्द होना, सूजन आना, फफोला आना, खून का बहना, आँखो एवं मुंह से खून आना, उल्टी एवं मल द्वारा खून आना, त्वचा का रंग बदलना, पसीना आना या लार टपकना, सिरदर्द, चक्कर या आँखों में धुंधलापन आना, सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। इस प्रकार के लक्षण होने पर प्रोटोकॉल अनुसार उपचार तुरंत किया जाना सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि सर्पदंश के मरीज का जितना शीघ्र हो सके उतना शीघ्र मरीज को नजदीकी अस्पताल ले जाना चाहिए। 100 मिनट के भीतर अस्पताल में उचित उपचार करने से मरीज की 100 प्रतिशत बचने की संभावना होती है।इसलिए सर्पदंश के मरीज को बिना समय गवाएं नजदीकी प्राथमिक या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर उपचार कराना चाहिए। उन्होंने बताया कि सभी सर्प जहरीले नहीं होते है, कुछ ही सर्प जो जहरीले होते है उनके काटने पर 50 प्रतिशत ही जहर शरीर में जाता है। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार चौधरी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, डीपीएम शिवेंद्र मणि त्रिपाठी, जिला एपिडेमोलॉजिस्ट डॉ श्याम जी श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

# दिन प्रतिदिन बढ़ रही ठंड के मद्देनज़र वरिष्ठ सपा नेता एवं समाजसेवी की जारी है समाज सेवा

- समाजसेवी मोहम्मद आरिफ लगातार गरीबों, असहायों, लाचार लोगों को वितरित कर रहे हैं कंबल

जन एक्सप्रेस । मुकेश कुमार

**पीलीभीत।** जनपद पीलीभीत में यूं तो समाजसेवी बहुत हैं। लेकिन इस समय लगातार पढ़ रही तेज तर्रार ठंड एवं सर्द हवाओं के बीच ठुठरन के मध्य नजर बरसात एवं ठंड की परवाह किए बगैर रोजाना रात के समय वरिष्ठ सपा नेता एवं समाजसेवी मोहम्मद आरिफ की कंबल वितरण की सेवा जारी हैं। इस बीच उनका कहना है कि जब तक ठंड का प्रकोप जारी रहेगा कंबल वितरण का भी प्रकोप लगातार गरीबों के प्रति जारी रहेगा, क्योंकि समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्हें दो टाइम का खाना भी नसीब नहीं होता और सड़क किनारे गरीब बस्तियों में रह रहें?। ऐसे लोगों की एक छोटी सी मदद करना अपने आप में बहुत ही सुकून महसूस होता हैं।

बताते चले की वरिष्ठ सपा नेता एवं समाजसेवी श्री आरिफ ने विगत दिवस कई मोहल्ले में जाकर कंबल वितरित किए श्री आरिफ लगातार पड़ रही ठंड से गरीब लाचार लोगों को कुड़कुड़ाती ठंड से बचने हेतु लगातार कंबल वितरण कर रहे हैं। बताते चले कि विगत देर रात लगभग सैकड़ो कंबल गरीब लोगों को कई मोहल्लों में जाकर स्वयं उन्हें ओढ़ाकर इस ठिठुरती हुई ठंड से राहत प्रदान की जनपद के कई मोहल्ले में जाकर जहां सड़क किनारे रह रहे कई दिनों से ठंड से ठिठूर रहे लोगों को कंबल वितरित कर पूर्ण मदद हेतु एक अच्छा प्रयास किया। जिस पर समाजसेवी वरिष्ठ सपा नेता मोहम्मद आरिफ को बुजुर्गों द्वारा सर पर हाथ रखकर ढेरों दुआएं दी। बही इस अवसर पर मोहम्मद आरिफ ने जानकारी देते हुए बताया कि आज भी उन जगहों पर जाया जाएगा जहां तक अभी लोगों को कंबल प्रदान नहीं किया गए हैं। लेकिन कई लोगों द्वारा सूचना मिल रही है कि कई असहाय लोग ऐसे हैं जो रोड किनारे रह रहे हैं। और उन पर ओढ़ने की कोई भी व्यवस्था नहीं हैं। ऐसे में समाजसेवी एवं वरिष्ठ सपा नेता मोहम्मद आरिफ का सराहनीय कार्य जनपद भर में प्रत्येक नागरिक हर ओर वाह-वाही कर रहा हैं। और रात के अंधेरों में श्री आरिफ लगातार गरीबों में श्री आरिफ कंबल का दान कर रहे हैं।

# शहबाजपुर गुरुद्वारा के दरबार साहिब में चोरी का प्रयास

- दो बार चोरी का प्रयास, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ नकाबपोश
- पुलिस ने मौके पर पहुंचकर की जांच, सीसीटीवी खंगाले

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

देर रात गुरुद्वारे की बाउंड्री वॉल पर चढ़कर परिसर में दाखिल हुए चोरों ने दरबार साहिब में चोरी का प्रयास किया।परिसर में घूम रहे सेवादार को देख चोर दीवार कूदकर मौके से फरार हो गए। खोजबीन के बाद भी कोई सुराग नहीं लगा। चोरों की फुटेज कैमरे में कैद हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई हैं।

घुंघचाई थाना क्षेत्र के पूरनपुर बायां मैगलगंज नेशनल हाईवे पर गांव शहबाजपुर में गुरुद्वारा स्थिति है।सेवादार बाबा लाभ सिंह ने बताया कि 14 जनवरी की रात्रि लगभग दो बजे गुरुद्वारा में संगत बैठी हुई थी। नकाबपोश चोर गुरुद्वारा की बाउंड्री वॉल पर चढ़कर परिसर में दाखिल हो गया। मुख्य द्वार के पास आहट को भांपने के बाद वापस लौट गया।कुछ देर बाद साल ओढ़े एक चोर पेड़ों की आड़ लेकर दीवार पर चढा गया। माहौल को भांपने के बाद चोर गुरुद्वारा में घुस गया।चोर ने दरबार साहिब में चोरी का प्रयास किया। परिसर में घूम रहे सेवादार ने चोर को देख लिया।जिसके बाद चोर बाउंड्री वॉल कूदकर मौके से फरार हो गए।जानकारी पर संगत एकत्र हो गई। खोजबीन करने के बाद भी चोरों का कोई सुराग नहीं लगा।चोरों की फुटैज गुरुद्वारा परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सेवादार की ओर से बुधवार सुबह मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने जांच की बात कहकर थाना से टरका दिया। सूचना के दो दिन बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। गुरुवार मौके पर पहुंची घुंघचाई पुलिस ने सेवादार से जानकारी जुटाई। चोरों की तलाश में पास पड़ोस में लगे कैमरे चेक किए। देर शाम तक पुलिस को चोरों का कोई भी सुराग नहीं मिला। एक सप्ताह पूर्व कर चोर शहबाजपुर निवासी जस्सा सिंह के घर भी चोरी का प्रयास कर चुके हैं। गुरुद्वारा सेवादार की ओर से कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी गई है।

> गुरुद्वारा के सेवादार ओर से तहरीर प्राप्त हुई है। चोर की तलाश में सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे हैं। शीघ्र ही आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।
> **दीपक कुमार, थाना प्रभारी घुंघचाई।**

# डीएम की अध्यक्षता में आधार अनुश्रवण समिति की बैठक हुई सम्पन्न

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने आधार कार्ड से जुड़ी समस्याओं को शीघ्र समाधान और नये आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया में गति लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आधार कार्ड सरकार की विभिन्न योजनाओं में अनिवार्य है, इसलिए आधार से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाये। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि 0-5 वर्ष के बच्चों के आधार नामांकन के लिए विशेष निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कॉमन सर्विस सेन्टर की 06 ब्लॉकों को किट प्राप्त हुई हैं जो पूरनपुर में संचालित कैम्प में लगाई है। उन्होंने कहा कि समस्त ब्लॉकों में एक-एक किट लगाये जाने के निर्देश दिये। बैठक में खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये ब्लॉकों में आधार कार्ड के पंजीकरण, अपडेट के सम्बन्ध में ब्लाकों में बैनर लगवाये कि यहां नये आधार कार्ड बनाये जा रहे हैं। बैठक में डीबीटी के माध्यम से विभागीय योजनाओं की अद्यतन प्रगति, लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण और आधार सीडिंग की स्थिति पर भी चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि आधार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसके माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि आधार को अपडेटेड रखना जरूरी है, ताकि योजनाओं के लाभ में कोई दिक्कत न आये। बैठक में यूआईडीएआई के नोडल अधिकारी ऐमन परवेज ने बताया कि 04 आधार किट पूरनपुर कैम्प में संचालित है, जिससे प्रतिदिन लगभग 450 लोगों के आधार अपडेट का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोटेदार ई-केवाईसी में फिंगर प्रिन्ट न पकडने पर, आईरिश का प्रयोग करकें ई-केवाईसी करा सकते हैं। यदि किसी भी व्यक्ति ई-केवाईसी नहीं हो तो राशन देने से मना न किया जाये, क्योंकि ई-केवाईसी की तिथि बड़ाकर मार्च 2025 कर दी गई है। उन्होंने कहा कि आधार बनाने व अपडेट कराने जो भी समस्या आ रही उनमें लोगों द्वारा सही आईडी प्रारूप न लाने के कारण दिक्कते उत्पन्न हो रही हैं। ऐमन परवेज ने बताया कि कुछ आधार किट शारदा लगाई जानी है। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने कहा कि उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी व जिला पंचायतराज अधिकारी के सहयोग से ग्राम प्रधानों व कोटेदारों के साथ बैठक करें और आधार कैम्प के सम्बन्ध में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराया जाये। बैठक मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, यूआईडीएआई के उप निदेशक, यूआईडीएआई के नोडल अधिकारी ऐमन परवेज, सहायक अधीक्षक प्रधान डाकघर, मैनेजर इण्डिया पोस्ट पेमेंट बैंक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, अपर संख्यिकी अधिकारी, समस्त खण्ड अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# पूर्व विधायक रामपारस रजक नाटे का निधन- क्षेत्र में शोक की लहर

जन एक्सप्रेस । अवनीश पांडेय

**जौनपुर।** शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता रामपारस रजक नाटे का गुरुवार को निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

राम पारस रजक ने 1991 में शाहगंज विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता था और विधायक के रूप में क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाई थी।

उनकी सरल और मिलनसार छवि ने उन्हें जनता के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाया। क्षेत्रीय नागरिक उन्हें स्नेहपूर्वक नाटे नाम से बुलाते थे। उनके निधन की खबर सुनते ही समर्थकों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई।

उनके निधन से शाहगंज क्षेत्र ने न केवल एक नेता, बल्कि एक मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत खो दिया है। उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा क्षेत्रवासियों की स्मृतियों में जीवित रहेंगे।

# डीएम का आदेश दरकिनार कर घाटमपुर में तैयार की जा रही साठा की पौध

- त्रिवेणी घाट के निकट तैयार हो रही पौध से प्रशासनिक अफसर बेखबर

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

प्रतिबंध के बावजूद भी किसानों ने साठा धान की रोपाई के लिए पौध तैयार करना शुरू कर दी है। घाटमपुर के त्रिवेणी घाट के निकट किसान बड़े क्षेत्रफल में पौध तैयार कर रहे हैं। हाईवे के किनारे तैयार की जा रही साठा धान की पौध से प्रशासनिक अफसर पूरी तरह अनजान बने हुए।

तराई में लगातार गिर रहे भूगर्भ जल स्तर को लेकर बुधवार जिलाधिकारी की ओर से साठा धान की रोपाई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया दिया है। आदेश के बावजूद भी किसान धान की रोपाई के लिए पौध तैयार करने में जुटे हुए हैं। घाटमपुर में गोमती नदी के त्रिवेणी घाट के पास स्थित एक खेत में साठा धान की पौध तैयार की जा रही है। यह पौध लगभग एक माह में पूरी तरह तैयार हो जाएगी।जिसके बाद इसे क्षेत्र के किसानों को बिक्री किया जाएगा।शासन व प्रशासन की तरफ से पूर्ण रूप से इसपर प्रतिबंध है।

इसके बाद भी बेखौफ होकर कुछ किसान पौध खेतों में तैयार कर धान लगाने की तैयारी कर रहे हैं। गन्ना और मटर की फसल कटाई के बाद खाली हुए खेतों में यह साठा धान लगाया जाएगा।जिससे अंधाधुंध जल दोहन की किया जाएगा।

जिलाधिकारी की ओर से आदेश जारी किसानों को साठा न लगाने को लेकर जागरूकता के निर्देश दिए गए हैं। प्रतिबंध के बावजूद भी साठा धान की रोपाई करने पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

# देर रात शौच को गई युवती से छेड़छाड़, प्राथमिकी

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

देर रात घर से बाहर शौच को गई युवती को आरोपित ने पकड़ लिया। विरोध करने पर मारपीट की। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि वह एक माह पूर्व घुंघचाई थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी अपने जीजा के घर आई हुई थी।आरोप है कि आरोपित सोमपाल युवती को परेशान करने लगा।जबरन बात करने और मिलने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

11 जनवरी को रात लगभग 11 बजे घर के बाहर बने शौचालय में शौच के लिए गई हुई थी। आरोप है कि पहले से घात लगाए बैठे युवक ने युवती को अकेला देख दबोच लिया। विरोध करने पर मारपीट की। युवती के शोर शराबा करने पर आरोपित युवक मौके से फरार हो गया।

अगले दिन युवती के जीजा ने आरोपित युवक के स्वजनों से शिकायत की।

शिकायत करने की बात से नाराज आरोपित ने युवती के जीजा के साथ भी गाली-गलौज कर मारपीट की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

# निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप करें राजस्व वसूली-जिलाधिकारी

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

गुरुवार को जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड राजस्व कार्यों एवं कर-करेत्तर की समीक्षा बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। कर करेत्तर की बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने वाणिज्यकर, स्टाम्प, परिवहन, विद्युत, सामाजिक वानिकी, टाइगर रिजर्व, बाढ़ खंड, मण्डी, खनन, बाट माप, राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के निर्धारित किये गए लक्ष्य के सापेक्ष अब तक की गई राजस्व वसूली की विभागवार समीक्षा की गई। वाणिज्य कर की समीक्षा के दौरान सम्बन्धित अधिकारी को कडे निर्देश देते हुये कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित की जाये। परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान एआरटीओ को निर्देश दिये निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की जाये। बाट माप विभाग की समीक्षा करते हुये निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली करने के निर्देश दिये। नगर विकास की समीक्षा के दौरान अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिये निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए। नगर पालिका बीसलपुर की वसूली लक्ष्य के सापेक्ष पाई, नगर पालिका पूरनपुर व पीलीभीत को वसूली बढ़ाने के निर्देश दिये। आबकारी विभाग की समीक्षा के दौरान निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति कम पाए जाने पर निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली करने के निर्देश दिये। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान विद्युत विभाग की वसूली ठीक पाई गई। मण्डी समिति की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के सापेक्ष वसूली पाई गई। स्टाम्प की समीक्षा के दौरान निर्धारित लक्ष्य सापेक्ष वसूली कम पाए जाने पर वसूली में प्रगति लाने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिये अधिक से अधिक वसूली कर रैंक में सुधार लाया जाये। इसके साथ ही उन्होंने आरसी वसूली की समीक्षा के दौरान बड़े बकाएदारों से वसूली करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये।

राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारी निर्देश दिये गये अपने यहां 06 माह, 01 वर्ष, 03 वर्ष व 05 वर्ष से अधिक समय से लम्बित पुराने वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करायें। भू-राजस्व/राजस्व संहिता के वाद अधिक समय तक लम्बित न रखा जाये तथा लम्बित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिये। बैठक में स्वामित्त योजना व रियल टाइम खतौनी की भी समीक्षा की। बैठक के दौरान समस्त उप जिलाधिकारियों को सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे एवं तालाबों को कब्जा मुक्त कराने, पारिवारिक लाभ योजना, पेंशन प्रकरण, पुराने वादों का निस्तारण करने निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया सार्वजनिक स्थलों व चकरोड से अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विरासत सम्बन्धी प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी द्वारा समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार एव नायब तहसीलदारों से राजस्व वादों की समीक्षा की गई और इस माह में लक्ष्य के सापेक्ष वादों के निस्तारण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही समस्त उप जिलाधिकारी व तहसीलदारों को निर्देश दिये अधिक से अधिक लम्बित वादों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक के दौरान डीएफओ, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), नगर मजिस्ट्रेट, समस्त उप जिलाधिकारी, एआरटीओ, अधिशासी, अभियन्ता विद्युत, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई, खनन अधिकारी, आबकारी अधिकारी, मण्डी सचिव, समस्त तहसीलदार, समस्त नायब तहसीदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# चोरी की योजना बना रहे चार गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

**शाहगंज।** कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत नटौली गांव में चोरी की योजना बना रहे चार चोरों को चोरी करने के औजारों के साथ गिरफ्तार कर संबंधित धारा में चालान भेज दिया गया।

क्षेत्र के नटौली गांव के बैरकडीह मार्ग स्थित एक ट्यूबल पर गुरुवार की भोर में चोरी की योजना बना रहे चोरों को मुखबिर की सूचना पर कोतवाली निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह व उपनिरीक्षक प्रदुम्न मणि त्रिपाठी ने हमराहियों के साथ दबिश दे कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में ताखा नाम पता बताया ताखा पूरब गांव निवासी 25 वर्षीय रोहित सेठ पुत्र भगवती सेठ, सुरिस गांव निवासी 18 वर्षीय सुंदरम तिवारी पुत्र विश्वजीत तिवारी, व कोरवलिया गांव निवासी 18 वर्षीय गणेश कुमार पुत्र बसन्त लाल, व सीमांत यादव पुत्र अनिल यादव बताया। जिनके पास से मौके पर चोरी करने के औजार एक हथौड़ी, एक पेचकस, छीनी, लोहे की राड तीन चोरी की मोबाइल बरामद हुआ। पकड़े गए चोरों पर पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने चारों के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान भेज दिया।

# सीआईबी न लगने पर फटकार, हर घर को नाली से जोड़ने का निर्देश

- डीसी मनरेगा सुशील कुमार तिवारी ने कई गांवों में मनरेगा कार्यों का किया औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

डीसी मनरेगा सुशील कुमार तिवारी ने कई गांवों का निरीक्षण कर मनरेगा के कार्यों की गति को परखा। इस दौरान डीसी सुशील कुमार ने कमियां मिलने पर अधिकारियों को फटकार लगाई वहीं कई जगह कार्यों से संतुष्ट भी दिखे।

जौनपुर जिले के सुईथाकला ब्लाक के खानपुर जंगीपुर कटघर गांव में दुर्गा माता मंदिर से अच्छेलाल के घर तक पक्की नाली के साथ 400 मीटर तक सीसी निर्माण कार्य हो रहा है। डीसी मनरेगा ने अधिकारियों से कहा कि यहां के हर घर को नाली से जोड़ा जाए ताकि गांव की सड़कों पर गंदगी न फैले। यहां नाली व चेम्बर का कार्य पूर्ण पाया गया। गिट्टी फैलाने का कार्य भी किया जा रहा था। मजदूर भी काम करते मिले।

### जल्द सीआईबी लगाने के निर्देश

इसके बाद सुशील कुमार ने जंगीपुर में बनिया बांध तालाब से जयप्रकाश के चक तक कच्चा नाला खुदाई कार्य का निरीक्षण किया। यहां मौके पर 103 श्रमिक कार्य करते मिले। कार्य की गुणवत्ता से भी डीसी संतुष्ट नजर आए। हालांकि यहां सीआईबी बोर्ड नहीं लाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और टीए रविंद्र कुमार को फटकार लगाई। इसके साथ ही एपीओ राहुल मिश्रा को निर्देश देते हुए जल्द ही सीआईबी लगाए जाने के लिए निर्देश दिए।

### गुणवत्ता कार्य से संतुष्टि, अधिकारियों की थपथपाई पीठ

सारी जहांगीरपट्टी के बाद डीसी मनेगरा कटघर में पहुंचे यहां डोमवा तालाब से सेखाई सरहद तक नाला खोदाई का कार्य को भी देखा। डीसी ने मौके पर मौजूद मजदूरों से बातचीत भी किया । नियमानुसार खोदाई होने के साथ ही 73 श्रमिक भी मौके पर ही मिले। इसी तरह सारीजहांगीरपट्टी में बढौना सराहद से कुंवर नदी तक नाला खोदाई कार्य में भी सभी 64 श्रमिक कार्य करते मिले और कार्य की गुणवत्ता भी बेहतर थी। कार्य की गुणवत्ता से संतुष्ट डीसी मनरेगा ने एपीओ राहुल मिश्रा समेत मौजूद अधिकारियों की पीठ भी थपथपाई।

# वर्चस्व व प्रॉपर्टी विवाद में हुई किन्नर के पार्टनर की हत्या पुलिस ने किया खुलासा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जिले के लाइन बाजार थाना एवं स्वाट टीम व सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम के द्वारा हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए 4 वांछित अभियुक्तो को 2 पिस्टल कारतुस व एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है। घटना का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने बताया कि विगत 2 जनवरी को लाइन बाजार थाना क्षेत्र के रसीदाबाद में गोपाल विश्वकर्मा नमक एक युवक की गोली मारकर हत्या की सूचना मिली थी इस मामले में मुकदमा दर्ज करके पुलिस और एसओजी स्वाट टीम और पुलिस की दो टीमें द्वारा लगातार मामले की छानबीन की जा रही थी लगातार पूछताछ करके इस घटना का सफल अनावरण किया गया है चार अभियुक्तों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है।जिसमे विनोद कुमार बिंद प्रदीप कुमार अंकित कनौजिया और बृजलाल प्रजापति शामिल है पूछताछ में मामला जो सामने आया है उसमें सोनी किन्नर के साथ मृतक गोपाल विश्वकर्मा पार्टनर के रूप में रहा करता था बीते 6 मई को उसकी मौत के बाद भी यह भी वहां स्थान बनाए हुए था और जो इनकम होती थी उसको यह शेयर लेता था यह बात सोनी किन्नर की शिष्या शीला किन्नर के पार्टनर बृजलाल द्वारा न इस घटना को कारित करने के लिए पिछले डेढ़ साल से प्रयास किया जा रहे थे इसलिए पूर्व भी मृतक के ऊपर दो बार हमला किया जा चुका था अंशु द्वारा 2 जनवरी को अपने तीन साथियों जिनको ये जानता था बुलाकर जिनको इन्होंने गोपाल की हत्या के लिये 8 लाख रुपये है देने का वादा करते हुए 10 हजार रुपए एडवांस के रूप में दिया था तीन लड़के बाइक से आए थे जिनकी पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई थी।

दो अश्लाहो से इसकी हत्या करने का प्रयास किया गया था और घटना में प्रयुक्त दोनों असलहे बाइक बरामद किया गया है पूरे घटना की बैकवर्ड लिकेज अप्लाई करके असल है बेचने वाले और उनको खरीदने वाले के गिरफ्तार करने की प्रयास किए जाएंगे और पूरे घटना में गैंगस्टर अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मृतक आजमगढ़ का रहने वाला था इसके खिलाफ भी आजमगढ़ में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

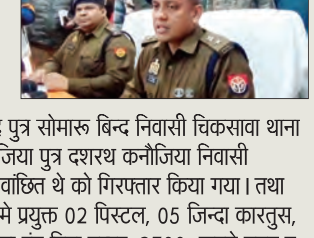

हत्या करने वालों में शामिल एक अपराधी यूट्यूब पर भी है इसके लगभग 3 मिलियन लोग सब्सक्राइबर भी हैं जबकि एक अभियुक्त जो की इसी तरह क्रियाकलाप करके जिला पंचायत का चुनाव भी लड़ने की फिराक में था। गिरफ्तार अभियुक्तों में विनोद कुमार बिन्द पुत्र श्यामलाल बिन्द निवासी फूलपुर थाना लाइन बाजार, प्रदीप बिन्द पुत्र सोमारू बिन्द निवासी चिकसावा थाना बरदह जनपद आजमगढ, अकिंत कनौजिया पुत्र दशरथ कनौजिया निवासी इमामपुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर वांछित थे को गिरफ्तार किया गया। तथा अभियुक्तगण की निशानदेही पर घटना मे प्रयुक्त 02 पिस्टल, 05 जिन्दा कारतुस, 01 मोटरसाइकिल सुपर स्पलेण्डर काला रंग बिना नम्बर, 2700 रुपये नगद व घटना के बाद जलाये गये कपड़ो के अवशेष को बरामद किया गया। तथा गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग उपरोक्त मे धारा 3(5)/238 बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी की गयी।

## एक्सप्रेस खबरें...

### लाभप्रद हैं सरकारी कर्मचारियों को आठवां वेतन आयोग- अभिषेक सिंह

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। सिरौलीगौसपुर। केंद्र सरकार ने कैबिनेट बैठक में आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। यह फैसला सभी सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष और जिला मीडिया प्रभारी अभिषेक सिंह ने इस निर्णय का स्वागत किया है। अभिषेक सिंह ने बताया कि वर्तमान में चल रहे सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा, जिसके बाद आठवां वेतन आयोग लागू होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकारी कर्मचारियों के हितों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।ब्लाक सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय प्रथम में अध्यापक के पद पर पोस्ट है अभिषेक सिंह जिन्होंने बताया कि वह काफी लंबे समय से संगठन के माध्यम से आठवां वेतन लागू करने की मांग कर रहे थे जिसको आज पूरा किया गया। शिक्षक संघ के प्रतिनिधि ने समस्त शिक्षक समुदाय की ओर से प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नए वेतन आयोग के गठन से सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में खुशी की लहर है।

### सरकारी अस्पतालों में औषधि निरीक्षक ने की जांच, भरे दवाओं के नमूने

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। औषधि निरीक्षक सीमा सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार द्वारा जनपद में आम जनमानस के इलाज हेतु सरकारी अस्पतालों में आपूर्तित की जा रही औषधियों एवं जानवरों के उपयोग हेतु सरकारी अस्पताल में आपूर्तित औषधियों की गुणवत्ता एवं पूर्ण उपलब्धता की जांच के निर्देश दिए गए। जिसके अनुपालन में मसौली में स्थित जनपदीय ड्रग वेयर हाउस, बाराबंकी में भंडारित औषधियों में से दस औषधियों के नमूने जांच एवं विश्लेषण हेतु संग्रहीत किए गए जिनमें एंटीबायोटिक, एंटी बेक्टरिरियल, दर्द एवं बुखार की टेबलेट, सिरप आदि औषधियाँ सम्मिलित है। वही जिला पशु चिकित्सालय सदर बाराबंकी से 6 औषधियों के नमूने संग्रहीत किए गए।औषधि निरीक्षक ने बताया कि इन औषधियों के संबंध में तत्काल इन औषधियों के वितरण को रोके जाने की कार्यवाही हेतु संबंधित विभागों को सूचना प्रेषित की गई है तथा संबंधित फर्मों के विरुद्ध भी विधिक कार्यवाही प्रचलित की जा रही है।

### गरीबों के सच्चे हमदर्द थे अशर्फीलाल- अरविन्द सिंह गोप

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। सिरौलीगौसपुर। पूर्व विधायक स्वर्गीय मास्टर अशर्फी लाल यादव समाज के गरीबों शोषितो वंचितों के हक हकूक की लड़ाई अपनी अंतिम सांसों तक लड़ते रहे समाज के बीच उनकी कमी हमेशा बनी रहेगी। यह बात अशर्फी लाल यादव जनता मांटेसरी स्कूल बदोसराय के प्रांगण में पूर्व विधायक स्वर्गीय मास्टर अशर्फी लाल यादव जी की पुण्यतिथि पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने कहीं उन्होंने कहा कि अशर्फी लाल यादव गरीबों किसानों के लिए एक ऐसे नेता थे जो न्याय दिलाने में कभी पीछे नहीं रहे समाज के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है आगामी होने जा रहे मिल्कीपुर चुनाव में अपने नात रिश्तेदारों से संपर्क करके समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को मजबूती प्रदान करें जिले की जनता ने इससे पूर्व हुए लोकसभा चुनाव में जो एक जुटता दिखाई उस पर पार्टी को गर्व है। इस मौके पर विजय कुमार यादव, अष्विनी कुमार यादव, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह, पूर्व एमएलसी राजेश यादव, पूर्व एमएलसी अरविंद यादव, सदर विधायक धर्मराज यादव, राजेंद्र प्रसाद यादव, विधायक रामगोपाल रावत आदि लोगों ने भी अपनी शोक संवेदना व्यक्त की।

### शांति भोज पर हुआ पौधरोपण

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। पेड़ हमारे जीवन की अमूल्य धरोहर है।ऑक्सीजन के लिए पेड़ लगाना बहुत जरूरी है। यदि हम सभी शुभ अवसरों व यादगार पलों पर एक एक पौध रोपित करेंगे तो एक दिन यहीं पौधें हमारे जीवन के उपयोगी बनकर पर्यावरण प्रदूषण से हमें बचाएंगे।उक्त विचार जनकल्याण किसान एसोसिएशन के चेयरमैन धर्म कुमार यादव ने अपने ग्राम उमरी में अपने चाचा स्वर्गीय हीरालाल यादव के तेरहवीं संस्कार पर आयोजित शांति भोज की बेला पर उनकी समाधि स्थल पर एक आम का पौध रोपित करने के उपरांत व्यक्त किए।इस मौके पर सुभाष चन्द्र यादव, विजय सिंह, विकास चंद शर्मा, बलवंत सिंह,राज बहादुर,अंजनी कुमार, विनय यादव,अमरीश वर्मा, भानु प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

### डीएलएड अभ्यर्थियों की काउंसलिंग हुई शुरू

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। सत्र 2024 के डी एल एड अभ्यर्थियों की काउंसलिंग डायट प्राचार्य सह उप शिक्षा निदेशक डॉ राजेश कुमार आर्य के निर्देशन में गणेशपुर में गुरुवार को शुरू हुई। पहले दिन दो सौ सीटों के सापेक्ष 83 अभ्यर्थियों ने अपने प्रमाण पत्रों की जांच करवाई। काउंसलिंग टीम में प्रवक्ता लाल चंद, आर पी यादव,जहीर अहमद, जितेंद्र कुमार सोनकर, सुकेश श्रीवास्तव, अमित कुमार राय, अभिसारिक वर्मा, गीताजंली सिंह यादव ने समस्त अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र चेक किया।और प्रवेश संबंधित प्रक्रिया पूरी की। 20 जनवरी तक चलने वाली काउंसलिंग में सभी सीटों के भरने की उम्मीद है।

### टीम ने पकड़े दर्जनों बन्दर, नगरवासियों को मिली राहत

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। जैदपुर। नगर पंचायत जैदपुर पिछले कई महीनों से बंदरों के आतंक से जूझ रहा था नगर पंचायत के आधा दर्जन मोहल्लो के दर्जनों लोगो को बंदर अब तक घायल कर चुके थे जिसकी सूचना अधिषाषी अधिकारी को दी गयी तो जनता की शिकायत पर सभासदो और अधिशाषी अधिकारी आलोक वर्मा ने मथुरा से बन्दर पकडने की टीम बुलायी। 15 जनवरी को आई टीम ने अब तक जैदपुर के पछली चिकनमहल अहिरान और छोटी बाजार मे अब तक दर्जनों बंदरो को पकड़ कर नजदीकी जंगलों में छोड़ा जा चुका है, बंदरों के आतंक से जैदपुर में कई बच्चे और बड़े घायल हो चुके थे जिसकी शिकायत पर अधिशासी अधिकारी ने 15 जनवरी को बन्दर पकड़ने की टीम को बुलाया जिससे अब लोग अपनी छतो पर बेखौफ होकर रह रहे है। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी आलोक कुमार वर्मा ने बताया कि बंदर पकड़ने का अभियान सभी वार्ड में बारी बारी से चलाया जाएगा।

### मेडिकल कॉलेज में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर वर्कशॉप का आयोजन

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। नवाबगंज। सरस्वती मेडिकल कॉलेज में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ भारतीय सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल मेडिसिन, लखनऊ शाखा के साथ संयुक्त रूप से प्रो आर एन श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से आए विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए सभी प्रतिभागियों को आकस्मिक दुर्घटना या स्थिति में सीपीआर का उपयोग करने के तरीके बताए। एनेस्थीसिया विभाग के प्रो विशाल अरोड़ा ने वर्कशॉप के सुचारू निष्पादन और महत्वपूर्ण जीवन रक्षक कौशलों के प्रभावी प्रशिक्षण को सुनिश्चित किया। सरस्वती मेडिकल कॉलेज प्रधानाचार्य डा आर एन श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान निरंतर चिकित्सा, शिक्षा और प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यशाला हमारे छात्रों और चिकित्सकों, शिक्षकों को जीवन बचाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने के हमारे निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। कार्यक्रम में करीब 150 से अधिक छात्रों और संस्थान के चिकित्सकों ने भाग लिया।

### विद्यार्थी परिषद द्वारा किया गया वस्त्र वितरण

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। नवाबगंज। गुरुवार को आनंद घाट स्थित सेवा बस्ती में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की शुक्लागंज नगर इकाई ने जरूरतमंदों के लिए वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य सेवा बस्ती में रहने वाले गरीब और असहाय लोगों को ठंड से राहत पहुंचाना था। कार्यक्रम की शुरुआत एबीवीपी नगर अध्यक्ष अभिषेक तिवारी ने की। इस अवसर पर जिला सहसंयोजक अनंत शुक्ला, नगर मंत्री विपिन कुमार, जय हो फ्रेंड्स फाउंडेशन के संस्थापक जय सिंह, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक शुक्ला, आशुतोष सिंह, शिवम तिवारी, शौर्य दुबे और कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मिलकर सेवा भाव से वस्त्र वितरण में सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान, कार्यकर्ताओं ने सेवा बस्ती के लोगों के बीच गर्म कपड़े, जैकेट, स्वेटर और कंबल वितरित किए। सर्दी के इस मौसम में इस पहल से बस्ती के गरीब और असहाय लोगों को बड़ी राहत मिली। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों ने भी हिस्सा लिया और विद्यार्थी परिषद की इस पहल की सराहना की। नगर अध्यक्ष अभिषेक तिवारी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद हमेशा से सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल छात्रों के अधिकारों और शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहायता करना भी है।

## नॉनवेज ढाबों पर खुले आम बिक रही शराब, अधिकारी अंजान

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी

जिला मुख्यालय से निकलने वाले देवा फतेहपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध रूप चल रहे नॉनवेज ढाबों को प्राप्त पुलिस संरक्षण जिससे परोसी जा रही शराब। जानकारी के अनुसार, बाराबंकी, देवा फतेहपुर मार्ग पर बिशनपुर, पलटा, इस्माइलपुर, चंदौली से लेकर सौमैया नगर चौराहे तक क़रीब एक दर्जन नॉनवेज ढाबे संचालित हो रहे हैं। इन ढाबों पर प्रतिदिन आम जनता के साथ सफेद पोशाक वाले नामचीन लोग बड़ी-बड़ी कारों से आते हैं और नॉनवेज भोजन का आनंद शराब के साथ लेते है। और फिर शराब के साथ ही जन्म लेती है खुराफात, नफ़रत, जिसकी जड़े ढाबे से लेकर आम आदमी के घर तक फैलती है जिससे आए दिन ढाबों और घर परिवार में होती है कहासुनी, मारपीट, लड़ाई, झगड़ा। उसके बाद फिर खेल चालू होता है पुलिस का क्योंकि पुलिस के लोग भी इन्हीं ढाबों पर फ्री का मांस खाकर आनंद लेते हैं फिर ढाबे वाले इनके मुखबिर बन जाते हैं उसके बाद आपस में मिलकर सुला समझौता करते हैं फिर अपनी जेब भरते हैं इन सबके बीच पिसती है आम जनता। अवैध रूप से चल रहे यही नॉनवेज ढाबा राजनीति के साथ जमीन की दलाली का भी अड्डा बने हैं। कानून की रक्षा करने वाले व्यक्तियों के द्वारा इन ढाबों पर किसी भी प्रकार का संज्ञान नहीं लिया जाता है। अब देखने वाली बात यह है कि इन ढाबों पर सरकारी तंत्र कोई संज्ञान लेता है या इनको और संरक्षण प्रदान करता है।

## खिचड़ी भोज से मजबूत होते हैं सामाजिक रिश्ते: उपेन्द्र रावत

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी

बड्डूपुर। खिचड़ी भोज का आयोजन समाज को एकजुट करने का आयोजन है। खिचड़ी भोज समरसता पैदा करने का आयोजन है। हमारी बहुत ही प्राचीन परंपरा रही है पुरातन परंपरा रही है खिचड़ी बहुत ही पुरानी परंपरा है हर घर में देश के हर प्रदेश में प्रदेश के हर गांव में हर घर में अपने-अपने तरीके से खिचड़ी भोज का आयोजन हर व्यक्ति करता है। उक्त विचार बाराबंकी भाजपा के पूर्व सांसद उपेंद्र सिंह रावत ने कस्बा बड्डूपुर में डा. ओमप्रकाश प्रजापति द्वारा आयोजित खिचड़ी भोज में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के दिन मानना है यह महत्व है कि पावन अवसर पर स्नान ध्यान करके और खिचड़ी का सेवन करते हैं लेकिन इस बार का जो मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजन है। महाकुंभ में करोड़ों की संख्या में मकर संक्रान्ति के दिन लोगों ने करोड़ों लोगों ने स्नान किया है। बाहरी देशों के द्वारा हमारी सरकारों को हमारे प्रदेश और देश को देखा जा रहा है पूरी दुनिया के सामने करोड़ों की संख्या पूज्य योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में महाकुंभ में मकर संक्रान्ति के दिन लोगों ने स्नान किया। पूर्व सांसद ने प्रदेश सरकार के द्वारा गांव में गरीब कल्याण कारी योजनाएं चलाई जा रही है उनके बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्रदीप रावत राजेश कुमार वर्मा जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा, धमेंद्र गुप्ता जिला प्रतिनिधि, योगेन्द्र पटेल मंडल अध्यक्ष बड्डूपुर, अरविंद कुमार वर्मा मंडल अध्यक्ष देवा, रजनीश कुमार वर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष बड्डूपुर, दीपू रावत मंडल महामंत्री अनुसूचित मोर्चा, अरविंद मौर्य सेक्टर संयोजक, मोहम्मद शब्बीर मंडल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा, आशीष वर्मा सेक्टर संयोजक, अवधेश कुमार वर्मा सेक्टर संयोजक सहित संख्या में लोग उपस्थित रहे।

## परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं उन्हें अविलंब कराया जाए पूरा: अन्ना सुदन

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी

मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में जनपद की 50 लाख से अधिक की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आहूत की गई। समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण एवं सांसद निधि योजनान्तर्गत कराये जा रहे कार्यों की अद्यावधि समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो परियोजनाएं पूर्ण हो गयी हैं, उन्हें सम्बन्धित विभाग को यथाशीघ्र हैण्डओवर कर दिया जाए तथा जो परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं उन्हें अविलंब पूर्ण कराया जाए। बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत जिन भवनों के निर्माण कार्य पूरे हो गए, जांच के बाद उन्हें सम्बन्धित विभाग को हैंडओवर कर दिया जाए। मत्थेष्वर महादेव मंदिर खसपरिया और कोटवाधाम में पर्यटन विभाग के विकास कार्य समय पर पूर्ण कर हैंडओवर किया जाए। जिला चिकित्सालय और जिला महिला चिकित्सालय में अधूरे कार्यो को शीघ्र पूरा किया जाए। सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में बन रहे मंडप का कार्य और राज्यकर कार्यालय भवन में चल रहे कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए। राजकीय इंटर कॉलेज बाराबंकी का पुर्ननिर्माण और आईटीआई जहाँगीराबाद में निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ समय पर पूर्ण कराया जाए। बाराबंकी के थाना सफदरगंज के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा किया जाए। पीएमजेएसवाई की जो सड़कें अभी अधूरी है उन्हें भी समय से पूरा करा लिया जाए। सांसद निधि के कार्यों की समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समय पर पूर्ण कराये जाए। सीडीओ ने कहा कि प्रांतीय खण्ड की जो परियोजनाएं अधूरी है उन्हें समय से पूरा किया जाए। जिले की जिन भी परियोजनाओं में पटाई के लिये मिट्टी की जरूरत है उसके लिये सरकारी स्तर पर नियमानुसार मिट्टी की व्यवस्था कराई जाएगी। राजकीय पौधशाला उधौली, सतरिख के निर्माणाधीन कार्यों को समय से पूरा कराया जाए, 10वीं वाहिनी पीएसी में बन रहे नाले का निर्माण कार्य समय पर पूर्ण किया जाए। भगहर झील में पर्यटन विकास कार्य समय पर पूर्ण कराया जाए। देवा में पशु चिकित्सालय के अनिवासी भवन का निर्माण कार्य व बनीकोडर विकास खण्ड में बुढ़वा बाबा मंदिर में पर्यटन विभाग के विकास कार्यों को समय पर पूर्ण कराया जाए। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज देवा व सतरिख में प्रयोगशाला के निर्माण कार्य को समय पर पूर्ण किया जाए। राजकीय जिला पुस्तकालय में प्रथम तल का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। सीडीओ ने परियोजनाओं के सत्यापन हेतु नामित नोडल अधिकारी एवं तकनीकी अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं का सत्यापन प्रत्येक माह करते रहे तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराना सुनिश्चित करें। भविष्य में उच्चाधिकारियों के निरीक्षण में गुणवत्ता के सम्बन्ध में कोई कमी पायी जाती है तो सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग एवं अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग को निर्देशित किया कि सभी सड़कों का निर्माण यथाशीघ्र कराना सुनिश्चित करें, जिससे लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी परियोजनाओं का निर्माण कार्य समयान्तर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। सत्यापन में लगाये गये नोडल अधिकारियों द्वारा जो कमियां अंकित की जा रही है, उसका समाधान कराकर अनुपालन आख्या अवश्य उपलब्ध करायें। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत आवास निर्माण के कार्यों व जलनिगम शहरी के तहत पानी की टंकी सहित सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण व समय पर पूर्ण किए जाए। जिन भवनों का निर्माण पूरा हो गया है उनमें विद्युत विभाग, बिजली कनेक्शन समय पर सुनिश्चित कराये। लोकनिर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अंतर्गत जिले की सड़कों का निर्माण, चौड़ीकरण एवं मेंटेनेंस के कार्यों को समय पर पूर्ण किया जाए। बैठक में सम्बन्धित विभागों के अनुपस्थित अधिकारियों, प्रतिनिधियों पर कार्यवाही के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी ने दिए। बैठक में जिला अर्थ एवं सांख्यकी अधिकारी मीनाक्षी श्रीवास्तव, डीडीओ भूषण कुमार, परियोजना निदेशक मनीष कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी राकेश त्रिपाठी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सन्तोष कुमार देव पांडेय, जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी त्रिपाठी, सहित सहायक अभियंता जल निगम, सहायक अभियंता बाढ़ खंड, सहायक अभियन्ता निर्माण खण्ड 1, सहायक अभियंता ग्रामीण विकास, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, पीओ नेडा सहित सम्बन्धित विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।

## गो तस्करों पर कार्रवाई की सराहना, विश्व हिन्दू महासंघ ने एसपी को किया सम्मानित

जन एक्सप्रेस । बस्ती

गो तस्करों पर प्रभावी कड़ी कार्यवाही किये जाने और पुलिस मुठभेड़ में पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पाण्डेय बाजार में तीन गो तस्करों के पुलिस की गोली से घायल होने के कार्यवाही की सराहना करते हुये विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने गुरूवार को नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन को पराक्रम पत्रिका, स्मृति चिन्ह, भगवा अंग वस्त्र भेंट किया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि जनपद में गोवंश तस्करी का संगठित कारोबार चल रहा है। महासंघ द्वारा अनेकों बार जिलाधिकारी और पूर्व पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर गोवंश की तस्करी रोकवाने, उनके विरूद्ध कार्रवाई का आग्रह किया गया था परन्तु कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पायी। उन्होने कहा कि नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने कार्य भार संभालते ही जिस प्रकार से गो तस्करों के विरूद्ध कार्रवाई किया गया है और मुठभेड़ में तीन गो तस्कर गिरफ्तार हुये उससे उम्मीद बढी है कि गोवंश की रक्षा हो सकेगी। नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन को सम्मानित किये जाने के मौके पर मुख्य रूप से अधिवक्ता प्रदेश मंत्री कुलदीप मिश्र, प्रदेश उपाध्यक्ष दिग्विजय सिंह राना, बालकृष्ण सिंह, राकेश सिंह, सौरभ त्रिपाठी, विपिन सिंह, विजयशंकर शुक्ला, सतीश पाण्डेय आदि शामिल रहे।

### बन्दरो के आतंक से मुक्त होगा जैदपुर

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। जैदपुर। नगर पंचायत जैदपुर पिछले कई महीनों से बंदरों के आतंक से जूझ रहा था नगर पंचायत के आधा दर्जन मोहल्लो के दर्जनों लोगो को बंदर अब तक घायल कर चुके थे जिसकी सूचना अधिसाशी अधिकारी को दी गयी तो जनता की शिकायत पर सभासदो और अधिशाषी अधिकारी आलोक वर्मा ने मथुरा से बन्दर पकडने की टीम बुलाइ, 15 जनवरी को आई टीम ने अब तक जैदपुर के पछली चिकनमहल अहिरान और छोटी बाजार मे अब तक दर्जनों बंदरो को पकड़ कर नजदीकी जंगलों में छोड़ा जा चुका है

## सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जाँच व दवा वितरण हुआ

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

नवाबगंज। कस्बा स्थित स्वास्थ्य केन्द्र पर गुरुवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जाँच व दवा वितरण हुआ। जहाँ गर्भवती महिलाओं की जाँच में उच्च जोखि़म वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित भी किया गया प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत प्रत्येक माह की 1, 9, 16, 23 तारीख को स्वास्थ्य केन्द्र पर गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जाँच की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। इसके अंतर्गत गुरुवार को 67 गर्भवती महिलाओं ने निःशुल्क अल्ट्रासाउंड जाँच के लिये रजिस्ट्रेशन कराया। जिनकी रक्तचाप, वजन, रक्त व शारीरिक जाँच, मधुमेह एवं यूरिन के साथ जटिलता के आधार पर अन्य जाँच की गयी। जांच में 7 उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन किया गया। गर्भवती महिलाओं को जाँच के बाद पोषण के बारे में भी जानकारी देते हुये हरी साग- सब्जी, दूध, सोयाबीन, फ़ल, भूना हुआ चना एवं गुड़ खाने की सलाह दी।

इस दौरान डॉ एकता तिवारी, डॉ प्रियंका विक्रम, मो आसिफ यूनिसेफ मॉनिटर, स्टाफ नर्स कोमल, कामिनी कुशवाहा परामर्शदाता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

## थानाध्यक्ष परशुरामपुर को 20 लाख चोरी के मामले में मिली बड़ी सफलता, अभियुक्त को भेजा जेल

जन एक्सप्रेस । बस्ती

बस्ती जिले के थाना परशुरामपुर पुलिस को थानाध्यक्ष दिनेश चंद्र के नेतृत्व में 20 लाख चोरी के मामले में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। बीते 14 जनवरी को श्रृंगीनारी गांव में 20 लाख के जेवर और नगदी चोरी का पुलिस खुलासा करते हुए अभियुक्त सरवन कुमार मौर्य जनपद लखीमपुर खीरी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। 14 जनवरी को राम जनक वर्मा ने थाना परशुरामपुर में तहरीर देकर 20 लाख के जेवर और नगदी की चोरी की सूचना दिया था। रामजनक वर्मा ने तहरीर में बताया था, कि उनके ही मैरिज हाल में सरवन कुमार मौर्य काम करता है। वही घर के अंदर बाहर आता जाता था, पुलिस ने जब सरवन को उसके गांव से पकड़कर कड़ाई से पूछताछ किया तो सरवन ने अपना जुर्म कबूल किया। पुलिस ने चोरी की नगदी समेत 20 लाख के जेवर नगदी बरामद करते हुए, थाना परशुरामपुर पुलिस ने अभियुक्त खिलाफ बीएनएस धारा 306 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि अभियुक्त सरवन को गिरफ्तार करके उसके पास से चोरी की जेवर और एक 1 लाख 2000 नगदी बरामद की गई है अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जेल भेज दिया गया है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक परसरामपुर दिनेश चन्द्र चौधरी, निरीक्षक ऋतुन्जय यादव थाना परसरामपुर जनपद बस्ती, व0उ0नि0 श्री मुनिन्द्र त्रिपाठी, का0 अजीत यादव, का0आनन्द यादव, का0 पंकज कुशवाहा, का0 शिल्लू जायसवाल, का0 शुभम चौधरी थाना शामिल रहे।

## भूमि संबंधी वादों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत सुनिश्चित कराया जाए, जिलाधिकारी

जन एक्सप्रेस । पंकज यादव

उन्नाव। गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में वाणिज्यकर, आबकारी, परिवहन, स्टाम्प एवं निबन्धन, विद्युत, नगर विकास, वन, खनन एवं सिंचाई विभाग सहित अन्य विभागों की कर वसूली से संबंधित विस्तृत समीक्षा की गयी। इस अवसर पर समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विभागवार आवांटित लक्ष्य के अनुरूप ससमय कर वसूली कराना सुनिश्चित करें। राजस्व कार्यो की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि भूमि संबंधी वादों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत सुनिश्चित कराया जाए। उन्होने कहा कि समस्त अधिकारी गण अपने-अपने कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराते हुए दिए गए दायित्वों को ससमय सम्पादित कराना सुनिश्चित करें। कार्यालयों से संबंधित आम लोगों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनें तथा गुणवत्तापूर्ण व समयवद्ध निस्तारण करें। धारा-24, धारा-116, धारा-80, अविवादित वरासत, खसरा पड़ताल व दाखिल-खारिज आदि के वाद/शिकायतों को समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारित करें ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे/अतिक्रमण से सम्बन्धित शिकायतों पर कार्यवाही हेतु जनपद व तहसील स्तर पर गठित एंटी भू-माफिया टॉस्क फोर्स के जरिए आवश्यक कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के लाभार्थियों को बिना किसी विलम्ब के निर्धारित सहायता/धनराशि उपलब्ध करायी जाए। धारा-34, भूमि-विवाद व पैमाइश के वादों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्दर सुनिश्चित कराया जाए। समीक्षा बैठक में समस्त सम्बंधित विभाग के आधिकारी गण उपस्थित रहे।

## गंगा प्रसाद महतो सरस्वती विद्या मंदिर से छात्रों का प्रयागराज महाकुंभ प्रस्थान

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

शुक्लागंज। गंगा प्रसाद महतो सरस्वती विद्या मंदिर, गंगानगर ने विद्या भारती के तत्वावधान में संचालित संत रविदास संस्कार केंद्र के 102 सदस्यों को महाकुंभ दर्शन के लिए प्रयागराज रवाना किया। यह कार्यक्रम विद्या भारती के व्यापक प्रयासों का एक हिस्सा है, जो भारत ही नहीं बल्कि विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी शैक्षणिक संगठन है। विद्या भारती के अंतर्गत, गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज भी एक सक्रिय संत रविदास संस्कार केंद्र संचालित कर रहा है। विद्या भारती के संसाधनों की सीमाओं के बावजूद, यह संगठन वनवासी, पिछड़े और उपेक्षित क्षेत्रों में निःशुल्क विद्यालय चलाने के साथ-साथ छात्रों के भोजन, वस्त्र और पुस्तकों की व्यवस्था भी करता है। संस्कार केंद्रों को सरकारी भाषा में एकल शिक्षक विद्यालय भी कहा जाता है। इन केंद्रों पर साक्षरता, स्वाध्याय, स्वावलंबन, संस्कृति, स्वदेश प्रेम और सामाजिक समरसता जैसे अनौपचारिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ये केंद्र उन बच्चों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं जो पारिवारिक विवशता या विद्यालयों की अनुपलब्धता के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इन केंद्रों में, ऐसे बच्चों को एकत्रित कर साक्षर बनाने का प्रयास किया जाता है। इसके अतिरिक्त, जो बच्चे विद्यालय तो जाते हैं, लेकिन पारिवारिक परिवेश के कारण शिक्षा में पिछड़ जाते हैं, उनके लिए विशेष शिक्षण की व्यवस्था की जाती है ताकि वे अपनी कक्षा के स्तर तक पहुँच सकें। इस विशेष आयोजन में, उन्नाव संकुल के गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर गंगानगर और सरस्वती विद्या मंदिर गोपीनाथ पुरम सहित चारों विद्यालयों।

## हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद करने का मतलब आरोप पर क्लीन चिट नहीं

# जयराम रमेश ने फिर दोहराई जेपीसी की मांग

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली**

भारत के दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी के व्यवसाय समूह और शेयर बाजार नियामक संस्था सेबी के खिलाफ अपनी रिपोर्ट से हलचल मचाने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च कंपनी को बंद कर दिया गया है। कंपनी के संस्थापक नाथन एंडरसन ने एक दिन पहले इसकी घोषणा की। जिसके बाद से राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेद हो गई गई है। भाजपा ने जहां हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत के खिलाफ %सुपारी% करार दिया, वहीं, कांग्रेस ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कंपनी के बंद होने का यह मतलब नहीं है कि पूर्व में आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों पर अदाणी समूह को क्लीनचिट मिल गई। उन्होंने कहा कि वे अभी भी जेपीसी की मांग पर अड़े हुए हैं।

### जयराम रमेश ने लगाए गंभीर आरोप

उन्होंने अपने बयान में कहा कि जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट में बेहद गंभीर आरोप लगाए गए थे। इनका असर यह था कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय को अदाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि अदाणी समूह का मुख्य संरक्षक कोई और नहीं बल्कि भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री हैं। रमेश ने आरोप लगाया कि मामला बहुत गहरा है। इसमें राष्ट्रीय हित की कीमत पर पीएम के करीबी दोस्तों को अमीर बनाने के लिए भारतीय विदेश नीति का दुरुपयोग करना भी शामिल है। इसमें भारतीय व्यापारियों को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की संपत्तियों को बेचने के लिए मजबूर करने और अदाणी को हवाई अड्डों, बंदरगाहों, रक्षा और सीमेंट के क्षेत्र में एकाधिकार बनाने में मदद करने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करना भी शामिल है।

### सेबी चेयरपर्सन को भी लिया आड़े हाथ

जयराम रमेश ने इस दौरान उन्होंने सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह को जिन संस्थाओं का दुरुपयोग करके अदाणी समूह को फायदा दिया गया उसमें सेबी जैसे संस्थान भी शामिल हैं, जिसकी बदनाम चेयरपर्सन हितों के टकराव और अदाणी के साथ वित्तीय संबंधों के स्पष्ट सबूत के बावजूद अपने पद पर बनी हुई है। रमेश ने कहा कि यह भी देखना चाहिए कि सेबी की जांच, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए दो महीने का समय दिया था, को लगभग दो साल तक खिंच दिया गया है। ऐसे में यहां भले ही अदाणी और मोदी ने भारत के संस्थानों पर कब्जा कर लिया हो, लेकिन देश के बाहर उजागर हुई आपराधिकता को इस तरह से कवर नहीं किया जा सकता है। अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी पर आकर्षक सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया है। रमेश ने कहा कि जैसे ही आपराधिकता के सबूत सामने आए, कई देशों ने अपनी अदाणी परियोजनाओं को रद्द कर दिया है।

#### भाजपा ने दी ये प्रतिक्रिया

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि अमेरिका की शॉर्ट सेलर यानी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट एक संगठित, प्रायोजित और आर्थिक आतंकवाद का हिस्सा थी। उन्होंने इसे भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत के खिलाफ सुपारी थी। यह एक आर्थिक अराजकता और आतंकवाद का प्रायोजित और साजिशपूर्ण कृत्य था। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साध कहा, राहुल गांधी आपके अंतरराष्ट्रीय सहयोगी हिंडनबर्ग ने अपनी दुकान बंद कर दी, अब आप कब देश के खिलाफ अपना प्रचार-प्रसार बंद करेंगे? आपका हिंडनबर्ग से क्या संबंध है? क्या यह जॉर्ज सोरोस द्वारा प्रायोजित रिपोर्ट थी? आज कांग्रेस को स्पष्टीकरण देना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस और उसका इको-सिस्टम राष्ट्रविरोधी है।

#### क्या है मामला?

अमेरिकी इंवेस्टमेंट रिसर्च फर्म और शॉर्ट सेलिंग ग्रुप हिंडनबर्ग रिसर्च कंपनी बंद होने जा रही है। कंपनी के फाउंडर नाथन एंडरसन ने इसका एलान किया है। हिंडनबर्ग रिसर्च का ये एलान ऐसे वक्त में आया है, जब अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन का चार वर्षों का कार्यकाल पूरा होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं। डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने ही वाले हैं।आपको बता दें कि हाल ही में हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी के एक सदस्य और रिपब्लिकन सांसद ने न्याय विभाग से हिंडनबर्ग को लेकर जांच की मांग की थी।

#### कब शुरु हुई थी कंपनी और उसका काम

हिंडनबर्ग रिसर्च की स्थापना 2017 में एंडरसन ने की थी। इस फर्म का मुख्य काम कंपनियों में अकाउंटिंग की गड़बड़ी या धोखाधड़ी की पहचान करना और उस पर रिपोर्ट जारी करना था। इसके बाद शॉर्ट सेलर्स इन कंपनियों के खिलाफ दांव लगाते हैं, जिनमें गिरावट की संभावना होती है। शॉर्ट सेलिंग में स्टॉक्स उधार लेकर बेचे जाते हैं, और बाद में उनके दाम गिरने पर यह स्टॉक्स फिर से खरीदे जाते हैं।

#### प्रमुख मामलों में हिंडनबर्ग की भूमिका

हिंडनबर्ग ने भारत के अदानी समूह और अमेरिका में निकोला जैसी कंपनियों के खिलाफ अपनी रिपोर्ट्स जारी की थीं। 2023 में अदानी समूह के खिलाफ उनकी रिपोर्ट ने कंपनियों की वैल्यू में करीब 100 अरब डॉलर की गिरावट ला दी थी। इसी तरह, 2020 में निकोला पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने निवेशकों को अपनी तकनीक के बारे में गलत जानकारी दी थी। इसके बाद निकोला के संस्थापक ट्रेवर मिल्टन को धोखाधड़ी का दोषी ठहराया गया था।

---

## दो माह में ही आधी तिरंगा एलईडी हो गई ख़राब

**जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद**

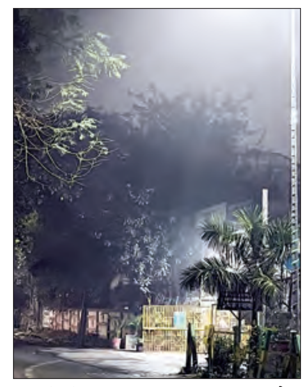

स्मार्ट सिटी के नाम पर नगर निगम शहर को चमकाने में काम तो कई कर रहा हैं लेकिन इनका रखरखाव ठीक से नहीं हो पा रहा हैं। जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। दिवाली से पहले नगर आयुक्त के निर्देशानुसार प्रकाश विभाग द्वारा ग़ाज़ियाबाद में जहां आंतरिक वार्डों में लाइटों की व्यवस्था को दुरुस्त किया गया वहीं नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले मुख्य मार्गो को तिरंगे की ख़ूबसूरत एलईडी लाइटों से भी सुसज्जित किया गया था। इसी क्रम में वसुंधरा को भी तिरंगा योजना से रंगने के तहत दिवाली से पहले शिखर एनक्लेव के सामने सेक्टर 15 साईं मंदिर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर लोगों को लुभाने के लिए स्ट्रीट लाइट के खंभों पर तिरंगा एलईडी लाइटें लगायी गई थी परन्तु दो माह बाद ही इनमें से आधी तिरंगा एलईडी लाइटें ख़राब हो चुकी है। इन तिरंगा एलईडी लाइटों के खराब होने के कारण इस मुख्य मार्ग की भव्यता धीरे-धीरे खोने लगी है। निवासियों द्वारा ग़ाज़ियाबाद प्रशासन को शिकायत करने के बाद भी इन ख़राब पड़ी तिरंगा एलईडी लाइटों की मरम्मत तक नहीं की गई हैं जबकि नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा प्रकाश विभाग को इन तिरंगा एलईडी लाइटों को लगाने के बाद इनकी व्यवस्था इसी प्रकार बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश दिए गए थे। आज गणतंत्र दिवस से पहले इन एलईडी लाइटों को ठीक कराने के लिए जन सुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज की गई है ताकि गणतंत्र दिवस पर यह मार्ग फिर से तिरंगा एलईडी लाइटों से जगमगा उठे।

---

## कोयला घोटाले मामले की सुनवाई से जस्टिस केवी विश्वनाथन ने खुद को किया अलग

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली**

कोयला घोटाले मामले में अब नया मोड़ सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश केवी विश्वनाथन ने गुरुवार को सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। उनका कहना है कि वह इस मामले में वकील के रूप में पेश हो चुके हैं। इन याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट के पहले के आदेशों में बदलाव की मांग की जा रही है, जिनके तहत हाईकोर्ट को कोयला ब्लॉक आवंटन से जुड़े आपराधिक मामलों में ट्रायल कोर्ट के आदेशों के खिलाफ अपील सुनने से रोका गया था। मुख्य न्यायधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायाधीश संजय कुमार और विश्वनाथन शामिल थे।

---

## विजयनगर में सेना की जमीन पर अतिक्रमण मुक्त करना बना मुद्दा

- परिवार का आरोप ठंड से गई बच्ची की जान

**जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद**

रक्षा सम्पदा विभाग की 160 एकड़ की जमीन पर से अतिक्रमण हटाने को लेकर अब नया मामला सामने आया है। अतिक्रमित परिवार की एक बेटी की मौत ने मामले को नया रंग दे दिया है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी कार्यकता इसे राजनीतिक तुल देने में लगे हैं। जबकि प्रशासन और सत्ताधारी संगठन नेता इसे अतिक्रमण की कार्यवाही का हिस्सा बताकर अपना पल्ला झाड़ लिया है। प्रशासन की माने तो कई दिनों से अतिक्रमण करने वालों को सूचना माध्यम से हटने के लिए कहा जा रहा था। उसके बाद भी अतिक्रमणकारियों ने कार्यवाही का इंतजार किया। ज्ञात हो कि विजयनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेना की जमीन पर अवैध कब्जा करके अतिक्रमणकारियों ने डेरी, कबाड़ और अन्य तरीकों से कब्जा जमा रखा था । जिसके खिलाफ नव निर्वाचित शहर भाजपा विधायक संजीव शर्मा ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिखकर अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही की मांग किया था।

### ठंड से मौत का आरोप

अतिक्रमण मुक्ति के बाद प्रभावित परिवार सड़को पर रहने को मजबूर हुए। जिसमें आरोप है कि एक लड़की की ठंड लगने से मौत हो गई। अगर प्रशासन अतिक्रमणकारियों को सुरक्षित जगह शिफ्ट करवा देता तो शायद उसकी बेटी के प्राण बच सकते थे। जबकि प्रशासन बार बार चेतावनी दिए जाने के बाद भी जगह नहीं छोड़ने की बात कह रहा है।

---

## गृह मंत्री शाह ने गुजरात के वडनगर को दी 300 करोड़ की सौगात, जनता को समर्पित किया पुरातत्व संग्रहालय

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली**

गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 298 करोड़ रुपये की लागत से तैयार पीएम के गृहनगर वडनगर में पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने करीब 35 करोड़ से तैयार वडनगर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी जनता को समर्पित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा पर एक फिल्म का भी विमोचन किया गया। इसके अलावा गृह मंत्री ने वडनगर में विरासत परिसर विकास योजना, शहरी सड़क विकास और सौन्दर्यीकरण कार्यक्रम की भी अध्यक्षता की। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय 12,500 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला है। यह 2,500 साल से पुराने समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास और निरंतर मानव निवास के क्रम को उत्खनन किए गए पुरातात्विक प्रमाणों को दर्शाता है। यह भारत में विकसित अपनी तरह का पहला ऐसा संग्रहालय है, जहां आगंतुकों को पुरातात्त्विक स्थल का अनुभव होगा। इस संग्रहालय में मिट्टी के बर्तनों, शंख निर्माण (उत्पाद और कच्चा माल), सिक्के, आभूषण, हथियार, औजार, मूर्तियां, खेल सामग्री तथा जैवक सामग्री जैसे खाद्यान्न, डीएनए और कंकाल अवशेषों से संबंधित लगभग 5,000 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। नौ विषयगत दीर्घाओं वाले इस संग्रहालय में 4,000 वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला उत्खनन स्थल है, जहां 12-16 मीटर की गहराई तक पुरातात्विक अवशेष देखने को मिलते हैं। इस उत्खनन स्थल पर एक अनुभवात्मक वॉक-वे शेड, आने वाले लोगों को उत्खनन से प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का प्रदर्शन कराएगा।

#### फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर का उद्घाटन

गृह मंत्री शाह ने अहमदाबाद से मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू, हैदराबाद, कोचीन और अहमदाबाद हवाई अड्डों पर फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम (एफटीआई-टीटीपी) का उद्घाटन किया। गृह मंत्री ने इससे पहले पिछले साल 22 जून को नई दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल-3 से एफटीआई-टीटीपी का शुभारंभ किया था। इसका उद्देश्य यात्रियों को विश्व स्तरीय आव्रजन सुविधाएं प्रदान करना है।

---

## गोधरा कांड पर 'सुप्रीम' सुनवाई 13 फरवरी को

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली**

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले में गुजरात सरकार और कई अन्य दोषियों की तरफ से दायर अपीलों पर 13 फरवरी को सुनवाई करेगा। वहीं इस मामले में जस्टिस जेके माहेश्वरी और अरविंद कुमार की पीठ ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई की तारीख पर मामले में कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। बता दें कि, 27 फरवरी, 2002 को गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगने से 59 लोग मारे गए थे, जिसके बाद राज्य में दंगे भड़क गए थे।

### दोषियों के लिए मौत की सजा मांगेगी गुजरात सरकार

दरअसल, गुजरात उच्च न्यायालय के अक्तूबर 2017 के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में कई अपीलें दायर की गई हैं, जिसमें कई दोषियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया था और 11 लोगों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया गया था। गुजरात सरकार ने फरवरी 2023 में शीर्ष अदालत से कहा था कि वह उन 11 दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग करेगी, जिनकी सजा को उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास में बदल दिया था।

### हम इस मामले को स्थगित नहीं करेंगे: न्यायमूर्ति माहेश्वरी

गुरुवार को जब मामले की सुनवाई हुई तो एक दोषी की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि कोई सबूत रिकॉर्ड में नहीं रखा गया है। इस पर न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने कहा, हमें नहीं पता। हम मामले की सुनवाई करेंगे और हमने पहले भी यह स्पष्ट किया था। हम इस मामले को स्थगित नहीं करेंगे। इस मामले को कम से कम पांच बार स्थगित किया जा चुका है। पिछले एक साल से मैं इस मामले को स्थगित कर रहा हूं।

#### 13 फरवरी को होगी मामले की अगली सुनवाई

वकील ने अदालत को बताया कि कुछ दोषियों ने माफी याचिका दायर की है जो लंबित है। मामले को स्थगित करने से इनकार करते हुए पीठ ने कहा, हमें मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय से निर्देश मिले हैं कि आपराधिक अपील और माफी के मामलों की एक साथ सुनवाई करने की जरूरत नहीं है। एक दोषी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने के खिलाफ गुजरात की तरफ से दायर अपील पर पहले सुनवाई होनी चाहिए। अधिवक्ता हेगड़े ने कहा, 22 साल बीत चुके हैं... मेरे मुवक्किलों को मौत की सजा नहीं दी गई है। इस पीठ को पहले दोष की पुष्टि करनी होगी। एक बार जब यह पुष्टि हो जाती है, तो फिर सजा सुनाने का काम आता है। जब हम इस पर विचार करेंगे, तो इसमें समय लग सकता है। अगर आप तीन जजों को भेजेंगे, तो इसका असर होगा। इसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई 13 फरवरी तक टाल दी।

---

## 2025 तक 900 मिलियन के पार होगी यूजर्स की संख्या, क्षेत्रीय भाषाओं का बड़ा योगदान

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली**

भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या इस वर्ष 900 मिलियन को पार करने वाली है। यह वृद्धि डिजिटल कंटेंट के लिए भारतीय भाषाओं के बढ़ते उपयोग से प्रेरित है। यह जानकारी IAMAI और KANTAR द्वारा जारी इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2024 में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत में सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 886 मिलियन तक पहुंच गई, जो साल-दर-साल 8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर को दर्शाती है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2025 तक भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ता आधार 900 मिलियन को पार कर जाएगा, और इसका मुख्य कारण डिजिटल सामग्री में भारतीय भाषाओं का बढ़ता उपयोग होगा।

### ग्रामीण भारत का बड़ा योगदान

ग्रामीण भारत में 488 मिलियन उपयोगकर्ताओं के साथ, यह कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का 55% हिस्सा बनाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय भाषाएं इंटरनेट इस्तेमाल पैटर्न को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। लगभग 98 प्रतिशत उपयोगकर्ता डिजिटल कंटेंट का उपयोग भारतीय भाषाओं में कर रहे हैं। तमिल, तेलुगु, और मलयालम भाषाएं, अपनी व्यापक उपलब्धता के कारण, सबसे लोकप्रिय भाषाओं में से हैं।

#### डिजिटल जेंडर गैप में सुधार

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में डिजिटल लैंगिक अंतर तेजी से कम हो रहा है। देश के कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी अब 47% हो गई है, जो अब तक की सबसे अधिक है। ग्रामीण भारत में, साझा डिवाइस उपयोगकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 58% है। यह वर्षों में डिजिटल पहुंच को अधिक समावेशी और न्यायसंगत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

---

## रुपये में सीमा पार लेनदेन को प्रोत्साहित करने के लिए आरबीआई उठाएगा कदम

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को सीमा पार लेनदेन के निपटान के लिए रुपये और स्थानीय/राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए उदार मानदंडों की घोषणा की है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब घरेलू मुद्रा में गिरावट आ रही है और सोमवार को यह 86.70 प्रति अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपए सहित स्थानीय मुद्राओं में सीमा पार लेनदेन को प्रोत्साहित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया और मालदीव के केंद्रीय बैंकों के साथ पहले ही समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। व्यापार लेनदेन के लिए भारतीय रुपये के अधिक उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए, जुलाई 2022 में, विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता के रूप में एक अतिरिक्त व्यवस्था शुरू की गई थी। तब से कई विदेशी बैंकों ने भारत में बैंकों के साथ वोस्ट्रो खोले हैं। आरबीआई ने गुरुवार को मौजूदा फेमा नियमों में किए गए बदलावों की घोषणा करते हुए कहा, अधिकृत डीलर बैंकों की विदेशी शाखाएं भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति के साथ सभी स्वीकार्य चालू खाता और पूंजी खाता लेनदेन के निपटान के लिए भारत से बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति के लिए INR खाते खोल सकेंगी। सरल किए गए फेमा नियमों के तहत, भारत से बाहर रहने वाले लोग, विशेष अनिवासी रुपया खाते और SRVA जैसे अपने प्रत्यावर्तनीय INR खातों में शेष राशि का उपयोग करके अन्य अनिवासियों के साथ वास्तविक लेनदेन कर सकेंगे। इसके अलावा, भारत से बाहर रहने वाले व्यक्ति, प्रत्यावर्तनीय भारतीय रुपये खातों में रखी गई अपनी शेष राशि का उपयोग गैर-ऋण साधनों में एफडीआई सहित विदेशी निवेश के लिए कर सकेंगे। आरबीआई ने आगे कहा कि भारतीय निर्यातक व्यापार लेनदेन के निपटान के लिए विदेशों में किसी भी विदेशी मुद्रा में खाते खोल सकेंगे, जिसमें निर्यात आय प्राप्त करना और इस आय का उपयोग आयात के भुगतान के लिए करना शामिल है। भारतीय रुपये और स्थानीय/राष्ट्रीय मुद्राओं में सीमा पार लेनदेन को बढ़ावा देने का निर्णय, केन्द्र सरकार के परामर्श से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 1999 के फेमा विनियमों की समीक्षा के बाद लिया गया है।

---

## गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो, विदेश मंत्रालय ने की पुष्टि

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली**

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को बताया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो 26 जनवरी को भारत के 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि एक व्यापक रणनीतिक साझेदार के रूप में इंडोनेशिया भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत के उसके दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत और इंडोनेशिया के बीच सदियों पुराने मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की यह आगामी यात्रा दोनों देशों के नेतृत्व को द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करने और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी। पिछले साल फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि थे, जबकि 2023 में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी इस अवसर पर शामिल हुए थे। 2021 और 2022 में कोविड-19 महामारी के कारण गणतंत्र दिवस पर कोई मुख्य अतिथि नहीं था।

#### मुख्य अतिथि के चयन की प्रक्रिया क्या है?

यह प्रक्रिया आयोजन से करीब छह महीने पहले शुरू हो जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान विदेश मंत्रालय शामिल रहता है। किसी भी देश को निमंत्रण देने के लिए सबसे पहले यह है देखा जाता है कि भारत और संबंधित अन्य राष्ट्र के बीच मौजूदा संबंध कितने अच्छे हैं। इसका निर्णय देश के राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य और वाणिज्यिक हितों को भी केंद्र में रख कर लिया जाता है। पहले विदेश मंत्रालय संभावित उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करता है और फिर इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के पास भेजा जाता है। इसके बाद संबंधित मुख्य अतिथि की उपलब्धता देखी जाती है। अगर उनकी उपलब्ध हैं तो भारत आमंत्रित देश के साथ आधिकारिक संचार करता है।

#### मुख्य अतिथियों को बुलाने की शुरुआत कब हुई?

26 जनवरी 1950 को भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह से ही इसमें मुख्य अतिथियों को आमंत्रित करने की शुरुआत हुई थी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो भारत के पहले गणतंत्र दिवस परेड के पहले मुख्य अतिथि थे।

#### गणतंत्र दिवस में अतिथि देश क्यों जरूरी होता है?

गणतंत्र दिवस समारोह में कई आकर्षण के केंद्र होते हैं लेकिन कूटनीतिक दृष्टि से इसमें शामिल होने वाले प्रमुख अतिथि पर भी सबकी नजरें होती हैं। भारत के गणतांत्रिक देश बनने के साथ ही इस समारोह में मुख्य अतिथि को बुलाने की परंपरा रही है। भारत प्रति वर्ष नई दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह के लिए सम्माननीय राजकीय अतिथि के रूप में किसी अन्य देश के राष्ट्राध्यक्ष या सरकार के प्रमुख को निमंत्रण देता है। अतिथि देश का चयन रणनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक हितों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद ही किया जाता है। यूं कहें कि गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि का निमंत्रण भारत और आमंत्रित व्यक्ति के देश के बीच मैत्रीपूर्ण सबंधों की मिशाल माना जाता है।

---

## केवल दो से अधिक बच्चे वाले ही लड़ सकेंगे स्थानीय निकाय चुनाव: सीएम चंद्रबाबू नायडू

**जन एक्सप्रेस/एजेंसी। तिरुपति**

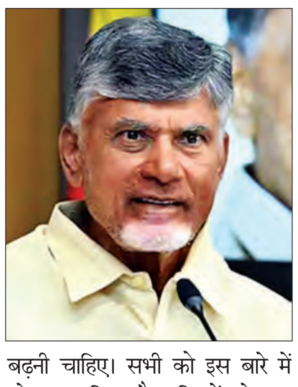

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि, कोई व्यक्ति सरपंच, नगर पार्षद या महापौर तभी बन सकता है, जब उसके दो से अधिक बच्चे हों। इस दौरान उन्होंने संकेत दिया कि इससे जनसंख्या में गिरावट को रोका जा सकेगा। सीएम ने आगे कहा कि, वे लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नीतियां लाएंगे। इससे पहले सीएम नायडू ने कहा था कि, राज्य में विकास दर बढ़नी चाहिए। सभी को इस बारे में सोचना चाहिए और परिवारों को कम से कम दो या उससे अधिक बच्चे पैदा करने का लक्ष्य रखना चाहिए। दरअसल केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं। अगले 15 साल में यह और तेजी से गिरेगी। उन्होंने हाल ही में यहां नरवरिपल्ले में कहा, एक समय में, अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को पंचायत (चुनाव) या स्थानीय निकायों में चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं थी। अब मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि कम बच्चों वाले व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकते। आप सरपंच, नगर पार्षद, निगम अध्यक्ष या महापौर तभी बन सकते हैं जब आपके दो से अधिक बच्चे हों। मुख्यमंत्री के अनुसार, उत्तर भारत लगभग 15 वर्षों में स्थिर प्रजनन दर का लाभ खो सकता है। टीडीपी सुप्रीमो ने कहा कि पुरानी पीढ़ी के पास अधिक बच्चे थे, जबकि वर्तमान पीढ़ी ने इसे एक बच्चे तक सीमित कर दिया है।

#### 'सभी देशों ने की गलती, हमें सही समय पर लेना होगा फैसला'

सीएम नायडू ने कहा आपके माता-पिता ने चार से पांच बच्चे पैदा किए और आपने इसे एक तक सीमित कर दिया। अब और भी अधिक स्मार्ट लोग कह रहे हैं कि डबल इनकम नो किड्स हमें आनंद लेने दें। अगर उनके माता-पिता ने उनकी तरह सोचा होता, तो वे इस दुनिया में नहीं आते। सीएम ने कहा कि सभी देशों ने यह गलती की है और हमें सही समय पर निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि अधिक बच्चे पैदा करने के महत्व पर जोर नहीं दिया गया और स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक: अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादक: अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबंध संपादक- मनोज तिवारी) (राज्य ब्यूरो प्रमुख- संतोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोट: सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)